जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 125 प्रभात अजमेर, बुधवार 4 दिसम्बर, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

मुख्यमंत्री की दौड़ में देवेन्द्र फड़नवीस बहुत पीछे रह गये!

मोदी व शाह, दोनों फड़नवीस को मु.मंत्री बनाने के पक्ष में नहीं

- आर.एस.एस., जो अब तक फड़नवीस को मुख्यमंत्री बनाने की मुहिम में सबसे ज्यादा सक्रिय थी, अब कुछ शान्त सी हो गई है, क्योंकि संघ अभी मोदी शाह द्वय से खुली अदावत करने के पक्ष में नहीं लगता।
- अब प्रबल सम्भावना है, कि, महाराष्ट्र का नया मु.मंत्री भाजपा का कोई मराठा नेता होगा। तथा शाह उसके नाम पर मतैक्यता बनाने में जुटे हैं।
- वैसे अमित शाह की पसन्द तावड़े हैं, जो चर्चाओं के अनुसार, मतदान से पूर्व बहुत सारे ''कैश'' के साथ पकड़े गये थे।
- अतः सम्भावना है कि पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही, समय पर घोषणा हो जायेगी। हालांकि, अभी वर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तबियत खराब होने की वजह से अस्पताल में हैं। जिज्ञासा केवल इतनी सी है, एकनाथ शिंदे की क्या राय रहती है, वे अंततोगत्वा, उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार कर लेंगे, या केन्द्र सरकार में शामिल होने के लिए दिल्ली जायेंगे, या राजनीति से ''सन्यास'' ले लेंगे।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। महाराष्ट्र सरकार की गुत्थी लगातार गुत्थी बनी हुई है।

अब यह बात स्पष्ट रुप से उभरकर सामने आ गई है कि मुख्यमंत्री पद की दौड़ में देवेन्द्र फड़नवीस काफी पीछे रह गए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह दोनों ही फड़नवीस के पक्ष में नहीं हैं।

सूत्रों का कहना है कि आर.एस.एस., जो फड़नवीस का समर्थन कर रहा था, कुछ समय से मौन है, क्योंकि वह अभी मोदी और शाह से टकराव नहीं चाहता है।

पता चला है कि शपथ ग्रहण निर्धारित समय पर ही होगा, हालांकि शिवसेना के नेता व निवर्तमान मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे बीमार हैं और अस्पताल में हैं।

नया मुख्यमंत्री भाजपा का मराठा नेता होगा और अमित शाह अपनी पसंद के प्रत्याशी के लिए आम सहमति बनाने में रात दिन एक कर रहे हैं।

अभी तक किसी नाम का उल्लेख नहीं हुआ है, पर यह स्पष्ट है कि नाम की घोषणा में देरी इसीलिए की जा रही है, क्योंकि वे फड़नवीस को इस दौड़ से ही हटा देना चाहते हैं और अपनी पसंद के प्रत्याशी पर आम सहमति बनाना चाहते हैं। अमित शाह के प्रमुख प्रत्याशी हैं, तावडे, जो बहुत सारी नकद राशि के साथ पकड़े गए थे।

सूत्रों का कहना है कि अमित शाह तावडे को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।

एक प्रमुख प्रश्न यह है कि अब एकनाथ शिंदे क्या करेंगे? क्या वे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करेंगे या फिर केन्द्र में मंत्री बनेंगे या एकान्तवास में चले जाएंगे।

भर्ती के एक साल बाद पी.टी.आई. की जाँच क्यों- हाईकोर्ट

- अदालत ने शिक्षा सचिव, माध्यमिक निदेशक, जिला शिक्षा अधिकारी व सचिव कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा।

जयपुर, 3 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पी.टी.आई. भर्ती-2022 में नियुक्ति के बाद एक साल से ज्यादा समय से नौकरी करने के बाद, भर्ती एजेंसी की ओर से एस.ओ.जी. के जरिए जांच कराने के मामले में शिक्षा सचिव, माध्यमिक शिक्षा निदेशक, जिला शिक्षा अधिकारी व सचिव कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश ममता जाट की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने पी.टी.आई. भर्ती-2022 के लिए 16 जून को भर्ती विज्ञापन जारी किया था। इसके तहत ही बोर्ड ने भर्ती प्रक्रिया पूरी की। वहीं, इसमें दो बार जांच करने के बाद याचिकाकर्ता को पी.टी.आई. के पद पर नियुक्ति दी गई। इसके बाद चयन बोर्ड ने एस.ओ.जी. से अभ्यर्थियों की डिग्री की जांच कराई, जिसमें एस.ओ.जी. ने माना कि याचिकाकर्ता की ओर से ओ.पी.जी.एस. यूनिवर्सिटी से प्राप्त की गई डिग्री नियमानुसार सही नहीं है। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्ततोगत्वा संसद पटरी पर लौटी

कांग्रेस की पहल पर सत्तापक्ष और विपक्ष का गतिरोध समाप्त हुआ

- लोकसभा में अवश्य उस समय विपक्ष ने वॉक आउट किया, जब विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत और चीन के बीच हुई संधि के बारे में बताना शुरू किया।
- सपा चीफ अखिलेश यादव ने लोकसभा में और उनके चाचा रामगोपाल यादव ने राज्यसभा में संभल हिंसा का मुद्दा उठाया और यू.पी. सरकार पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया।
- तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुदीप बंदोपाध्याय तथा कांग्रेस सांसद, के. सुरेश ने बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हिंसा पर चिंता जताई।
- संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवम्बर को शुरू हुआ था और 20 दिसम्बर तक चलेगा।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। सरकार और विपक्ष के बीच एक सप्ताह के लम्बे चले गतिरोध के बाद मंगलवार को संसद फिर पटरी पर आ गई। इसका श्रेय कांग्रेस को जाता है। कांग्रेस की पहल पर लोकसभा स्पीकर ओम बिडला की अध्यक्षता में दोनों पक्षों के सदस्यों की मीटिंग हुई और लोकसभा व राज्य सभा में दो-दो दिन संविधान पर चर्चा के लिए सहमति बनी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्य सभा के सभापति तथा राहुल गांधी ने लोकसभा स्पीकर को पत्र लिख कर कहा कि भारतीय संविधान की 75 वीं वर्षगांठ पर दोनों सदनों में संविधान पर चर्चा कराई जाए। हालांकि 26 नवम्बर को पुरानी संसद के केन्द्रीय कक्ष में संसद की संयुक्त बैठक में चर्चा हो चुकी है।

विपक्ष ने लोकसभा से तब बहिर्गमन किया, जब विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने बैठक की शुरूआत में भारत व चीन के बीच हुई संधि का ब्यौरा दिया। उन्होंने बताया कि भारत और चीन के संबंध सुधरे हैं। उन्होंने बताया कि चीन ने कई जगहों पर भारी सेना तैनात कर दी थी। उन्होंने चीन को माकूल जवाब देने के लिए भारतीय सेना की तारीफ की।

सपा नेता अखिलेश यादव ने लोकसभा में सम्भल हिंसा का मुद्दा उठाया और आरोप लगाया कि यू.पी. सरकार ने हिंसा करवाई है। राज्य सभा में यही मुद्दा अखिलेश के चाचा रामगोपाल यादव ने उठाया।

अखिलेश ने कहा, ''जो घटना सम्भल में घटी, वह एक सुनियोजित षडयन्त्र है तथा भाईचारे की हत्या कर दी गई है। चर्चा है कि भाजपा और उसके मित्र दलों द्वारा पूरे देश में खुदाई करवाई जाएगी, यह देश के भाईचारे को नष्ट कर देगी''। रामगोपाल यादव ने उत्तर प्रदेश के इस नगर में पुलिस की तैनाती तथा पुलिस द्वारा पाँच लोगों को मार डालने तथा 20 लोगों को घायल कर देने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जो लोग पकड़े गये थे, उन्हें बुरी तरह पीटा गया।

संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवम्बर को शुरू हुआ था तथा 20 दिसम्बर तक चलेगा। कांग्रेस सांसद

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फ्रांस, अब यूरोप में ब्रिटेन का स्थान लेने की पूरी कोशिश में

यह स्थान अब तक, ब्रिटेन के लिए आरक्षित था

- फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रां ने पेरिस के एतिहासिक चर्च नॉटरडैम, जो पांच साल पहले आग में जल कर लगभग पूर्णतया क्षतिग्रस्त हो गया था, का पुनर्निर्माण (रेस्टोरैशन) करके, एक भव्य अंतर्राष्ट्रीय समारोह आयोजित किया है, और समारोह में राष्ट्रपति ट्रम्प को मुख्य अतिथि बनाया गया है।
- इस समय जर्मनी की लम्बे समय तक चांसलर रहीं, एंजिला मार्केल, विवादित व्यक्ति हो गई हैं। जर्मनी के सभी न्यूक्लियर बिजली घर बन्द करके, देश को रूस से आने वाली सस्ती नैचुरल गैस पर निर्भर बनाने से तथा जर्मनी में बहुत भारी संख्या में सीरिया के लोगों को नागरिकता प्रदान करके, देश में एक बड़ा हंगामा खड़ा करने के कारण।
- अतः फ्रांस के लिए बहुत सही समय है यूरोप में अमेरिका का ''बैस्ट फ्रैन्ड'' बनने के लिए।
- ट्रम्प भी फ्रांस की इस कोशिश से नाखुश नहीं हैं। इसका इज़हार ट्रम्प ने फ्रांस में अपने नजदीकी रिश्तेदार को अमेरिका का राजदूत बनाकर भेजकर किया।
- फ्रांस की, अमेरिका के नज़दीक आने की मुहिम सफल होती नज़र आ रही है।

- अंजन रॉय -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। विक्टर ह्यूगो की कहानी ''हंचबैक ऑफ नॉट्र डाम'' फ्रांस का प्रतीक थी। जिसका मुख्य किरदार हंचबैक गिरिजाघर की बड़ी-बड़ी घंटियों पर झूलता है, ताकि घंटियों की आवाज़ ''रोशनी के शहर'' पेरिस में पहुँच सके।

अब, एक विनाशकारी आग से लगभग नष्ट हो जाने के पांच साल बाद नॉट्र डाम के पुनर्निर्मित गिरिजाघर का उद्घाटन फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रां 4 दिसम्बर को करेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति ने पुनःस्थापित इस शानदार गिरिजाघर को यूरोपीय कूटनीति के केन्द्र में रखने का फैसला किया है।

मैक्रां ने इस कार्यक्रम को, हाल के समय की सबसे बड़ी कूटनीतिक क्रांति का रूप दिया है। उन्होंने अमेरिका के भावी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प को चर्च के शानदार पुनः उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया है। ट्रम्प, जिन्हें जीवन में किसी भी अन्य चीज़ से ज्यादा चापलूसी और चमकदार रोशनी पसंद है, नॉट्र डाम के भव्य पुनः उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होने को लेकर अति प्रसन्न हैं।

यह अटलांटिक पार के देशों के बदलते संबंधों और पश्चिमी देशों के गठबंधन के महत्व को दर्शाता है। कुछ समय पहले तक, ग्रेट ब्रिटेन के अमेरिका के साथ तथाकथित ''विशेष संबंध'' थे, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तथा युद्ध के बाद यूरोप भर में हो रहे पुनर्निर्माण के समय शान के साथ दर्शाए गए थे।

अब, फ्रांस यूरोप में अमेरिका के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अपराध साबित नहीं हुआः मालपुरा दंगे के 5 आरोपी बरी

- पीठासीन अधिकारी ने कहा, अभियोजन पक्ष आरोपियों पर हत्या का आरोप सिद्ध नहीं कर पाया।

जयपुर, 3 दिसंबर। सांप्रदायिक दंगा मामलों की विशेष अदालत ने 24 साल पहले टोंक जिले के मालपुरा में सांप्रदायिक दंगों के दौरान हुई हत्या के मामले में पांच आरोपियों अब्दुल वहाब, मोहम्मद हसीब, आसिफ, फिरोज अहमद और उमर को बरी कर दिया है। पीठासीन अधिकारी श्वेता गुप्ता ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपियों पर हत्या का आरोप साबित नहीं कर सका है। ऐसे में आरोपियों को दोषमुक्त किया जाता है।

अभियोजन पक्ष की ओर से अदालत को बताया गया कि 10 जुलाई, 2000 को मालपुरा में दो संप्रदायों के बीच दंगा हुआ था। इस दौरान, चुंगी नाके के पास कैलाश माली की हत्या कर दी गई थी। घटना को लेकर मृतक के बेटे मनोज ने दो दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसे जांच के लिए बाद में सी.आई.डी. सी.बी. को भेजा गया था। सी.आई.डी. सी.बी. ने मामले में जांच कर 9 अक्टूबर, 2000 को अदालत में आरोप पत्र पेश किया था। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता शौकत आलम व अन्य ने बताया कि मृतक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाउसिंग बोर्ड के कर्मचारियों को 22 साल बाद आवंटित होंगे मकान

अन्ततोगत्वा हाउसिंग बोर्ड के तीन कर्मचारियों को हाईकोर्ट से इंसाफ मिला

- हाउसिंग बोर्ड ने अपने कर्मचारियों के लिए 2002 में यह स्कीम निकाली थी, जिसमें इन तीन कर्मचारियों ने पंजीयन राशि जमा करवाई थी और हाउसिंग बोर्ड ने भी 2006 में प्रस्ताव पारित किया था कि पंजीयन राशि जमा कराने वालों को मकान आवंटित होगा, पर इन तीन कर्मचारियों को मकान आवंटन नहीं किया गया।
- इस मामले में हाउसिंग बोर्ड कई वर्ष तक इसलिये कोई आवंटन नहीं कर सका क्योंकि बोर्ड के अधिकारी इस स्कीम में उन कर्मचारियों को भी मकान आवंटन करने लगे थे जो प्रतिनियुक्ति पर हाऊसिंग बोर्ड में आये थे और बोर्ड में स्थाई नहीं हुए थे। इस पर 2007 में कोर्ट में मामला दर्ज किया गया था।
- हाउसिंग बोर्ड के वकील ने हाईकोर्ट में यह तर्क दिया कि उपरोक्त वर्णित विवाद के लंबित रहने के दौरान बोर्ड ने यह प्रस्ताव पास कर दिया था, कि प्लिंथ स्तर के मकानों का भविष्य में आवंटन नहीं करेगा। वकील का कहना था कि इस कारणवश बोर्ड ने इन तीन कर्मचारियों को आवंटन नहीं किया है। दूसरी ओर इन कर्मचारियों ने आवंटन के लिये मूल राशि जमा नहीं कराई थी। हाईकोर्ट ने इन दोनों तर्कों को खारिज कर दिया है।

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 3 दिसम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आवासन बोर्ड की अपील को खारिज करते हुए आदेश दिये हैं कि उसके कर्मचारियों के लिये 2002 में लाई गई स्पेशल स्कीम के तहत तीन याचिकाकर्ता धर्मेंद्र, लूणकरण और संजय चौबीसा को स्कीम अनुसार प्रतापनगर में ''प्लिंथ'' स्तर के आवासों का आवंटन करें क्योंकि याचिकाकर्ता कर्मचारी ने उपयुक्त समय पर पंजीयन के लिये राशि जमा करा दी थी। मुख्य न्यायाधीश एम.एम.श्रीवास्तव और न्यायाधीश आशुतोष कुमार ने इसी मामले में एकलपीठ द्वारा दिये गये आदेश में केवल इतना सा संशोधन किया है कि हाऊसिंग बोर्ड को 6 नवम्बर 2015 को लागू ''रेट'' के अनुसार मूल राशि (सीड मनी) मान्य होगी, एकलपीठ ने 2007 को हाऊसिंग बोर्ड को आवंटन करने के आदेश दिये थे। इस मामले में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुधांशु जोशी और पी.पी.माथुर पैरवी के लिये पेश हुए।

जिरह के दौरान अधिवक्ता सुधांशु जोशी ने अदालत को बताया कि यह स्कीम 2002 में लाई गई थी, और उनके मुवक्किल ने 2006 तक पंजीयन शुल्क पूरा दे दिया था। दूसरी ओर हाऊसिंग बोर्ड के वकील की ओर से कहा गया कि इन तीन कर्मचारियों ने लंबे समय तक आवास के आवंटन के लिये मूल राशि जमा नहीं कराई थी।

इस पर सुधांशु जोशी ने अदालत को बताया कि इस मामले में सीड मनी 2014 तक इसलिये अदा नहीं किया जा सका क्योंकि 50 घरों की यह स्कीम 2007 में हाईकोर्ट में एक विवाद में उलझी रही जिसका निस्तारण वर्ष 2015 में हुआ। उन्होंने अदालत को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

महाराष्ट्र मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह भव्य बनाने की तैयारी

मुंबई, 03 दिसंबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद अब सरकार बनाने की तैयारी चल रही है। यहां महायुति की सरकार के शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने के सारे प्रयास किए जा रहे हैं। महायुति की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह मुंबई के आजाद पार्क में 5 दिसंबर को होने जा

- प्रधानमंत्री, अमित शाह, राजनाथ सिंह, नड्डा, गडकरी सहित सत्तर वी.आई.पी. समारोह में आयेंगे।

रहा है। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में कुल 70 से ज्यादा वी.वी.आई.पी. नेता शामिल होंगे। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, राजमार्ग एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सहित कैबिनेट के कई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रम्प ने ''ब्रिक्स देशों'' पर सौ प्रतिशत शुल्क लगाने की धमकी दी

अमेरिका ''ब्रिक्स देशों'' की, आपसी व अन्तरराष्ट्रीय व्यापार के लिए डॉलर का उपयोग न करने की चेष्टा से काफी क्षुब्ध है

- भारत, अमेरिका की इस नाराज़गी का समर्थन कर रहा है। क्योंकि भारत के अमेरिका से काफी सुविधाजनक व फायदे मंद सम्बंध हैं, और वह ''डॉलर विहीन'' अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पक्ष में है।
- ''ब्रिक्स देशों'' के समूह में रूस व चीन, डॉलर के बजाय किसी अन्य मुद्रा में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रबल समर्थक हैं। क्योंकि, अमेरिका ने रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद, रूस की अमेरिकी बैंक में मुद्रा आदि को फ्रीज़ कर दिया था, जिससे रूस को काफी दिक्कत आई थी, अपना तेल (ऑयल) अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में बेचने में।
- भारत का रुख है, व्यापार को राजनीतिक झगड़ों का माध्यम नहीं बनाना चाहिए। व्यापार, आपसी सहूलियत पर आधारित होना चाहिए। और भारत डॉलर विरोधी मुहिम में शामिल नहीं है।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प द्वारा ब्रिक्स देशों की ग्लोबल रिज़र्व करैंसी के रुप में डॉलर्स पर निर्भरता कम करने के प्रयासों की आलोचना को भारत से समर्थन मिला है। डॉलर पर निर्भरता कम करने की कोशिश अर्थात ''डी-डॉलराइजेशन'' का सबसे मुख्य एवं मुखर समर्थक रुस है। रुस का मत है कि पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली वित्तीय व्यवस्था को बाइपास करने का यही तरीका है।

ऑब्ज़र्वर रिसर्च पाउण्डेशन (ओ.आर.एफ.) में स्टडीज़ एण्ड फॉरैन पालिसी के वाइस प्रैसिडैंट हर्ष वी. पंत के अनुसार, ब्रिक्स देशों की कॉमन करैंसी पर रुस का समर्थन पश्चिमी देशों के प्रभाव से खुद को दूर करने का प्रयास है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अक्टूबर की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत का रुख स्पष्ट कर दिया था कि भारत डॉलर को निशाना बनाने या डॉलर पर निर्भरता कम करने की रणनीति का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने स्पष्ट किया था कि जिन देशों के पास डॉलर का अभाव है, उनके साथ ट्रेड के लिए भारत की रणनीति व्यवहारिक सोच पर आधारित है, न कि इसके पीछे कोई विचारधारा है। भारत ट्रेड के लिए एक प्रगतिशील सोच रखता है, डॉलर को कम नहीं करना चाहता है। जयशंकर के बयान का अर्थ है कि ऐसी कार्यवाही राजनैतिक रुप से प्रेरित नहीं है, बल्कि वैश्विक ट्रेड की वास्तविकताओं पर आधारित है, जहां कई बार लेन-देन में स्थानीय मुद्रा प्रयुक्त की जाती है। ब्रिक्स देशों के स्थानीय मुद्रा में ट्रेड पर जोर दिए जाने पर ट्रम्प ने सख्त प्रतिक्रिया दी और धमकी दी कि अगर उन्होंने डॉलर से दूरी बनाने की मुहिम जारी रखी तो उन पर शत प्रतिशत टैक्स लगाया जाएगा। इससे स्पष्ट है कि अमेरिका इस मसले पर कितना चिंतित है क्योंकि सैंट्रल बैंक्स के रिज़र्व मुद्रा कोष में अमेरिकन डॉलर गत दो दशकों में घटा है। इसकी शुरुआत यूरो से हुई और विकासशील देशों द्वारा आपसी ट्रेड स्थानीय मुद्रा में करने से इस प्रवृति को बढ़ावा मिला, जैसा भारत सहित कई देशों में देखा जाता है।

इन्टरनैशनल मॉनेटरी फंड (आई.एम.एफ.) के डेटा के अनुसार, 1999 से 2024 के बीच ग्लोबल रिज़र्व से डॉलर की मात्रा 71 प्रतिशत से हटकर 58 प्रतिशत रह गई, वहीं यूरो की हिस्सेदारी बढ़ी है।

पंत ने कहा कि भारत के पास ''डी-डॉलराइजेशन'' का कोई आर्थिक, रणनीतिक या राजनैतिक कारण नहीं है। भारत लंबे समय से अमेरिका का रणनीतिक सहयोगी रहा है और ग्लोबल ट्रेड में डॉलर की स्थिरता व इस्तेमाल में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कार्यस्थल व सार्वजनिक जगहों पर महिला टॉयलेट की व्यवस्था हो'

- हाईकोर्ट ने स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेकर केन्द्र व राज्य सरकार से जवाब मांगा।

जयपुर, 3 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कार्यस्थल और सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं के लिए टॉयलेट की कमी और मौजूदा टॉयलेट की खराब हालतों पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में केन्द्र सरकार, मुख्य सचिव, प्रमुख नगरीय विकास सचिव और स्वायत्त शासन निदेशक को नोटिस जारी कर विभिन्न बिंदुओं पर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश इस संबंध में प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट पर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने इन अधिकारियों से इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी भी पेश करने को कहा है। अदालत ने अधिवक्ता सुप्रिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कोई भी भाषा अपने साथ एक संस्कार, एक सोच, एक पहचान और प्रवृत्ति को लेकर चलती है। – भरत प्रसाद

धर्म की ध्वजा उठाने वालों की ज़ुबान क्यों फिसलती है!

वोक्कालिगा महासमस्तन मठ के महंत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी ने पिछले दिनों मुस्लिम समुदाय को वोट देने के अधिकार से वंचित करने के अपने बयान पर खेद व्यक्त करते हुए इसे 'जुबान फिसलने' वाला बयान बताया है। उन्होंने कहा कि मुसलमान भी इस देश के नागरिक हैं और उन्हें भी दूसरों की तरह वोट देने का अधिकार है। इस संत ने एक बयान में कहा:– "मेरे बयान के बारे में मेरी स्पष्ट राय है कि मुसलमान भी इस देश के नागरिक हैं और उन्हें भी दूसरों की तरह वोट देने का अधिकार है। कल मेरे ज़ुबान फिसलने वाले बयान से अगर मुस्लिम भाई परेशान हैं तो मैं तहे दिल से खेद व्यक्त करता हूं। मैं अनुरोध करता हूं कि इस मुद्दे को आगे न बढ़ाएं और इसे यहीं खत्म करें।" क्या किसी के अपने बयान से इस प्रकार मुकर जाने से बात खत्म हो जाती है? यहां ज़ुबान फिसलने की बात कहने वाला ऐसा व्यक्ति है जो एक समुदाय का महंत है, जिस पर अवश्य ही अनेकों की आस्था होगी। यह आस्था धर्म का दंड धारण किये व्यक्ति पर इसलिए होती है क्योंकि लोगों को भरोसा होता है कि वह उन नैतिक मूल्यों का संरक्षक होगा जिनकी पालना में सामान्य आदमी कमजोर पड़ सकता है। धर्म का संरक्षक सबमें एक ईश्वर को देखता है, जो इंसानों के बीच भेद नहीं करता, वह प्रेम और सत्य की स्थापना करने के लिए मामूली सांसारिक पचड़ों से ऊपर उच्च वैचारिक धरातल पर पहले खुद पहुंचता है फिर अपने अनुयाइयों को ले जाने का उद्यम करता है। उसकी ज़ुबान फिसलती नहीं। ज़ुबान छद्म व्यक्ति की फिसलती है। अयोध्या का मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय से सुलट जाने के बाद यदि किसी को लगा था कि अब देश में सांप्रदायिक सद्भाव फिर से पटरी पर आने लगेगा वे गलत साबित हो रहे हैं। सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने वाले भले ही 140 करोड़ वाले देश की आबादी में मुट्ठी भर हों, मगर वे बाज नहीं आते। ऐसे में किसी की ज़ुबान फिसलती है, तो कोई अजमेर के दरगाह की नींवें खुदवाने अदालत में चला जाता है, और कोई अदालत यंत्रवत उस पर नोटिस भी जारी कर देती है जिसे समाचारपत्र संस्थान तथा पत्रकारिता शिक्षा के उच्च डिग्रीधारी मीडियाकर्मी ऐसे प्रस्तुत करते हैं जैसे अदालत ने वादी के पक्ष में फैसला दे दिया हो और वह जीत गया हो। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के ऐसे मामलों के याचिकाकर्ता और हिंदू राष्ट्रीय सेना नाम की संस्था के स्वयंभू अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दंभ भरते हुए बीबीसी से कहा कि हम ऐसी कोई भी जगह नहीं छोड़ेंगे जहां मस्जिद है। विष्णु गुप्ता के विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के उस बयान से उलट हैं जिन्होंने 2 जून 2022 को लोगों से कहा था, हर मस्जिद में शिवलिंग ढूंढने की ज़रूरत नहीं है। मगर धर्म को आध्यात्म के ऊंचे शिखर से गिरा कर अंधेरी खाई में खींचने वाले भी तो कम नहीं हैं। अनेकों ने धर्म को ही कारोबार बना लिया है। भारतीय परंपरा में धर्म किसी समुदाय को संगठित करने के अर्थ में कभी नहीं रहा। धर्म का यहां जैसा अर्थ और स्थान है उसका उदाहरण और किसी सभ्यता में नहीं मिलता है। यहां हर रिश्ते, हर काम का अलग धर्म होता है। भारतीय परिपेक्ष्य में सबको समेट कर कहें तो वह बनता है मानव धर्म। मानव धर्म शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उसकी भौतिक अवधारणा होते हुए भी वह आध्यात्मिक है। परिवार एक है परंतु उसकी हरेक इकाई का धर्म अलग-अलग है। पिता का धर्म है, माता का धर्म है, संतान का धर्म है, भाई का धर्म है बहन का धर्म है। परिवार से बाहर जाएं तो पाते हैं राजा का धर्म, प्रजा का धर्म, पुरोहित का धर्म, ब्राह्मण का धर्म, वणिक का धर्म, सेवक का धर्म, स्वामी का धर्म, मित्र का धर्म, और यहां तक कि दुश्मन का भी धर्म। यहां के इतिहास का सबसे हिंसक युद्ध महाभारत माना जा सकता है। मगर वहां भी धर्मयुद्ध है। अर्थात युद्ध का भी धर्म। भारतीय परंपरा में धर्म को कर्तव्य (ड्यूटी) या नैतिक दायित्व जैसे शब्दों में भी सीमित नहीं किया जा सकता। यह धर्म किसी परा या अपरा शक्ति या किसी एक किताब से भी नियंत्रित नहीं होता। फिर भी उसने हजारों वर्षों तक इस भूभाग की सभ्यता को एक विरल सांस्कृतिक व्यवस्था दी है।

ज़ुबान छद्म व्यक्ति की फिसलती है। अयोध्या का मुद्दा सर्वोच्च न्यायालय से सुलट जाने के बाद यदि किसी को लगा था कि अब देश में सांप्रदायिक सद्भाव फिर से पटरी पर आने लगेगा वे गलत साबित हो रहे हैं। सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने वाले भले ही 140 करोड़ वाले देश की आबादी में मुट्ठी भर हों, मगर वे बाज नहीं आते।

भारत में धर्म एक पूर्णतया अद्वितीय सभ्यतागत अवधारणा है, जो अब्राहमिक धर्मों द्वारा निर्धारित कठोर आचार संहिता से बहुत अलग है। इसके नैतिक लचीलेपन को पश्चिमी विद्वान और भारत में उनके वैचारिक ध्वजावाहक आमतौर पर नहीं समझ पाते है। यहां धर्म, जीवन का एक जटिल और महत्वपूर्ण आयोजन का सिद्धांत है। यह मानव आचरण को नियंत्रित नहीं सभ्य बनाये रखने वाली एक संहिता है, जिसे किसी एक शब्द में अभिव्यक्त भी नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इसमें कई तरह के गुण शामिल हैं जैसे धर्मपरायणता, कर्तव्य, अच्छाई, सद्गुण और धार्मिकता आदि। भारतीय सभ्यता में धर्म को कायम रखने के लिए कोई निर्धारित साधन या नियम भी नहीं हैं। लेकिन यह भी है कि यहां धर्म ने अर्थ, काम और मोक्ष के साथ-साथ जीवन के दृष्टिकोण के एक प्रमुख सिद्धांत के रूप में प्रमुखता हासिल की। धर्म के मूल में क्या है, इसका विस्तार से वर्णन धर्मशास्त्र और धर्मसूत्र जैसे ग्रंथ करते हैं और इसके परिभाषित सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हैं। कहा जा सकता है कि यहां धर्म नैतिकता की धारणा का मूल है। सही आचरण क्या है? सही या गलत क्या है? सही या गलत का निर्णय करने के लिए कोई अचूक कसौटी क्या है? सही व्यवहार क्या है? इसे घोषित करने का अधिकार किसके पास है? क्या कोई अपरिवर्तनीय नियम हैं जो सार्वभौमिक रूप से लागू हों? क्या नैतिक आचरण, संदर्भ और परिस्थिति के साथ बदलता रहता है, या यह सभी स्थितियों के लिए निरपेक्ष है? अधिकांश सभ्यताओं ने यह माना है कि कुछ चीजें बिल्कुल सही हैं या बिल्कुल गलत हैं। दूसरी ओर, भारतीय दृष्टिकोण अत्यधिक सूक्ष्म और जटिल है, जो कुछ गुणों पर जोर देता है जिनका पालन किया जाना चाहिए, और साथ ही संदर्भ, और परिस्थिति के आधार पर उस आदर्श से छूट भी प्रदान करता है। कई पर्यवेक्षकों ने इस नपी-तुली अस्पष्टता में एक दुर्बल नैतिक सापेक्षता होने का भी तर्क देते हैं। उनका कहना है कि बहुसंख्यक भारतीय समाज में नैतिक ढांचे का स्पष्ट और निर्देशात्मक, कि क्या करें और क्या न करें, का अभाव इसे कमजोर बनाता है, और साथ ही नैतिक जिम्मेदारी से बचने के लिए बहानेबाजी की एक सुविधाजनक व्यवस्था भी उपलब्ध करा देता है। वास्तव में यहां का धर्म भिन्नताओं में एकता स्थापित करने वाला है। यहां माना गया कि एक परिस्थिति में जो सही है, वह दूसरी परिस्थिति में गलत हो सकता है। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें नैतिकता के उद्देश्यों को नैतिक आचरण के विचलनों की कठोर और पूर्ण निंदा नहीं होती है। मदर अब इसका लाभ धर्म के स्वयंभू पालक उठाने लगे हैं। इसी लचीले धर्म से प्रेरित हम भारत के लोगों ने अपना गणतांत्रिक संविधान अंगीकार किया और देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर देने के इंतज़ाम किये। मगर समुदायों के कथावाचक तथा कर्मकांडी लोगों को जब धर्मगुरु के उच्च आसन पर कब्जा करने में तथा सियासत के कारोबार में भी अपना मुनाफा नज़र आने लगता है तब हमारा नया-नया लोकतंत्र कमजोर होने लगता है।

दुनिया भर के दार्शनिकों का तर्क है कि धर्म एक रक्षा तंत्र के रूप में काम करता है। यह हमारी पीड़ा को हरने के लिए एक मरहम जैसा है, और हमें गिरने से बचाने के लिए एक सहारा है। लेकिन 1980 के दशक में, बौद्ध शिक्षक जॉन वेलवुड ने एक नया 'आध्यात्मिक बाईपासिंग' शब्द गढ़ा और कहा कि यह कभी-कभी नुकसानदेह भी हो सकता है। वेलवुड के लिए, आध्यात्मिक बाईपासिंग, व्यक्तिगत, भावनात्मक अधूरे काम को दरकिनार करने, खुद की अस्थिर भावना को मजबूत करने, या बुनियादी जरूरतों, भावनाओं और विकासात्मक कार्यों को कम आंकने के लिए विचार और अभ्यास हो जाता है। दूसरे शब्दों में, यह तब होता है जब धार्मिक तथा आस्तिक लोग अपने वास्तविक लक्षणों को दरकिनार करते हुए अपने विश्वासों को थोपने लगते हैं। वे अपनी मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करने के बजाय उन्हें छिपाने लगते हैं। वेलवुड का तर्क है कि धर्म कोई इलाज या सरोगेट नहीं है – यह चिकित्सा और वास्तविक मदद का विकल्प नहीं है। हम भारत के लोगों ने अपने संविधान को यह विकल्प बनाया है। मगर प्रतिस्पर्धी राजनीति में धर्म का कारोबार जब सबको भाने लगा, तब भावनाओं को उभारने का आसान औजार सबको मिल गया। धर्म का उपयोग जीवन की क्षणभंगुर प्रकृति को पहचानने तथा मानव मात्र में करुणामयी व्यवहार करने की प्रेरणा देने के बजाय विभेद का सिखाने में होने लगा। भावनाओं को भड़काने का खेल खतरनाक हद तक तीव्र हो सकता है इसे हमने बार-बार देखा है। राजस्थान सामान्य तौर पर अपने भाई-चारे और समरसता के सामाजिक ताने-बाने पर गर्व करता रहा है। अभिव्यक्ति और न्याय के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाने की आज़ादी इतनी निर्बाध नहीं हो सकती कि उसका उपयोग समाज में कटुता और वैमनस्य पैदा करने के लिए किया जाने लगे। इसलिए यदि कोई सस्ती लोकप्रियता या किसी अन्य एजेंडे के तहत प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द को बिगाड़ने का प्रयास करता है तो उसे रोकने का राज्य का दायित्व बनता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

कार्य प्रणाली व निर्णय प्रक्रिया बताती है, सत्ता की आकांक्षी कांग्रेस गलतियों से कुछ सीखना चाहती नहीं

महावीर सिंह

गतांग से आगे जारी......

(16 दिसम्बर 2022 के राष्ट्रदूत में प्रकाशित लेख-

कांग्रेस की भारत जोडो यात्रा, आखिर है किस उद्देश्य को लेकर--के कुछ अंश----

कांग्रेस की भारत जोडो यात्रा, आखिर है किस उद्देश्य को लेकर? कुछ कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि यात्रा चुनावों को ध्यान में रख कर नहीं निकाली जा रही है। यात्रा का प्रमुख उद्देश्य संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करने लिए है।

आसमान छूती मंहगाई, बेरोजगारी, वैधानिक संस्थाओं, मीडिया के दुरुपयोग, महिलाओं, विकलांगों की समस्याओं को समझने, नफरत के माहौल और उससे होने वाले खतरों से जनता को वाकिफ कराना है।--- कांग्रेसियों का कहना है कि भाजपा-आरएसएस की नापाक जोड़ी देश की संस्थाओं को रौंद रही है। सामाजिक सौहार्द्र को तोड़ कर आतंक और नफरत का माहौल बना रही है। धर्म को राजनीतिक सत्ता हथियाने का औजार बना लिया। असहमति रखने वालों को निशाना बनाया जा रहा है।

---क्या संविधान खतरे में है??

अधिकतर आम लोग मानते है कि संविधान के बारे में ज्यादा तो नहीं जानते पर मोटा-मोटी संविधान से सरकार निकलती है। राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति संसद, विधान सभा, नगर पालिकाओं, पंचायतों आदि के चुनाव होते है और फिर सांसद, एमएलए, मंत्री प्रधान आदि बनते। यह सब तो अब भी हो रहा है। लोग जीताते है, लोग ही हराते है, कभी किसी एक को और कभी किसी ओर को। यह सब तो हो रहा है, इसके अलावा क्या खतरा है हमे नहीं पता।

-----यह जो कहा जा रहा है कि लोभ-लालच देकर, दल बदल करवाकर सरकार बनाली जाती है या चलती सरकारे गिरा दी जाती है??

इस पर सामान्य लोगों का उत्तर ---जो लोग जीत के जाते है वे क्यों करते हैं ऐसा? जनता को पहले थोड़ा ही पत्ता होता है कि कौन कैसे फिसल जाएगा? पार्टियां ऐसे लोगों को टिकट ही क्यों देती है?

समाधान भी सिंपल है- संविधान संशोधन कर दे कि जीतने वाला, MLA, MP जिस पार्टी से या बिना पार्टी जीतता है उसे छोड़ता है तो सदस्यता समाप्त होगी।

-----बात को जारी रखते हुए-

क्या सुप्रीम कोर्ट को कोई खतरा? अधिकतर लोगों का मानना है सुप्रीम कोर्ट बारे में ज्यादा नही केवल इतना जानते है कि वहां तो बड़े-बड़े सेठों, नेताओं के मुक़दमे चलते है। बड़े-बड़े, मंहगे-मंहगे वकील उनके मुकद्दमे लड़ते है। कभी-कभी आम आदमी के हक के भी फैसले हो जाते है। सामान्यत: आम आदमी का तो कोई खास वास्ता नही पड़ता और कभी हो भी तो पहले तो वकीलों की भारी भरकम फीस नहीं, फिर बड़ों की लड़ाई सुलटाने के बाद कोर्ट को समय हो तो सुनवाई हो, वर्षों लग जाते है, पीढियां निकल जाती है। गरीबों की सुनवाई में कोई खास दिलचस्पी किसी की नही।

---एक पढे-लिखे नवयुवक की प्रतिक्रिया थी---

न्याय की बात तो राष्ट्रपति जी नें भी अभी-अभी बता दी, गरीब, मजदूर, छोटे-छोटे अपराधों के लिए वर्षों जेलों में बिताते हैं। 75 साल में कई निजाम आए-गए, इसमें यो कोई परिवर्तन हुआ नहीं। यदि इसे संविधान को खतरे वाली बात मानें है तो संविधान को खतरा है।

बात आगे बढाते हुए--

ओर यह सीबीआई, ईडी आदि से या इनको कोई खतरा? इनको क्या खतरा है, हर सरकार अपने आदमी बैठाती और चाहे वैसे कराती है। यह संस्थाएं, इनके कानून तो कांग्रेस के टाइम के हैं। तब से अब तक सरकारों कि कान पकड़ी छ्यली है,यह संस्थाएं है।

----- हां,

दिखता है कि सरकार अपने आदमियों के प्रति नरम है और विरोधयों के गोला-लाठी लगाने का कोई मौका चूकती नही। पर यह तो बड़े नेताओं की दिक्कतें है, आम आदमी को इस से क्या मतलब? जिन्होंनें बेहिसाब दौलत कमाई है वे डरें। वे पाला बदल लें, सब ठीक हो जाता है!!!

-----इन संस्थाओं में देश के बढ़िया से बढ़िया अधिकारी, जिनकी केवल एक विचारधारा हो कि संविधान, कानून सर्वोपरि ओर इन्हें पूर्णत: निष्पक्ष भाव से लागू कर सकें, वे नियुक्त हों किन्तु नियुक्त तो सरकारों के मर्जिदान होते हैं? क्या कोई भिन्न योजना है कांग्रेस के पास??

ओर बार-बार जो आरोप लगते हैं कि मीडिया जन महत्व के मुद्दों पर निष्पक्ष बहस न कर, विचारधारा विशेष का एजेंडा चलाता है, इस पर क्या कहना है? सब का एक ही उत्तर था कि मीडिया तो व्यापारिक दुकानें है। जो पैसे दे उसी का प्रचार--जिसकी खाए बजरी, उसकी करे चाकरी।

यह (मीडिया) स्वतंत्रतापूर्वक काम करें, इसके लिए इस यात्रा में तो कोई योजना सामने आई नहीं। महज आरोप है जिनसे जनता पहले से वाकिफ है।

कांग्रेस के नेता बार-बार आरोप लगाते है कि 2,4,5,10 बड़ें व्यापारिक-उद्योगिक घरानों को ध्यान में रख कर सारी सरकारी नीतियां बनाई जा रही है? इस पर ठेठ ग्रामीण परिवेश के आदमियों का कहना है कि सभी सरकार कमोबेश यही करती है। धन कुबेरों का तो राजे-रजवाड़ों-जागीरदारों के राज में भी महत्व था। धन कुबेरों का तो सारी ही सरकारें सर्वाधिक-सर्वोपरि ध्यान रखती है। कोई पहले की सरकारों के मर्जिदान थे कोई अब की सरकारों के। कोई पार्टी बिना इनके धन के चलती है क्या? इसी पैसे से नेता लोग फाइव स्टार जिंदगी जी कर गरीबों का भला करते है!

सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग--

सारी सरकारें करती है, कोई नई बात नहीं। इस भारत जोडो यात्रा में ही राजस्थान सरकार खुल कर सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। क्या इलाज है, यह प्रश्न था आम आदमी का?

ओर यह मंहगाई, बेरोजगारी तो सभी की परेशानी है?

हां, इनसे सब परेशान किन्तु भारत जोडो यात्रा से इनका क्या समाधान? कांग्रेस इन्हें खत्म करने की अपनी योजनाएं बताएं, तो बात बने।

---एक दूसरे बुजर्ग नें कहा।

इस यात्रा से सरकार के आगे ढोल बजा कर जगाने का प्रयास कर तो रहे ही हैं। पास खड़े नवयुवक नें कहा, हर दिन अखबारों, टीवी चैनल्स पर खबरें, लेख, बहस आती हैं इन मुद्दों पर। सरकार इन सब से अनजान तो है नही किन्तु उनके पास भी समाधान नही, सिवाय हकीकत छुपाने के।

और यह समाज बांटने, नफरत फैलाने वाली बात! निश्चितत: भारत में अधिसंख्य लोग सर्वधर्म-सर्वजातीय समभाव, सौहार्द्रपूर्ण सामाजिक सद्व्यवहार- वसुदैवकुटुम्बकम में विश्वास करने वाले हैं।

हां कुछ बदजुबान, उच्छश्रंखल नेता, कार्यकर्ता करते हैं ऐसा, जो गलत है। इन्हें रोका जाना चाहिए। रामजादे------, वन्देमातरम कहना----जाना होगा, ऐसी नफरती बातों से किसका भला--इनसे कोई रोजगार मिलेगा, मंहगाई भागेगी? ऐसी बातों से तो देश कमजोर ही होता है। तो क्या जय श्री राम के बजाए जय सियाराम बोलने से काम बन जाएगा? क्या फ्लाइंग किस देने से बात बन जाएगी? नहीं।

इनको नियंत्रित करना बहुत आसान है बशर्ते सरकार ऐसा करना चाहे। चाहे कोई हिन्दू हो, चाहे मुसलमान, जो भी धर्म, पंथ, जाती के आधार पर सामाजिक सद्भाव बिगाड़ें, उनके विरुद्ध तत्काल बिना भेदभाव कठोर कानूनी कार्यवाही करें, सब ठीक हो जाएगा।भारत जोडो यात्रा में यह मुद्दा उठाया जा रहा है, यह ठीक है। बिना हिचक यह गारंटी दें कि दंगाई, नफरत फैलाने वाले किसी धर्म, जाती, राजनीतिक दल के हों सबसे समभाव से कठोरता से निपटा जाएगा। ऐसा विश्वसनीय स्टैंड ले तो बात बने किन्तु कांग्रेस पर भी तुष्टिकरण के आरोप तो है ही।

कांग्रेस बताए धारा 370 पर, यूनिफॉर्म सिविल कोड पर, जातीय जनगणना, जनसंख्या नियंत्रण, लव जिहाद, धर्म के आधार पर भड़काने वालों पर, उनका क्या स्टैंड है?? गोल-गोल बातें करने से, अब, जनता भ्रमित नहीं हो सकती।

यदि भारत जोड़ो यात्रा को कांग्रेस के पुनरुथान के साथ जोडना है तो कांग्रेस इस यात्रा में विस्तार से बताए:–

किसानों के मुद्दों पर उसकी क्या योजना है, C2+50% के अनुसार एड्ड देगी या किन्तु परन्तु करेगी, मंहगाई व इन्फ्लेशन के साथ श्एड्ड को जोडेगी या नहीं, कृषि लागत की गणना के लिए नई-पारदर्शी व्यवस्था बनाएगी या नही, किसानों की आय बढ़ाने की क्या विश्वास करने योग्य योजनाए है? नीति आयोग के अध्ययन तो बताते है कि 2012 से 2018 के बीच किसानों की आय में 01% से भी कम वृद्धि हुई है। अधिकतर किसान बेहद गरीबी, अभावों में जीवन व्यतीत कर रहे है।

कांग्रेस इस यात्रा में स्पष्ट करे कि उद्योगों-व्यवसायिक उपयोगों के लिए जबरन भूमि अधिग्रहण, अग्निवीर, ध्झ्ए, चुनाव सुधार जिसमें कम से कम यह गारंटी तो हो ही कि दल बदल करने वाले, हत्या, रेप के अपराधी, चुनाव नहीं लड़ पाएंगे, न्यायिक निर्णय में अपराधी घोषित-सजायाफ्ता व्यक्ति इन संस्थाओं का सदस्य न रहे। चुनावी बांड्स के बारे में और अन्य सम्बंधित बातों पर नीति स्पष्ट करें।

साबुन, तेल, बिस्किट्स, दवाइयां जैसी रोज मर्रा के अनेक उद्योगिक उत्पदों के मूल्य दिनोदिन बढ़ते जा रहे है। इनके मूल्यों को बांधना तो उचित व सम्भव नहीं किन्तु उनकी उत्पाद लागत निकालने और उन्हें सार्वजनिक की व्यवस्था तो की ही जा सकती है।

प्राइवेट सेक्टर में निचले स्तर की नौकरियों में आरक्षण, पुलिस सुधार जिस से पुलिस अपराधों के अन्वेषण में- गैर कानूनी सरकारी आदेशों-हस्तक्षेप को मानने से मुक्त हो, जनलोकपाल-भ्रष्टाचार, मीडिया स्वायत्तता, त्वरित न्याय व्यवस्था के लिए, कोस्मेटिक नहीं बल्कि मुलभुत सुधार, 60 साल से बड़े हर व्यक्ति के लिए सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, भरपूर भोजन की सुरक्षा, संसद-विधान सभाओं में महिला आरक्षण, सरकारी क्षेत्र की नौकरियों में महिलाओं के लिए 50% आरक्षण, आदि विभिन्न ज्वलन्त मुद्दों पर अपनी नीति-कमिटमेंट बिना दांये-बाएं की बाते करे घोषित करे। फिर जनता विचार करे, विश्वास करे या न करे, यह जनता के विवेक पर छोड़ें।

कुल मिलाकर आम आदमी का मानना है राहुल व्यक्तिश: बहुत अच्छे इंसान है। वे अपने विचार जनता की भाषा में जनता को समझा नहीं पा रहे। कांग्रेस के कार्यकर्ता हर गांव, मोहल्ले, शहर में है। इस यात्रा से वे ऊर्जान्वित जरूर होंगे। राहुल की व्यक्तिगत छवि में भी निखार आएगा।

ग्रैंड ओल्ड पार्टी की गम्भीर बीमारियों से ग्रसित है और उसे दौड़ने योग्य बनाने के लिए कई सर्जरियों की आवश्यकता है।

–महावीर सिंह, पूर्व आईएएस

सनातन धर्म रक्षा संघ आया राष्ट्रीय हिंदू सेना के समर्थन में

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए सनातन धर्म रक्षा संघ के पदाधिकारी।

- **संघ से जुड़े पूर्व न्यायधीश शर्मा ने कहा कानून कर रहा अपना काम**
- **वोटों की खातिर राजनीतिक पार्टियां बना रही दूरियां**

अजमेर, (कासं)। राष्ट्रीय हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा ख्वाजा साहब की दरगाह में हिंदू मंदिर होने के दावे को लेकर किए गए वाद से ही दरगाह में मंदिर मामला विवाद बढ़ता ही जा रहा है। राष्ट्रीय हिन्दू सेना के अध्यक्ष को मिल रही धमकियों के बाद अब सनातन धर्म रक्षा संघ भी समर्थन में आ गया है।

सनातन धर्म रक्षा संघ के अध्यक्ष व पूर्व न्यायाधीश अजय शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने मंगल वार को प्रेसवार्ता आयोजित कर राष्ट्रीय हिंदू सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को समर्थन देते हुए कहा कि दरगाह में शिव मंदिर है। इस मामले में न्यायालय ने विधि संवत सुनवाई कर संज्ञान लिया है। न्यायालय द्वारा संबंधित पक्षकारों को नोटिस भी जारी किए गए हैं लेकिन इसके बाद से ही वाद प्रस्तुत करने वाले विष्णु गुप्ता को लगातार धमकियां मिल रही है, जो विधि प्रक्रिया के विपरित है। उन्होंने कहा कि जिस किसी को भी आपत्ति है, उसके लिए अदालत के दरवाजे खुले हैं, वह अदलत में अपना पक्ष रख सकता है।

पूर्व न्यायधीश शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि इस प्रकरण में राजनीतिक पार्टियों ने राजनीतिक वोटों की खातिर दूरिया बना रही है, जिसके चलते सामने नहीं आ रही हैं। राष्ट्रीय स्तर के दल होने के नाते अपनी मजबूरियां होती हैं, संगठन में शीर्ष पर बैठे नेता दूरी बना लेते हैं, लेकिन उनका संघ गैर राजनीतिक है। सनातन धर्म की रक्षा के लिए वे सदैव तत्पर हैं।

वर्ग विशेष द्वारा माहौल बिगाडाने का प्रयास : संयोजक तरुण वर्मा ने कहा कि दरगाह मामले में न्यायालय में वाद दायर करने के बाद कुछ वर्ग समुदाय माहौल बिगाडाने का प्रयास कर रहे हैं। वर्मा ने कहा कि वीडियो वायरल कर खुली धमकियां दी जा रही है। सभी को संवैधनिक अधिकार है, हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने अपने तथ्यों के आधार पर न्यायालय में वाद दायर किया है। न्यायालय स्वविवेक से निर्णय लेगा, जिस को भी आपत्ति है व न्यायालय में जाकर पक्षकार बन अपना पक्ष रख सकता है। कई संगठन एवं नेता इस कार्यवाही को रूकवाने के लिए सरकार से भी हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। कुछ लोग वाद प्रस्तुत करने वाले विष्णु गुप्ता को धमकियां देने से बाज नहीं आ रहे हैं। सनातन धर्म रक्षा संघ हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुप्ता की सुरक्षा की मांग करता है।

सोमनाथ एक्सप्रेस का इलेक्ट्रिक इंजन खराब

- **नागौर से पहले मारवाड़ छापरी में रुकी ट्रेन, एक घंटे देरी से पहुंची बीकानेर**

बीकानेर, गुजरात के गांधी नगर से जम्मू के जम्मूतवी तक जाने वाली ट्रेन का इंजन बीती रात नागौर के पास मारवाड़ छापरी में खराब हो गया। ऐसे में करीब डेढ़ घंटे तक ट्रेन इसी गांव के रेलवे स्टेशन पर खड़ी रही, बाद में वैकल्पिक व्यवस्था करके ट्रेन को आगे रवाना किया गया। इस ट्रेन में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स थे, जो एग्जाम देने के लिए बीकानेर आ रहे थे।

ये ट्रेन अपने तय समय से करीब पंद्रह मिनट विलंब से जोधपुर से रवाना हुई थी। रास्ते में सही चल रही थी, इस बीच मेड़ता और नागौर के बीच स्थित स्टेशन मारवाड़ छापरी में अचानक ट्रेन रुक गई। शुरू में यात्रियों ने किसी ट्रेन को रास्ता देने की वजह से रुकने की सोची लेकिन करीब आधा घंटे तक ट्रेन नहीं चली तो बड़ी संख्या में लोग इंजन के पास ही पहुंच गए। जहां पता चला कि इलेक्ट्रिक इंजन में खराबी आ गई है। रेल कर्मियों ने काफी मशक्कत करके इंजन शुरू करने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। ऐसे में ट्रेन के पीछे लगे दूसरे इंजन से इसे पीछे लिया गया। ट्रैक बदलकर वापस आगे रवाना किया गया। मेड़ता से पहुंचे रेलकर्मियों ने इसे करीब डेढ़ घंटे के विलंब के बाद रवाना तो कर दिया लेकिन बीकानेर पहुंचते-पहुंचते ये एक घंटा से ज्यादा विलंब से पहुंची। इसके बीकानेर पहुंचने का समय 12.50 है लेकिन रात दो बजे ये ट्रेन पहुंची। इस ट्रेन में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स थे, जो एग्जाम देने के लिए मेड़ता और नागौर से बीकानेर आ रहे थे। स्टूडेंट्स को चिंता हो गई कि अगर आगे रवाना नहीं हुई तो सुबह एग्जाम से चूक जाएंगे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 4 दिसम्बर, 2024

मार्गशीर्ष मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सायं 5:15 तक, गंड योग दिन 1:56 तक, गर करण दिन 1:11 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 11:20 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज राजयोग दिन 1:11तक है। रवियोग सायं 5:15 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 1:00 से आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:41 तक, शुभ 10:54 से 12:17 तक, चर 2:53 से 4:11 तक, लाभ 4:11 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:05, सूर्यास्त 5:29

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। मांगलिक संदेश प्राप्त हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में है। अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां दूर होने लगेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार होगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में चल रहे मतभेद समाप्त होंगे।

मकर
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

सार-समाचार

'महिलाएं दूसरों के लिए प्रेरणा बनें'

अजमेर, (कासं)।'हमारे समाज और संस्थानों में नेतृत्व वाले क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की अत्यंत आवश्यकता है। महिलाओं को यह समझना होगा कि सबसे पहली चुनौती उनके भीतर ही है। स्वयं आगे बढ़ें, स्वयं को बदलें, और दूसरों के लिए प्रेरणा बनें।' यह बात राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा 'विमेन इन डिसीजन-मेकिंग एंड लीडरशिप: शैटरिंग स्टीरियोटाइप्स एंड क्रिएटिंग फ्यूचर्स' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि डीआरडीओ की महानिदेशक (पीसी एवं एसआई) डॉ. चंद्रिका कौशिक ने सभा को संबोधित करते हुए कही।यह दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के नेतृत्व में व भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के सहयोग से किया जा रहा है। डॉ. चंद्रिका कौशिक ने आगे कहा कि नेतृत्व का अर्थ केवल लक्ष्य तय करना नहीं है, बल्कि उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना, प्रेरित करना और मार्गदर्शन करना है। उन्होंने महिलाओं के नेतृत्व को मजबूत बनाने के लिए भावनात्मक बुद्धिमत्ता, समस्या समाधान क्षमता, रचनात्मकता और साहस को अनिवार्य बताया। साथ ही कौशिक ने बताया कि समाज में समानता स्थापित करने, नीतियों को बेहतर बनाने और संगठनात्मक प्रदर्शन को मजबूत करने के लिए महिलाओं की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत की महिलाओं ने भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने में मदद की हैं। हमें संविधान के 75 वर्षों पर उनके योगदान को याद करना चाहिए। भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सहयोगात्मक दृष्टिकोण, प्रभावी संवाद कौशल, मजबूत सहनशक्ति, बहु-कार्य क्षमता और विभिन्न दृष्टिकोणों की विविधता जैसे विषय महिलाओं को सशक्त और नेतृत्वकर्ता बनाता हैं।

सत्यनारायण मालाकार अध्यक्ष बने

परबतसर, (निसं) ।सत्यनारायण मालाकार सर्वसम्मति से माली समाज अध्यक्ष नियुक्त किया गया माली समाज परबतसर ने अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए समाज कि बैठक आयोजित कर सर्व समित से निर्णय लिया गया। माली समाज के निवर्तमान अध्यक्ष सेवाराम दगदी को चुनाव हेतू प्रभारी नियुक्त किया गया। माली समाज निवर्तमान महासचिव एडवोकेट दिनेश चंद्र ने अध्यक्ष सेवाराम दगदी के कार्यकाल की उपलब्धियों का प्रतिवेदन पढा। कोषाध्यक्ष सूरजमल टांक ने लेखाजोखा पेश किया । सेवाराम दगदी ने सभी समाज बंधुओ को उनके कार्यकाल को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उसके बाद माली समाज के द्वारा सत्यनारायण मालाकार को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। माली समाज के चौताला अध्यक्ष किशनगोपाल दगदी, गिंगोली सरपंच घीसालाल माली, नवयुवक मंडल अध्यक्ष अशोक मारोठिया, माली सेना जिलाध्यक्ष रमेश टांक, प्रेमप्रकाश मालाकार, लोकेश मालाकार, बिरदीचन्द तंवर, हनुमान मारोठिया, पवन दगदी, नेमीचंद सेठ, भंवरलाल तंवर, गोविंद भाटी, ओमप्रकाश दगदी, गणेश सोलंकी, मुकेश तूनवाल, हजारी दगदी, डालूराम संत, सुगनलाल डीलर, पुखराजगहलोत, महावीर कच्छावा, बालकिशन तुनवाल, हरदीन तुनवाल आदि सैकङो लोग उपस्थित थे।

स्टेडियम के ताले खुलवाने को लेकर प्रदर्शन

मेड़ता सिटी, (निसं)। युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र बापेड़िया के नेतृत्व में मेड़ता राजकीय कॉलेज मे इनडोर स्टेडियम के ताले खुलवाने को लेकर मंगलवार को धरना प्रदर्शन किया गया। बापेड़िया ने बताया कि,कांग्रेस सरकार के दौरान इस स्टेडियम का उद्घाटन किया गया। इसका इतने समय से ताले लगा रखे हैं। इस स्टेडियम के ताले खुलवाने को लेकर कांठोस कार्यकताओं द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इस मौके पर उद्घाटन, नगर कांग्रेस अध्यक्ष जाकिर खान सांखला, पीसीसी सदस्य लालाराम नायक,पार्षद अमजद केके,पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद अली गोरी,जीसान कुरैशी,सुरेंद्र उर्फ सुरी,सोनू साकिर इत्यादि है मौजूद, प्रिंसिपल के कमरे में आंगन में बैठकर दे रहे है धरना।

सीमेंट कंपनियों के खिलाफ प्रदर्शन

नागोर, (निसं)। जिला कलेक्ट्रेट पर मंगलवार को सीमेंट कंपनियों पर अनियमितताओं और वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए किसानों ने जमकर आक्रोश जाहिर किया। किसानों ने सीमेंट कंपनियों की नीतियों की खिलाफत करते हुए प्रदर्शन किया और इसके बाद 12 सूत्री मांग पत्र जिला कलेक्टर को सौंपा। किसानों ने कहा कि जल्द से जल्द इन सभी 12 मांगों का समाधान किया जाए, नहीं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। किसानों के जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन के दौरान स्टेशन रोड पुलिस छावनी के रूप में नजर आई। जिला कलेक्ट्रेट को ज्ञापन देने वालों में मूंडवा, ईनाणा, सरासनी, डेह, हरिमा और इंदास समेत कई गांवों के ग्रामीण शामिल थे। किसानों की ओर से दिए गए ज्ञापन में एक दर्जन मांगों को पूरा करने की मांग की गई है।

फ़नकारों ने गायकी से समां बांधा

अजमेर, (कासं)।इंडिया इंटरनेशनल म्यूजिक लवर्स सोसाइटी द्वारा पहली बार एक भव्य गजल संध्या तरन्नुम का आयोजन किया गया। वैशालीनगर स्थित रेस्टोरेंट में आयोजित कार्यक्रम में फ़नकारों ने गायकी से चार चांद लगा दिए और संस्था को नई ऊंचाइयां प्रदान की। महासचिव कुंजबिहारी लाल ने साउंड और भव्य साज सज्जा की सम्पूर्ण व्यवस्था संभाली। उन्होंने जानकारी दी कि विभिन्न महकमों से डॉक्टरों , अधिकारी, शिक्षकों और नए पुराने सदस्यों ने तरन्नुम ग़ज़ल कार्यक्रम में साज सज्जा व परिधान का भी विशेष ख्याल रखा जिसका प्रभाव सम्पूर्ण कार्यक्रम में स्पष्ट दिखाई दिया। गाये जाने वाली गज़लों में जहां जगजीत सिंह को अपने अपने अंदाज़ में महासचिव कुंजबिहारी लाल ने होश वालों को खबर क्या, उपाध्यक्ष डॉ दीपा थदानी ने होठों से छू लो तुम, विजय हलदानिया ने मेरी देरो हरम में बसने वालों, शरद शर्मा तुमको देखा तो ये ख्याल आया, आजाद अपूर्वा ने बात निकलेगी तो दुर तलक जायेगी, डॉ एसएन भट्ट और नवल भाभड़ा ने प्यार का पहला खत लिखने में वक्त तो लगता है, डॉ महेश मेहता मीना खिलयानी ने तेरे आने की जब खबर महके, दिलीप लोंगानी ने तुम इतना जो मुस्करा रही हो, मोहन किशोर मिश्रा ये दौलत भी ले लो सुनाकर तालियां बटोरी।

कलेक्टर ने पोस्टर का विमोचन कर अभियान का किया शुभारंभ

ब्यावर, (कासं) ग्रामीण आबादी और खेतों के लिए जिला प्रशासन ब्यावर द्वारा नवाचार करते हुए 3 दिसंबर से जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खड़गावत ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में रास्ता खोलो अभियान के पोस्टर का विमोचन कर अभियान का शुभारंभ किया।

जिला कलेक्टर ने बताया कि जिला प्रशासन ने आमजन की रास्तों से अतिक्रमण हटाने से संबंधित समस्याओं के त्वरित निस्तारण करने के लिए 3 दिसंबर से 24 दिसंबर तक यह अभियान चलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि अभियान के तहत राजस्व से जुड़े विभिन्न कार्यों का निष्पादन कर आमजन को राहत पहुंचाई जाएगी। अभियान के तहत प्रशासन ने 2500 से ज्यादा लोगों

> ■ कलेक्टर ने कहा कि अभियान के तहत राजस्व से जुड़े विभिन्न कार्यों का निष्पादन कर आमजन को राहत पहुंचाई जाएगी

के रास्ते खुलवाने का लक्ष्य लिया है।उन्होंने बताया कि यह एक विशेष कार्य है जिससे कि आम जनता को इसका सीधा लाभ प्राप्त होगा। राजस्थान भू राजस्व अधिनियम व काश्तकारी अधिनियम की विधिक प्रक्रिया द्वारा जिले में ठाामीण आबादी व खेतों के

जिला कलेक्टर ने पोस्टर का विमोचन कर अभियान का शुभारंभ किया।

लिए रास्तों से जुड़ी समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया ने बताया कि अभियान के तहत गांवों के लिए प्लान तैयार किया गया है। आमजन की समस्याओं का निस्तारण कर रास्तो का राजस्व रिकॉर्ड में अंकन किया जाएगा।उन्होंने बताया कि अभियान के तहत राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज रस्ते जो मौके पर बंद है उन्हें खुलवाने, कदीमी रास्तों का राजस्व रिकॉर्ड में अंकन,नरेगा द्वारा निर्मित रास्तों, कृषि भूमियों पर आवागमन हेतु सार्वजनिक रास्तों का राजस्व रिकॉर्ड में अंकन सहित अन्य संबंधित कार्य किए जाएंगे।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी गौरव बुढ़ानिया ने बताया कि जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में राजस्व टीम द्वारा स्वयं जनता तक पहुंच कर आमजन के रास्तों से संबंधित समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा । उन्होंने बताया कि जिले के समस्त 6 उपखंड क्षेत्र में तय लक्ष्यों के अनुरूप प्लान बनाकर समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा ।उन्होंने बताया कि राजस्थान भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 131ए, काश्तकारी अधिनियम 1955 की धारा 251,251ए के तहत विधिक रूप से रास्ते खुलवाने के प्रकरण का निस्तारण होंगे ।इस दौरान जिला परिषद एसीईओ गोपाल मीणा, तहसीलदार हनुत रावत, पीआरओ रविन्द्र वैष्णव, गिरदावर मूलाराम भाटी, लोकेश मीणा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के शिविर का आयोजन

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा आमजन को प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को प्रातः 11 से सायं 5 बजे तक अजमेर डिस्कॉम के उपखंडों अराई, रूपनगढ़, नसीराबाद, किशनगढ़ (ठाामीण), पीसांगन, अराई तथा सराधना स्थित सहायक अभियंता कार्यालय में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान जनसम्पर्क अधिकारी सतीश सोनी ने पीसांगन तथा सराधना में सहायक अभियंता कार्यालय में चलाए जा रहे शिविर का जायजा लिया तथा वहां मौजूद उपभोक्ताओं को इस योजना के बारे में जागरूक किया। जनसम्पर्क अधिकारी सतीश सोनी ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा बिजली उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए गैर पारम्परिक ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है। योजना के अन्तर्गत इच्छुक घरेलू उपभोक्ताओं के घरों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जा रहे है।

घरेलू उपभोक्ताओं को अपने घरों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने हेतु केन्द्र सरकार द्वारा सब्सिडी दिए जाने की घोषणा की गई है।इस योजना के अन्तर्गत 3 किलोवॉट तक के सोलर प्लांट पर अधिकतम 78 हजार रुपए प्रति कनेक्शन तक की सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा दी जाएगी जो कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के तहत सीधे ही केंद्र सरकार द्वारा उपभोक्ताओं के बैंक खातों में जमा की जाएगी।

आम सूचना

मेरी सास दाखों उर्फ दाखा देवी पत्नी स्व. मोती बलाई निवासी गांव बरना तहसील किशनगढ़ जिला अजमेर की मृत्यु दिनांक 10 अगस्त 1999 को निवास स्थान पर हो गई, जिनका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार किशनगढ़ के समक्ष आवेदक प्रस्तुत किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपति हो तो 7 दिवस में अपनी आपति तहसीलदार के यहां दर्ज कराये, बाद मियाद कोई भी आपति स्वीकार नहीं होगी। प्रार्थी-श्रवणी देवी पत्नी स्व. हनुमान

NAME CHANGE

I, Army No. JC 774003P, Rank : SUB, Name: JITENDRA SINGH SHEKHAWAT Residing At Plot No. 73 VINAYAK VIHAR OPP. BHARAT GAS GODOWN NIWARU ROAD JHOTWARA Dist. JAIPUR, State RAJ., Pin-302012 have change my Name from SHEKHAWAT JITENDRA SINGH KISHORE SINGH to JITENDRA SINGH SHEKHAWAT vide Affidavit No. BW 755915 Dated 02/12/2024 before Court campas Nasirabad

NAME CHANGE

I, SHEKHAWAT PREMKANVAR KISHORSINH, is Mother's of Army No. JC 774003P, Rank : SUB, Name: JITENDRA SINGH SHEKHAWAT Residing At Plot No. 73 VINAYAK VIHAR OPP. BHARAT GAS GODOWN NIWARU ROAD JHOTWARA Dist. JAIPUR, State RAJ., Pin- 302012 have change my Name from PREM KUNWER to SHEKHAWAT PREMKANVAR KISHORSINH vide Affidavit No. BW 943118 Dated 03/12/2024 before Court campas Nasirabad

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण.स्वी./2024/4328 **आम सूचना** दिनांक : 28.11.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित चिकित्सा प्रयोजनार्थ निर्माण अनुज्ञा हेतु निम्न पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपति / उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपति मान्य नहीं होगी।

निर्माण अनुज्ञा

फाइल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
122	रूचिता मिश्रा पत्नि ध्रुव भारद्वाज	पुष्प विहार बरल द्वितीय बिजयनगर ख. सं. 864, 865/ हिस्सा, 866/ हिस्सा भू.सं. 01	71.13 SQ.MTR	चिकित्सा सुविधा हेतु

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक-नपकि/PWC/ BPAS-2186/2024/532 दिनांक: 03/12/2024

आम सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्री राम रतन चौधरी पुत्र श्री हरकरण जाट ग्राम मदनगंज, खसरा संख्या 29/1 एवं 30 भूखण्ड सं. ई-98 कुल क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज 'खुशी मार्बल सिटी' मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान पर आवासीय निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसकी सीमाऐ निम्न प्रकार से है -
पूर्व में - 30 फीट चौडा आमद रफ्त सरकारी रास्ता पश्चिम में - भूखण्ड संख्या ई-135 एवं ई-136
उत्तर में - भूखण्ड संख्या ई-97 दक्षिण में - भूखण्ड संख्या ई-99
अत: उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति/एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।
प्रभारी (भवन निर्माण स्वीकृति) नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़ (अजमेर) राज.

क्रमांक-नपकि/PWC/ BPAS-2194/2024/534 दिनांक: 03/12/2024

आम सूचना

सर्व साधारण सूचित किया जाता है कि श्री राजू चौधरी पुत्र श्री बोदू राम चौधरी ग्राम मदनगंज, खसरा संख्या 26, 28, 35, 36 एवं 41 भूखण्ड सं. ए-33 कुल क्षेत्रफल 245.55 वर्गगज 'खुशी मार्बल सिटी' मदनगंज किशनगढ जिला अजमेर राजस्थान पर आवासीय निर्माण स्वीकृति चाहने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसकी सीमाऐ निम्न प्रकार से है -
पूर्व में - भूखण्ड संख्या ए-52 पश्चिम में - 60.0 फीट चौडा आमद रफत सरकारी रास्ता
उत्तर में - भूखण्ड संख्या ए-34 दक्षिण में - भूखण्ड संख्या ए-32
अत: उक्त प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को आपत्ति/एतराज हो तो आपत्ति सूचना प्रकाशन के 07 दिवस के भीतर नगर परिषद कार्यालय में लिखित में आपत्ति पेश करे बाद मियाद किसी प्रकार की आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी।
प्रभारी (भवन निर्माण स्वीकृति) नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय पंचायत समिति हुरडा जिला भीलवाड़ा

क्रमांक-पसहु/लेखा/2024/1344 दिनांक-25.09.2024

कार्यालय आदेश

स्थानीय कार्यालय के आदेश क्रमांक 943 दिनाक 25.09.2024 द्वारा स्वच्छ भारत मिशन हेतु निविदा जारी की गई थी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार उक्त निविदा अपरिहार्य कारणों से निरस्त की जाती है।

मधुसूदन रतनू (RRDS)
विकास अधिकारी, पंचायत समिति हुरड़ा

डॉ. टेलर ने संभाला कार्यभार

डॉ. टेलर ने संभाला कार्यभार
अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के कार्यवाहक कुलपति प्रो. कैलाश सोढाणी ने पदभार ग्रहण करने के बाद सोमवार को एक आदेश जारी कर लम्बे अर्से बाद शिक्षक की बजाय एक अधिकारी को परीक्षा नियंत्रक के पद की जिम्मेदारी सौंपी। विवि के उपकुलसचिव डॉ.सुनील कुमार टेलर

> ■ एम.डी.एस. विवि के परीक्षा नियंत्रक का जिम्मा डॉ. टेलर को

एमडीएस विवि के परीक्षा नियंत्रक का कार्यभार ग्रहण करने पर डॉ. टेलर का अभिनंदन करते हुए अधिकारी व कर्मचारी।

अब परीक्षा नियंत्रक के पद का कामकाज संभालेंगे। मंगलवार को डॉ. टेलर ने पदभार भी ठाहण कर लिया है।

एमडीएस विवि की कुलसचिव प्रिया भार्गव ने बताया कि कुलपति प्रो.कैलाश सोढाणी ने सोमवार देर शाम एक आदेश जार कर उपकुलसचिव डॉ.सुनील कुमार टेलर अब शैक्षणिक द्वितीय अनुभाग के कार्य के साथ-साथ अठिाम आदेश तक परीक्षा नियंत्रक के पद का कार्य भार भी संभालेंगे। मंगलवार को डॉ. सुनील कुमार टेलर ने अपना भी कार्य भी ठाहण कर लिया उन्हें तत्कालीन परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष पारीक ने पदभार सौंपा। मैनेजमेंट विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आशीष परीक्षा नियंत्रक के पद का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। एमडीएस विश्वविद्यालय में परीक्षा नियंत्रक का पद सीधी भर्ती का पद है। डॉ.जगराम मीणा के सेवानिवृत्त होने के बाद से ही यह पद रिक्त था, तब से अब तक शिक्षकों को ही इस पद का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया। इससे पूर्व प्रो.सुब्रतो दत्ता, प्रो.शिवदयाल सिंह व प्रो.आशीष पारीक अपने शैक्षणिक कार्यों के साथ परीक्षा नियंत्रक के पद का अतिरिक्त कार्यभार संभाल चुके हैं। इसी प्रकार सहायक कुलसचिव डॉ.सूरजमल राव को आवंटित कार्य के अतिरिक्त शैक्षणिक प्रथम अनुभाग के कार्य की जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी यूनियन के अध्यक्ष उमशंकार शर्मा, पूर्व अध्यक्ष दिलीप शर्मा सहित परीक्षाविभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को सफाई भर्ती में नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा की गई अनियमिताओं के खिलाफ आंदोलन की शुरुआत करते हुए निगम के मुख्य द्वार पर तालेबंदी कर प्रदर्शन किया।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांठोस यूनियन के बैनर तले सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम में तालेबंदी करते हुए आंदोलन की शुरुआत की। इस दौरान जिला अध्यक्ष रामदेव चन्नाल ने बताया कि राजस्थान सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में अनुभव प्रमाण पत्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं हो रहा है, जिस कारण समस्त अभ्यर्थियों को संशोधन करने के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। यदि अनुभव प्रमाण पत्र ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं हुए होते हे तो अभ्यर्थियों भर्ती से वंचित हो जायेगे। भीलवाड़ा नगर निगम में अनुभव प्रमाण पत्र जानबूझकर प्रशासन की मिलीभगत से अंतिम दिन 27 नवंबर को रात्रि को जारी किए गए, जिसके कारण अब अंतिम दिनांक गुजरने से अभ्यर्थी अनुभव प्रमाण पत्र नहीं लगा पाए और अब संशोधन की तारीख में अनुभव प्रमाण पत्र अपलोड नहीं हो रहा है, जो की एक योजनाबद्ध तरीके से अभ्यर्थियों को बाहर निकालने की साजिश है।

मृत आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति

अजमेर, (कासं)। अजमेर डिस्कॉम ने 13 मृत कार्मिकों के आश्रितों को अनुकम्पा नियुक्ति के मंगलवार को आदेश जारी किए हैं। डिस्कॉम ने 5 मृतक आश्रितों को वाणिज्यिक सहायक द्वितीय, 8 को चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया है। नियुक्त होने वाले कर्मचारियों में 8 महिलाएं व 5 पुरुष हैं। प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने बताया कि दो साल तक यह कर्मचारी परिवीक्षा पर रहेंगे।

माकड़वाली में 12.95 हैक्टेयर में बनेगा आईटी पार्क

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के प्रयासों से अजमेर को दो बड़े तोहफे मिले हैं। राज्य सरकार ने राइजिंग राजस्थान समिट में निवेश प्रोत्साहन के लिए माकड़वाली गांव में आईटी पार्क भूमि आवंटन प्रस्ताव को मंजूदी दे दी है। यह पार्क 12.95 हैक्टेयर में बनेगा और इससे शहर में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसी तरह अजमेर उत्तर क्षेत्र की पेयजय समस्या के समाधान के लिए लोहागल गांव में सर्विस रिजर्वायर भूमि आवंटन को भी मंजूरी मिल गई है। यहां करोड़ों रूपए की लागत से 30 एमएलडी क्षमता का एस.आर. टैंक बनेगा। इससे पूर्व कोटड़ा में भी एस.आर. टैंक के लिए भूमि आवंटित हो चुकी है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राज्य सरकार ने बजट में अजमेर के लिए आईटी पार्क और अजमर उत्तर क्षेत्र में पेयजल समस्या के निदान के लिए तीन सर्विस रिजर्वायर की घोषणा की थी। देवनानी के निर्देश पर रीको ने आईटी पार्क और जलदाय विभाग ने सर्विस रिजर्वायर के लिए एडीए से भूमि मांगी।

क्षेत्रीय कार्यालय
राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल
एसपीएल-2, पंचम चरण, रिको औद्योगिक क्षेत्र, किशनगढ (अजमेर)
राप्रनिम/क्षैका किश/पीयूबी-399/2463 Date: 02-12-2024

पर्यावरणीय स्वीकृति समूह खनन परियोजना हेतु लोक सुनवाई के लिए आम सूचना

विषयः- श्री राकेश चौधरी पुत्र श्री रामजीवन चौधरी, खसरा संख्या 2777, प्लॉट संख्या 136, निकट ग्राम भवंरिया तहसील रायपुर, जिला ब्यावर द्वारा प्रस्तावित मैसनरी स्टोन खनिज क्लस्टर खनन परियोजना हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई ।

1. सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसनरी स्टोन खनन क्लस्टर में कुल 38 खनन पट्टे है जिनका कुल क्षेत्रफल 38.00 हैक्टेयर, कुल क्लस्टर उत्पादन क्षमता- 54,17,614 टीपीए (आर.ओ.एम.) आवेदक श्री राकेश चौधरी पुत्र श्री रामजीवन चौधरी द्वारा प्रस्तावित मैसनरी स्टोन खनन परियोजना है जिसका खनन क्षेत्र 1.00 हैक्टेयर है तथा प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 1,01,340 टीपीए (आर.ओ.एम.) जो कि खसरा संख्या 2777, प्लॉट संख्या 136, निकट ग्राम भवंरिया तहसील रायपुर, जिला ब्यावर में स्थित है से संबन्धित प्रार्थना पत्र मय दस्तावेज पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना की लोक सुनवाई हेतु प्रस्ताव राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल (यहाँ तथा बाद में मण्डल के नाम से अभिलिखित) को प्रस्तुत किया गया है।
2. और चूंकी श्री राकेश चौधरी पुत्र श्री रामजीवन चौधरी ने राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल को उक्त परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से पूर्व आवश्यक समूह खनन परियोजना की लोक सुनवाई हेतु मण्डल को आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त परियोजना हेतु वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना संख्या एस.ओ. 1533 दिनांक 14.09.2006 ओर एस.ओ. 141 ई दिनांक 15.01.2016 के अनुसार में लोक सुनवाई हेतु आवश्यक है।
3. उक्त परियोजना से सम्बन्धित संक्षिप्त अभिलेख (कार्यकारी सारांश) एवं संक्षिप्त कार्यपालक सार अभिलेख निम्न कार्यालयों में अवलोकनार्थ उपलब्ध हैः-

1. जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, ब्यावर 2. पर्यावरण विभाग, राजस्थान सरकार, शासन सचिवालय, जयपुर 3. सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मुल्यांकन समिति, राजस्थान, 04, संस्थानिक क्षैत्र, झालाना डूंगरी, जयपुर 4. क्षेत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, किशनगढ़, जिला- अजमेर 5. तहसील कार्यालय- रायपुर, जिला-ब्यावर 6. ग्राम पंचायत पाटन, पंचायत समिति रायपुर, तहसील रायपुर, जिला ब्यावर ।

अतः सर्वसाधारण को कार्यालय जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, ब्यावर के पत्र क्रमांक कब्या/एफ. 8(14)/सामान्य/2024/2047 दिनांक 27.11.2024 के क्रम में इस आम सूचना के माध्यम से एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त समूह खनन परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति से संबंधित जन सुनवाई हेतु दिनांक 07/01/2025 को प्रातः 11:00 बजे, स्थान- ग्राम पंचायत पाटन, पंचायत समिति रायपुर, तहसील रायपुर, जिला ब्यावर में उपस्थित होकर अपने लिखित/मौखिक आक्षेप/सुझाव प्रस्तुत कर सकते है । इस संबंध में लिखित आक्षेप/सुझाव इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के अन्दर क्षैत्रीय कार्यालय, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, किशनगढ़, जिला- अजमेर में दिये जा सकते है (निधि खण्डेलवाल) वरिष्ठ पर्यावरणीय अभियंता एवं क्षैत्रीय अधिकारी

निजी स्कूल संचालक खुलेआम उड़ा रहे नियमों की धज्जियां

भीलवाड़ा, (कासं)। पड़ोसी जिले शाहपुरा के कोटडी उपखंड क्षेत्र में प्राइवेट स्कूल बस ,वैन और ऑटो खुलेआम आरटीओ नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। बस वैन और ऑटो मालिक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसका सीधा असर बच्चों की सुरक्षा पर पड़ रहा है। मंगलवार को सेंड पॉल स्कूल साखडा के बच्चों कि स्कूल बस पूरी तरह से टूट रही है। स्कूल बस की पर्स सीट के पास तीन फीट टूटी हुई है। बस कि अधिकतर सीट टूटी हुई है लेकिन स्कूल संचालक इस पर कोई ध्यान नहीं दे रहे है। स्कूल संचालक धड़ल्ले से स्कूल वैन और ऑटो में क्षमता से अधिक विद्यार्थियों को ले जाते नजर आए।

ऐसी ही कुछ ऐसी ही तस्वीरें कैमरे में कैद की जो प्रशासन की नींद उड़ाने के लिए पर्याप्त हैं। स्कूल जाने वाले विद्यार्थियों की जान खतरे में है। हादसे के बाद प्रशासन जागेगा। स्कूल बस पड़ताल करने पर खुलासा हुआ कि कोई भी ड्राइवर नियमों का पालन नहीं कर रहा है।मीडिया टीम ने कोटडी उपखंड क्षेत्र के ज्यादातर स्कूल वैन और ऑटो की पड़ताल में पता चला कि अधिकांश वैन और ऑटो में प्राथमिक उपचार किट तक नहीं है। इसके अलावा उनमें क्षमता

स्कूल बस की पर्स सीट के पास तीन फीट टूटी हुई।

से अधिक बच्चों को ले जाया जा रहा था। किसी भी स्कूल वैन और ऑटो में फायर सेफ्टी उपकरण नजर नहीं आए। वैन की खिड़कियों पर जाली लगाने का आदेश है, लेकिन किसी भी वैन में जाली दिखाई नहीं दी। बच्चे लटकते हुए दिखे। वैन और ऑटो पर स्कूल और ड्राइवर का नाम और नंबर भी नहीं लिखा था।

नियमानुसार स्कूल वैन और ऑटो की गति 20 किमी प्रति घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए। अमूमन सभी वाहन की इससे ज्यादा गति थी। ड्राइवर बिना वर्दी के नजर आ रहे थे। ड्राइवर सीट पर भी बच्चे बैठे थे। नियम है कि वैन और ऑटो के बाहर बैग लटकते नहीं होने चाहिए, लेकिन वैन और ऑटो में क्षमता से अधिक बच्चे बैठे नजर आए। इस कारण बच्चों के बैग भी वाहन के बाहर लटके हुए थे। अमूमन किसी हादसे के बाद ही पूरा तंत्र सक्रिय होता है। जबकि शहर में न जाने कितने वाहन ऐसे हैं जो अवैध तरीकों से दौड़ रहे हैं। इनके संचालन में पुलिस और परिवहन विभाग की संलिप्तता को भी नकारा नहीं जा सकता। स्कूल वैन, ऑटो, बस या ऐसे निजी वाहनों में बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ किया जाता है। क्षमता से ज्यादा बिठाया जाता है। हादसे के बाद ही जागते हैं। पूरा सिस्टम फिर अपनी खाल बचाने में जुट जाता है।

'चांद उत्सव' मनाया

अजमेर, (कासं)। झूलेलाल मन्दिर वैशाली नगर अजमेर में श्री झूलेलाल सेवा मंडली द्वारा चांद उत्सव' मनाया गया। मन्दिर के अध्यक्ष प्रकाश जेठरा ने बताया कि झूलेलाल की पवित्र महाजोत कुणाल हरचंदानी परिवार द्वारा जगाई गई। मशहूर गायक चंद्र रुपानी एंड पार्टी द्वारा भजनों एवं पंजड़ों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें 'रख त मुहिंजे लाल ते पाड़ई पूरी कंदो' 'अज त असांजा भाग भला थिया लाल उड़ेरो आयो आ' एवं 'मुहिंजो झूलन त पीरन जो पीर आ जहनजी संगत त खंड ऐं खीर आ' आदि श्री झूलेलाल जी के पंजडे गाए गए।

अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस मनाया

अजमेर, (कासं)। अजमेर चाचियावास में राजस्थान महिला कल्याण मण्डल एवं जन विकास समिति वाराणसी के संयुक्त तत्वाधान में मीनू स्कूल एवं सागर कॉलेज में जिला कलेक्टर लोकबन्धु की मौजूदगी में अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस का आयोजन किया गया। जिलाकलेक्टर लोकबन्धु ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति में कोई ना कोई विशेषता और योग्यता जरूर होती है। इसी प्रकार प्रत्येक दिव्यांग में भी विशेष योग्यता और क्षमता होती है। अपनी विशेष योग्यता को पहचानकर हर दिव्यांग आगे बढ़ सकता है और देश के विकास में योगदान दे सकता है। जिला कलेक्टर द्वारा कार्यक्रम में शिरकत करते हुये संस्था परिसर में पौधारोपण भी किया। संस्था निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने बताया कि संस्था परिसर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस कार्यक्रम में शिरकत कर जिला कलेक्टर लोकबन्धु ने दिव्यांग बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

कार्यालय विकास अधिकारी, पंचायत समिति मसूदा (अजमेर)

क्रमांक- पसम/निविदा/2024/5567 दिनांक- 2-12-2024

सिमित निविदा सूचना

निम्नांकित संकमो के सम्पादन हेतु पंचायत समिति मसूदा की निम्नांकित रजिस्टर्ड फर्मो से कार्यो के लिये निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू. (लाखों में)	धरोहर राशि रू.	फार्म जमा करने की अन्तिम तिथि	निविदा खोलने की दिनांक समय
1	2	3	4	5	6
1	विधायक जनसुनवाई केन्द्र (हाट बाजार) की मरम्मत एवं रंग रोशन	3.00	6000	10.12.2024 को प्रात: 12 बजे तक	10.12.2024 को प्रात: 4.00 बजे

NIB No-ZAJ2024-25- WSOB 00883

नोट-
1. पंचायत समिति में निविदा फार्म शुल्क राशि 500/- जमा करा निविदा फार्म व्यक्तिश: रूप से उपस्थित होकर दिनांक 9.12.2024 को सायः 5.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते है।

(मीनू कंवर)
प्रधान
पंचायत समिति मसूदा (अजमेर)

(संदेश पाराशर RRDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति मसूदा (अजमेर)

बनास नदी में लापता युवक का शव तैरता मिला

मृतक की पत्नी ने दिनेश योगी की हत्या की आशंका जताई

मृतक की पत्नी ने हत्या करने का आरोप लगाते हुए कुछ युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

- कुछ युवकों पर मृतक के साथ मारपीट करने एवं बनास नदी में फेंकने का आरोप लगाया
- मामला दर्ज, पोस्टमार्टम के लिए नहीं राजी हुए लोग, तीन मांगों पर अड़े परिजन

देवली। अभी हाल ही में चार दिन पहले शहर के पेट्रोल पंप चौराहे से 29 नवंबर को लापता हुए युवक दिनेश योगी का शव सोमवार शाम को बनास नदी में तैरता हुआ मिल गया। इस मामले में पुलिस ने शव को राजकीय चिकित्सालय की मोर्चरी में रख दिया। और मामले की जांच शुरू कर दी । लेकिन इसी बीच मंगलवार सुबह योगी (नाथ) समाज के लोग एवं परिजन मृतक दिलीप के शव का पोस्टमार्टम के लिए राजी नहीं हुए।

इस दौरान मृतक दिनेश योगी की पत्नी आरती निवासी हनुमान नगर, देवली ने मारपीट कर हत्या की नियत से बनास नदी में फेंकने का आरोप लगाते हुए कुछ युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। उक्त रिपोर्ट में मृतक दिनेश योगी की पत्नी आरती ने बताया कि उनके पति दिनेश कुमार योगी प्रेम नगर हनुमान नगर में रहते हैं। गत 29 नवंबर को उनके पति बाजार में सामान लेने गए थे। जहां पेट्रोल पंप चौराहा पर सुरेश मीणा निवासी पोल्या के कहने पर दिनेश अपनी स्कूटी एक्टिवा से अजमेर बाईपास रॉयल होटल नॉनवेज पर चले गए। जहां पहले से मौजूद पर्वत सिंह मीणा, दिनेश मीणा, कमल मीणा निवासी सावंतगढ़ एवं दिनेश का साला व तीन चार अन्य लोग बैठे हुए थे। जिन्होंने पीड़िता के पति और सुरेश मीणा के साथ मारपीट की। इस दौरान दिलीप एवं उसका साथी दोनों अपनी जान बचाकर पेट्रोल पंप चौराहे पर आ गए थे। इसके बाद उसी दिन शाम 6 बजे के करीब सुरेश मीणा पेट्रोल पंप चौराहे पर उतर गया। लेकिन इसके बाद दिनेश योगी का कोई पता नहीं लगा ।

मामले में अगले दिन मृतक की पत्नी ने पुलिस थाने में अपने पति की गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस दौरान मृतक की पत्नी आरती योगी ने अंदेशा जताया कि उक्त लोगों ने उसके पति दिनेश योगी को नेगड़िया पुलिया पर ले जाकर मारपीट की और हत्या की नियत से बनास नदी में फेंक दिया होगा। इससे नाराज नाथ समाज के लोगों ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करने से इनकार कर दिया। हालांकि रिपोर्ट में मारपीट की जगह हनुमान नगर इलाका बताई है। लेकिन परिजनों की मांग पर देवली पुलिस ने भी मामला दर्ज कर लिया है। यहां इस मामले को लेकर नाराज मृतक के परिजनों ने एसडीओ के समक्ष विभिन मांगे रखी परिजनों द्वारा पोस्टमार्टम नहीं करने देने की सूचना पर उपखंड अधिकारी मनोज कुमार मीणा राजकीय चिकित्सालय पहुंचे।

जहां गोरक्षनाथ संगठन के प्रदेश अध्यक्ष पप्पू नाथ और नृसिंह समेत लोगों ने उपखंड अधिकारी को मांग बताई कि उन्होंने मृतक के परिजनों में से एक को सरकारी नौकरी देने एवं आश्रितों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दिया जाना होगा। इस इस दौरान समाज के लोगों ने उपखंड अधिकारी को मांग पत्र भी सौपे। इस मौके पर देवली थाना प्रभारी राजकुमार नायक मौजूद रहे। यहां थाना प्रभारी ने लोगों से समझाईश की। लेकिन मंगलवार की दोपहर 2 बजे तक समाज के लोग पोस्टमार्टम के लिए राजी नहीं हुए ।

आखिरकार मंगलवार अपरान्ह प्रशासन और समाज के लोगों के बीच समझौता हो गया। सकारात्मक आश्वासन मिलने के बाद परिजन और समाज के लोगों पोस्टमार्टम के लिए राजी हो गए। इस मामले में समाज के प्रदेश अध्यक्ष पप्पूनाथ ने बताया कि प्रशासन की ओर से 5 लाख की आर्थिक सहायता एवं मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी का आश्वासन दिए जाने के बाद लोगों ने विरोध प्रदर्शन खत्म कर दिया है एवं पोस्टमार्टम के लिए सहमति दे दी गई है। इसके बाद मेडिकल बोर्ड ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों का सौंप दिया। और पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी।

रिश्ते में भाई लगने वाले युवक ने किया रिश्तों को तारतार

कोल्ड ड्रिंक में नशाला पदार्थ पिलाकर विवाहिता से दुष्कर्म किया, पीड़िता ने मुकदमा दर्ज कराया

अजमेर। अजमेर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रिश्तों को तार तार करने का मामला सामने आया है। एक विवाहिता के साथ रिश्ते में भाई ल गने वाले ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीडिता ने थाने में आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार पीडिता ने शिकायत में बताया कि उसकी बुआ का लड़का जो रिश्ते में उसका भाई लगता है, लंबे समय से उसके साथ छेड़छाड़ कर रहा था। जुल ाई माह में आरोपी ने उसके घर आकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया और बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। पीडिता ने आरोप लगाया कि इस घटना के बाद आरोपी ने उसे अश्ल ील फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर आरोपी ने उसके सोने-चांदी के जेवरात और 1 लाख रुपए हड़प लिए। पीडिता ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसे घर में अकेला पाकर बार-बार उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाता रहा और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देता रहा। पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ई-मित्र धारक पर एफआईआर दर्ज

करौली। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक प्रेमकिशन ने बताया कि धर्म सिंह माली पुत्र नारायन माली निवासी बहादरपुर तहसील सपोटरा जिला करौली में 24 जून को आकाशीय बिजली गिरने से 32 बकरा-बकरियों कि मौत हो जाने पर पीडित को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के संबंध में प्रस्ताव जिला कलक्टर कार्यालय में प्राप्त हुआ प्रस्ताव के साथ संलग्न आय उद्घोषणा पत्र में अंकित उत्तरदायी व्यक्तियों के साक्ष्य प्रमाण हेतु 2 व्यक्तियों के फर्जी तरीके से हस्ताक्षर कर राउमा विधालय बहादरपुर, मण्डरायल की मोहर सरोज ई-मित्र केन्द्र बहादरपुर तहसील सपोटरा संचालक नाहर सिंह माली पुत्र मोहन माली तहसील सपोटरा ने ई-मित्र की दुकान से लगायी गयी।

पटवारी रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

करौली, (निस.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय के निर्देश पर करौली इकाई द्वारा कार्यवाही करते हुये पूरन चंद खारवाल पटवारी,पटवार हल्का सायपुर व गुनेसरा तहसील करौली को परिवादी से 8 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. कि करौली इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि कृषि भूमि का विरासत के आधार पर नामान्तकरण खोलने कि एवज में आरोपी पूरन चंद खारवाल पटवारी द्वारा 8 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेश सिंह के सुपरवीजन में एसीबी कि करौली इकाई के प्रभारी पुलिस निरीक्षक जगदीश भारद्वाज के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुये आरोपी पूरन चंद खारवाल पटवारी को परिवादी से 6 हजार 500 रुपये कि रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरोपी पटवारी द्वारा शिकायत के सत्यापन के दौरान भी परिवादी से 1500 रुपये रिश्वत के रूप में वसूल किये जा चुके हैं। एसीबी कि अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव के निर्देशन में आरोपी से पूछताछ एवं कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगा।

बाल श्रमिक को मुक्त करवाया

जालौर, (कासं)। जालोर मानव तस्करी यूनिट ने मंगलवार को एक बाल श्रमिक को मुक्त करवाया गया। तथा पुलिस ने दुकानदार के खिलाफ कार्यवाही की। जिला पुलिस अधीक्षक ज्ञानचंद्र यादव जालौर के निर्देशानुसार विशेष अभियान ऑपरेशन मासूम के अंतर्गत बाल श्रम एवं मजदूरों की रोकथाम के लिए चले जा रहे अभियान के तहत रघुरतन होटल के पास बालाजी ज्यूस सेंटर पर पहुंचकर दुकान के अंदर प्रवेश किया तो एक बालक होटल के अंदर साफ सफाई झाड़ू -पोछा कर रहा था। दुकान मालिक प्रवीण कुमार पुत्र शांतिलाल जाति सेन निवासी जालौर द्वारा बालक के बाल श्रम करवाना एवं शारीरिक मानसिक कष्ट पहुंचाने की किशोर न्यायालय 2015 अपराध पाए जाने पर बाल श्रमिकों को मुक्त करवाकर बालक का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया। दुकानदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।

उपनिरीक्षक, हैड कानिस्टेबल व दलाल 6 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

- एसी.बी. की जैसलमेर इकाई ने की कार्यवाही

जयपुर। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. की जैसलमेर इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये रामलाल जाट उपनिरीक्षक पुलिस, लक्ष्मीनारायण हैड कानिस्टेबल पुलिस थाना रामगढ़ , जिला जैसलमेर एवं उनके दलाल अजयपाल सिंह (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 6 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक पुलिस श्री डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि ए.सी.बी. की जैसलमेर इकाई को परिवादी द्वारा एक शिकायत इस आशय की दी गई कि उसके विरूद्ध पूर्व में दर्ज आबकारी अधिनियम के मुकदमों में मदद करने, जब्त मोटरसाइकिल छोडऩे एवं किराणे की दूकान की बार-बार तलाशी नहीं लेने की एवज मे आरोपीगण सीआई थानाधिकारी, रामलाल जाट उपनिरीक्षक पुलिस, लक्ष्मीनारायण हैड कानिस्टेबल पुलिस थाना रामगढ़ , जिला जैसलमेर द्वारा उनके दलाल अजयपाल सिंह (प्राईवेट व्यक्ति) के माध्यम से 10 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर एसीबी जयपुर-द्वितीय के उप महानिरीक्षक पुलिस राहुल कोटोकी के सुपरवीजन मे ए.सी.बी. की जैसलमेर इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नरपतचंद के नेतृत्व में शिकायत का सत्यापन किया जाकर आज उनके द्वारा मय टीम के ट्रेप कार्यवाही करते हुए आरोपीगण रामलाल जाट उपनिरीक्षक पुलिस, लक्ष्मीनारायण हैड कानिस्टेबल पुलिस थाना रामगढ़ , जिला जैसलमेर एवं उनके दलाल अजयपाल सिंह (प्राईवेट व्यक्ति) को परिवादी से 6 हजार रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

उल्लेखनीय है कि शिकायत के सत्यापन के दौरान भी आरोपी हैड कानिस्टेबल लक्ष्मीनारायण द्वारा परिवादी से 4 हजार रुपये दलाल अजयपाल सिंह को जरिये फोन-पे ट्रांसफर करवाकर वसूल कर लिये गये थे। एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव के सुपरवीजन में आरोपीगण से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जायेगां।

अंतिम छोर तक बैठे प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं से लाभान्वित करें : राज्यपाल

गरीबों के उत्थान के लिए कटिबद्ध रहे विभागीय अधिकारी : राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे का ब्यावर में स्वागत किया।

ब्यावर (निसं) राज्यपाल ने जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की समीक्षा की। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि गरीब वंचित वर्ग के उत्थान के लिए विभागीय अधिकारी हमेशा कटिबद्ध रहे। जिले के अंतिम छोर तक बैठे प्रत्येक वंचित एवं पात्र व्यक्ति को विकास कार्यक्रमों व योजनाओं से लाभान्वित करें।

राज्यपाल श्री बागडे मंगलवार को दो दिवसीय ब्यावर दौरे के दौरान श्री सीमेंट परिसर में आयोजित जिला स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे ।राज्यपाल ने केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं एवं वंचित वर्ग के सामाजिक एवं आर्थिक रूप से उत्थान के लिए प्रगतिरत कार्यक्रमों की समीक्षा की । उन्होंने चिकित्सा, शिक्षा, ग्रामीण विकास, विद्युत वितरण, पेयजल सहित महत्वपूर्ण विभागों की जिले में प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिले के समस्त आमजन को योजनाओं का लाभ मिले। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाएं गांव गरीब लोगों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है इसमें तेजी से प्रगति लाना सुनिश्चित करें ।राज्यपाल श्री बागडे ने समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक ग्राम में नल व विद्युत कनेक्शन की आपूर्ति हो। कोई भी व्यक्ति इन मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे इसके लिए मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की बारीकी से समीक्षा करते हुए कहा कि ठाामीण क्षेत्रों में वृद्धजन, एकल नारी,विशेष योग्यजन सहित अन्य जरूरतमंद वर्गों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन नियमित मिलती रहे ।इससे पूर्व ब्यावर श्री सीमेंट परिसर में राज्यपाल के आगमन पर संभागीय आयुक्त महेशचंद्र शर्मा, रेंज आईजी ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खडगावत, पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया एवं पुलिस दल ने राज्यपाल को सलामी दी।बैठक में जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खडगावत ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्यपाल को ब्यावर जिले के भौगोलिक परिदृश्य , इतिहास एवं विभागीय प्रगति की योजनाओं से अवगत करवाया।

राजस्थानी परंपरा से किया स्वागत :- संभागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, रेंज आईजी ओमप्रकाश, जिला कलेक्टर डॉ महेंद्र खड़गावत, पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने राज्यपाल बागडे का राजस्थानी परंपरा के अनुरूप शॉल ओढ़ाकर एवं श्रीफल व प्रतिमा भेंट कर स्वागत किया। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया, एडिशनल एसपी भूपेंद्र शर्मा, उपखंड अधिकारी गौरव बुढ़ानिया, सहित समस्त विभागों के जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहे।

महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर

निविदा सूचना - 09/2024-25

विश्वविद्यालय द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक 12539 दिनांक 02.12.2024 के तहत विष्वविद्यालय में विभिन्न भवनों की मरम्मत एवं रखरखाव के कार्य हेतु निविदा जारी की गई है, जिसकी एनआईबी GSU2425A0036 एवं यूबीएन GSU2425WSOB00044 है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in एवं स्टेट प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/24/8621 सम्पदा अधिकारी

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, परबतसर जिला डीडवाना-कुचामन राज.

E-mail – npparbatsar@gmail.com Phone No. 01589-270141

क्रमांक:-नपाप./स्टोर शाखा/2024-25/2825 दिनांक:- 29.11.2024

निविदा सूचना

नगरपालिका परबतसर के द्वारा नियमानुसार बोनाफाइड/अधिकृत ईच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया द्वारा निविदाएँ आमंत्रित की जाती है । कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 06.12.2024 का10:00 बजे से है तथा शेष विवरण व निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण जानकारी वेबसाईट www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

NIB UBN NO : DLB2425A4134
UBN NO : DLB2425GSOB12548, DLB2425GSOB12549

राज.संवाद/सी/24/8596 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका परबतसर

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर

क्रमांक-उ.व.सं.धौ/लेखा/निविदा/2024-25/6859 दिनांक-27.11.2024

Notice Inviting Bid

Bid for construction of Boundry wall in range Bari Dholpur Division are invited from interested bidders upto 4:00 PM, 06-12.2024. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and https://eproc.rajasthan.gov.in of the state. The approximate value of the procurement is 14.92 lakhs.

UBN No.- FOR2425WSOB02065

DIPR/C/12092/2024 DCF Dholpur

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. KARAULI

File No.:-3070-3083 Date:26.11.2023

Notice Inviting Bid

Bid (E-NIT No. 12/2024-25) for Upgradation of Ayush Dispensary Building Works are invited from Registard & Interested bidders up to 6.00 PM on 28.11.2024 to 11.12.2024 procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website may be Visited for Other Details of Bid. The approximate value of the procurement is Rs. 17.27 lacs.

NIB Code: PWD2425A2952
UBN. No. : PWD2425WS0B10877

(Chandra Prakash) Executive Engineer PWD Div. Karauli

DIPR/C/12049/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड टोडाभीम

क्रमांक: 2078-2090 दिनांक: 26/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्याः 08/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से जिला गंगापुर सिटी (खण्ड टोडाभीम) में सड़क/भवन कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के यथोचित श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण बेवसाईट साईट www.dipronline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

1. UBN No. PWD2425WSRC10904, 2. UBN No. PWD2425WSRC10905
3. UBN No. PWD2425WSRC10906, 4. UBN No. PWD2425WSRC10907
5. UBN No. PWD2425WSRC10908, 6. UBN No. PWD2425WSRC10909
7. UBN No. PWD2425WSRC10910, 8. UBN No. PWD2425WSRC10911

(के.के. मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड टोडाभीम

DIPR/C/12045/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड जालोर

क्रमांकः अअ/जा/2024-25/2039 दिनांक: 28.12.2024

निविदा सूचना संख्या 12 वर्ष 2024-2025

NIB No. PWD2425A3024

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भवन कार्य के आधार पर उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 84.75 लाख है के लिए ईटेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है।

ऑनलाईन निविदा आवेदन डाउनलोड एवं अपलोड करने की तारीख	02 दिसम्बर 2024, 9:30 बजे से 11 दिसम्बर 2024, सायं 06:00 बजे तक

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in व http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No PWD2425WSOB11100
UBN No PWD2425WSOB11101
UBN No PWD2425WSOB11102

(आर. के. सिंघारिया) अधिशाषी अभियन्ता सा. नि. वि. खण्ड जालोर

DIPR/C/12033/2024

कार्यालय नगर पालिका बाप (फलोदी) राज.

Office of the Municipal Board, Bap (Phalodi) Rajasthan
Tel.- e-mail : municipalboardbap@gmail.com

Serial No. : N.P.B./2024-25/844-846 Date 29-11-2024

NOTICE INVITING BID

Bid for Annual Rate Contrect of Procurement are Invited from Interested Bidders Upto 23-12-2024 on 05.00 Pm her perticulers of the Bid Any be Visited on the Procurement Portal (http://sppp.raj.nic.in) (www.eproc.rajasthan.gov.in) of the State, and local self Departmental Website.

NIB CODE : DLB2425A4135
UBN : DLB2425SLOB12550

Chairman Municipal Board Bap — Executive Officer Municipal Board Bap

Raj.Samwad/C/24/8638

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

पृथ्वीराज मार्ग, अजमेर (राज0)

क्रमांकः न.नि.अ./एच.ओ./2024-25/1053 दिनांक : 29.11.2024

निविदा सूचना

अजमेर नगर निगम वित्तिय वर्ष 2024-25, 2025-26 की अवधि हेतु नगर निगम अजमेर व राजकीय विभागों में नियमानुसार संवेदकों/फर्म से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। संवेदक द्वारा निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBNIS : ANN2425SLOB00174
NIB CODE : ANN2425A0148

स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम, अजमेर

राज.संवाद/सी/24/8626

आमेर विकास एवं प्रबन्धन प्राधिकरण

पुरानी विधानसभा भवन, हवामहल के पास, जयपुर, टेलीफोन नम्बर - 0141-2600032
ई-मेल आई.डी. :- adma.jaipur@gmail.com

क्रमांक :- कार्य निदेशक/एडमा/लेखा/2024-25/1277 दिनांक :- 27/11/2024

ई-बिड संख्या-15/2024-25

राजकीय संग्रहालयों में 04 विभिन्न कार्यों हेतु राज्य सरकारों/केन्द्र सरकार/निगमों/बोर्ड कार्यालयों में सक्षम/निर्धारित श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से द्विभागीय खुली बिड ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाईन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती है जिनका विस्तृत विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है, जो देखी व पढ़ी जा सकती है।

(ई-बिड संख्या-15/2024-25 की कुल लागत राशि रूपये 370.00 लाख)

NIB Code : ADA2425A0018
बिड यू.बी.एन. नम्बर :-
ADA2425WSOB00049, ADA2425WSOB00050, ADA2425WSOB00051, ADA2425WSOB00052

राज.संवाद/सी/24/8561 कार्यकारी निदेशक (कार्य)

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2024-25/39-40 दिनांक : 02.12.2024

अल्पकालीन बिड सूचना सं. जविप्रा/व.उ.वि./2024-25/39 से 40

आयुक्त, जयपुर विकास प्राधिकरण की ओर से प्राधिकरण के उद्यानिकी प्रवर्ग की उचित श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के सभी विभागों में 'अअ' व 'अ' श्रेणी में पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-बिड (E-Procurement) निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती हैं :-

S. N.	NIB No.	Name of Work	Tender Amount (In Lakh)	Sale/Download Date and End Date	Open Date	Job No.
1	39	Supply of Plants in 20" pots at main Roads and Places under horticulture zone-I with 12 months maintenance including watch and ward UBN No. : JDA24-25WSOB00403	95.00	03.12.24 05.12.24	05.12.24	18/ 2024-25
2	40	Supply of Plants in 20" pots at main Roads and Places under horticulture zone-II with 12 months maintenance including watch and ward UBN No. : JDA24-25WSOB00404	91.40	03.12.24 05.12.24	05.12.24	18/ 2024-25

नोट : (1) बिड को बिना कारण बताये निरस्त किया जा सकता है। (2) बिड E-Procurement के जरिए प्राप्त की जायेगी। बोलीदाता द्वारा पंजीयन प्रमाण-पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। (3) बिड से सम्बन्धित शर्तें वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in / http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा वरिष्ठ उद्यानविज्ञ के कार्यालय (कमरा नं. NB SF-204) में देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/24/8583 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

कार्यालय अतिरिक्त मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रबंधक, वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर जिला परिषद अजमेर

क्रमांक-निविदा/2024-25/5253-62 दिनांक-26.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या 01, 02/2024-25/अंराई, 03, 04, 05, 06/2024-25/पीसांगन, 02, 03, 04/2024-25/मसूदा

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अजमेर जिले की निम्न पंचायत समितियों में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अन्तर्गत जलग्रहण विकास एवं चारागाह विकास कार्यों को संपादन करने हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में खुली ई टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in और www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र. सं.	पंचायत समिति एवं योजना का नाम	निविदा संख्या	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र शुल्क (रूपये में)	प्रोसेसिंग शुल्क (रूपये में)	ऑनलाईन फार्म अपलोड व जमा/ डाउनलोड करने की दिनांक	धरोहर राशि निविदा शुल्क प्रोसेसिंग फीस व निविदा प्रपत्र अपलोड कराने की अंतिम दिनांक	ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	NIB CODE	UBN CODE	EPROC Tender ID
1	अराई (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	01/2024-25/Arain	Construction of Farm Pond, Sunken Pond, Khadin, Percolation Tank in Block Arain	182.61	365220/-	2000/-	2000/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0324	WSC2425WS OB00708	2024_WDSC _432918_1
2	अराई (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	02/2024-25/Arain	Construction of Anicut in Block Arain	23.48	46960/-	500/-	500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0326	WSC2425WS OB00711	2024_WDSC _432923_1
3	पीसांगन (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	03/2024-25/Peesa-ngan	Neemari ka chora ma Horticulture Plantation and baladiya mata ke pass Horticulture plantation	50.68	101369/-	1000/-	1500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0337	WSC2425WS OB00721	2024_WDSC _432805_1
4	पीसांगन (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	04/2024-25/Peesa-ngan	Construction of DCCT, Khadin, Nadi Renovation	27.14	54287/-	500/-	500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0338	WSC2425WS OB00722	2024_WDSC _432929_1
5	पीसांगन (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	05/2024-25/Peesa-ngan	Construction of Anicut, PCD, WHS	67.31	134625/-	1000/-	1500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0339	WSC2425WS OB00723	2024_WDSC _432933_1
6	पीसांगन (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	06/2024-25/Peesa-ngan	Construction of Tanka Nirman in Non Arable Land	69.41	138830/-	1000/-	1500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0340	WSC2425WS OB00724	2024_WDSC _432935_1
7	मसूदा (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	02/2024-25/Masuda	Sati mata ji mandir ke pass Charagah Vikas Kary and Khulkhuliya bheru ke pass charagah vikas kary	47.03	94057/-	500/-	500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0341	WSC2425WS OB00725	2024_WDSC _432892_1
8	मसूदा (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	03/2024-25/Masuda	Construction of MPT, PT, Khadin, WHS, Sunken Pond and Farm Pond	62.82	125633/-	1000/-	1500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0342	WSC2425WS OB00726	2024_WDSC _432907_1
9	मसूदा (प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0)	04/2024-25/Masuda	Construction of Anicut and PCD Nirman Kary	51.04	102080/-	1000/-	1500/-	27.11.2024 09.30 AM	06.12.2024 06.00 PM	7.12.2024 11.00 AM	WSC2425 A0343	WSC2425WS OB00727	2024_WDSC _432911_1

नोट-उपरोक्त तालिका में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर ई-प्रोक पोर्टल पर दर्शाई गई सूचना ही सही मानी जावें।

(इन्दर चन्द खण्डेलवाल) अति. मुख्य अभियंता एवं परियोजना प्रबन्धक वाटरशेड सेल कम डाटा सेन्टर, जिला परिषद अजमेर

DIPR/C/12019/2024

जयसिंहपुरा खोर में 30 करोड़ की 4 बीघा सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं का कब्जा

- हाईकोर्ट ने वर्ष 2022 में इस बेशकीमती जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाने का आदेश दिया था, परन्तु 2 साल बाद भी हैरिटेज निगम प्रशासन नहीं जागा
- बताया जा रहा है कि जयसिंहपुरा खोर की खसरा नंबर 314/1 सरकारी भूमि पर 2011 में पीटी सर्वे कर नगर निगम द्वारा तार बाउंड्री कर नगर निगम की संपत्ति का बोर्ड लगाया गया था। लेकिन धीरे-धीरे भूमाफियाओं ने सरकारी जमीन पर कब्जा करना शुरू किया।
- वर्तमान में इस सरकारी जमीन पर दो दर्जन से ज्यादा अवैध बिल्डिंग का निर्माण किया जा चुका है, वहीं खाली जमीन पर भी प्लॉट और स्कीम के नाम पर आम जनता के साथ लगातार धोखा किया जा रहा है।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर में 30 करोड़ से ज्यादा की सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के खिलाफ आम जनता ने मोर्चा खोल दिया है। नगर निगम हेरिटेज के हवामहल-आमेर जोन स्थित वार्ड 13 के जयसिंहपुरा खोर में 4 बीघा से ज्यादा सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं का अतिक्रमण दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। अब तक दो बीघा से ज्यादा सरकारी जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा कब्जा कर अवैध निर्माण करवाकर गैर कानूनी कॉलोनी बसाई जा रही है। जहां आम जनता को सरकारी जमीन पर फर्जी पट्टे काट कर लाखों रुपए में मकान और प्लॉट बेचे जा रहे हैं।

दरअसल, जयसिंहपुरा खोर की खसरा नंबर 314/1 सरकारी भूमि पर 2011 में पीटी सर्वे कर नगर निगम द्वारा तार बाउंड्री कर नगर निगम की संपत्ति का बोर्ड लगाया गया था। लेकिन धीरे-धीरे भूमाफियाओं ने सरकारी जमीन पर कब्जा करना शुरू किया। इसके बाद आज सरकारी जमीन पर दो दर्जन से ज्यादा अवैध बिल्डिंग का निर्माण किया जा चुका है। वहीं खाली जमीन पर भी प्लॉट और स्कीम के नाम पर आम जनता के साथ लगातार धोखा किया जा रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता युगल किशोर भारद्वाज ने बताया कि वर्ष 2022 में हाई कोर्ट की डबल बेंच ने इस सरकारी जमीन से भूमाफियाओं के अतिक्रमण को हटाने के आदेश दिए थे। लेकिन आज लगभग 2 साल का वक्त बीत जाने के बाद भी नगर निगम प्रशासन द्वारा अवैध निर्माण को नहीं हटाया गया है। बल्कि, हर दिन यहां अतिकर्मियों द्वारा सरकारी जमीन पर कब्जा कर सरकार को करोड़ों रुपए के राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। जिस पर शासन और प्रशासन में बैठे लोगों ने आंखें बंद कर रखी है न जाने उन्हें किस बात का डर लग रहा है।

स्थानीय निवासी पप्पू लाल सैनी ने कहा कि पूर्व कांग्रेस सरकार के वक्त जयसिंहपुरा खोर में सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की गई थी तब से अब तक यहां आधा दर्जन से ज्यादा भू माफियाओं ने मिलकर दो बीघा जमीन पर प्लाट भी काट दिए हैं वहीं शेष दो बीघा जमीन को भी हथियाना की कोशिश लगातार जारी है। जब राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी तब बीजेपी के नेता इस अवैध निर्माण को हटाने की बात करते थे लेकिन आज बीजेपी की सरकार बने लगभग 1 साल का वक्त बीत गया है लेकिन किसी नेता ने सरकारी जमीन से कब्जा हटाने की सुध तक नहीं ली है। स्थानीय पार्षद सुरेश सैनी ने कहा कि नगर निगम प्रशासन पूरी तरह मूक दर्शक बन चुका है। अब तक सरकारी जमीन पर हो रहे अवैध अतिक्रमण के खिलाफ दर्जनों शिकायत दे चुका हूं। लेकिन हवामहल जोन उपायुक्त सीमा चौधरी से लेकर नगर निगम कमिश्नर अरुण कुमार हसीजा तक कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस मामले को लेकर मैंने क्षेत्रीय विधायक बालमुकुंद आचार्य और कार्यवाहक मेयर कुसुम यादव से भी शिकायत की है। जिन्होंने जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है। ऐसे में अगर अगले 7 दिनों में इस मामले का समाधान नहीं हुआ और नगर निगम टीम द्वारा अवैध निर्माण को ध्वस्त कर सरकारी जमीन से कब्जा नहीं हटाया गया। तो आम जनता के साथ मैं नगर निगम प्रशासन के खिलाफ धरने पर बैठूंगा।

विधायक विधानसभा की परंपराओं और मर्यादाओं का करें पालन : देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उपचुनाव में निर्वाचित हुए सात नव निर्वाचित विधानसभा सदस्यों को शपथ दिलाई।

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मंगलवार को विधानसभा उपचुनाव में निर्वाचित हुए सात विधायकों को अपने कक्ष में विधानसभा सदस्य पद की शपथ दिलायी। सभी विधायकों ने हिंदी भाषा में विधानसभा सदस्य पद की शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर देवनानी ने सभी नव निर्वाचित विधायकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि विधायक सदन की गौरवमयी परम्परा, गरिमा, और मर्यादा का अनुपालन करें।

समारोह में शांता अमृतलाल मीणा ने सलूंबर से, सुखवंत सिंह ने रामगढ़ से, राजेंद्र भाम्बू ने झुंझुनूं से, अनिल कुमार कटारा ने चौरासी से, रेवंतराम डांगा ने खींवसर से, राजेंद्र गुर्जर ने देवली-उनियारा से एवं दीनदयाल ने दौसा विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित होने पर विधानसभा सदस्य पद की शपथ ली।

इस अवसर पर विधानसभा में सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग , विधानसभा में प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के के शर्मा सहित विधानसभा के अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्र की "पी.एम. प्रणाम योजना" से आर्गेनिक खेती को मिलेगा बढ़ावा : मदन राठौड़

- राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने "पीएम प्रणाम योजना" को लेकर लगाया सवाल, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा ने दिया जवाब

जयपुर। राज्यसभा सांसद एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लगातार एक के बाद एक योजनाओं को शुरू कर रहे है। इसी कड़ी में "पीएम प्रणाम योजना" भी किसानों के लिए कारगर साबित तो रही है। पीएम प्रणाम योजना से जहां आर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर खेती में रासायनिक उर्वरक जैसे यूरिया, डीएपी का उपयोग भी कम होगा। आर्गेनिक फसल से जहां किसानों की आय बढेगी, वहीं दूसरी ओर आमजन के स्वास्थ्य में भी लाभ होगा। राठौड़ ने बताया कि पीएम प्रणाम योजना को लेकर राज्यसभा में सवाल के जवाब में रसायन और उर्वरक तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने यह जानकारी दी है।

राठौड़ ने बताया कि केंद्र सरकार ने आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने 28 जून, 2023 को धरती के पुर्नरुद्धार, जागरूकता सृजन, पोषण और सुधार के लिए पीएम कार्यक्रम (पीएम-प्रणाम) को स्वीकृति दी है। पीएम प्रणाम योजना का मुख्य उद्देश्य वैकल्पिक उर्वरकों को बढ़ावा देना, आर्गेनिक खेती को बढ़ावा देना और संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी को लागू करके धरती माता के स्वास्थ्य को बचाना है। देश के सभी राज्यों एवं संघ शासित प्रदेश में इस योजना को शुरू किया गया है।

राज्यसभा सांसद राठौड़ ने बताया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से जैव उर्वरक और जैव समृद्ध आर्गेनिक खादों का उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है।

ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने का लक्ष्य है भारत का : तिवाड़ी

नई दिल्ली/जयपुर। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने मंगलवार को राज्यसभा में तेल क्षेत्र विधेयक 2024 के समर्थन में अपना पक्ष रखा। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि इस विधेयक में प्राकृतिक गैस के उत्पादन को बढ़ाने तथा ईंधन की खरीद को स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप बनाने के लिए ईंधन के स्त्रोतों में विविधता लाने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में अपरंपरागत हाइड्रोकार्बन प्रचालन की अनुमति देने तथा कम रॉयल्टी लगाने जैसे कई नीतिगत सुधार शामिल किए गए हैं। घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि तेल क्षेत्र विधेयक, 2024 के मध्यम से भारत को ऊर्जा की आत्मनिर्भरता देने का लक्ष्य लिया गया है।

भाजपा की आधुनिक गुटबाजी में झगड़े से बचने के लिए संगठन चुनाव को दिया संगठन पर्व का नाम

- बूथ से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक हो रहा हैं चुनाव
- नेताओं के पसंदीदा लोग बन रहे हैं अध्यक्ष

जयपुर। अंदरूनी गुटबाजी और पार्टी के झगड़ों से बचने के लिए भाजपा ने संगठन के अध्यक्षों के चुनाव को संगठन पर्व का नाम दिया है। वहीं प्रदेश भाजपा में संगठन चुनाव एक औपचारिकता बनकर रह गया हैं। जिसमे बूथ से लेकर प्रदेश अध्यक्ष तक सभी चेहरे पहले से ही तय हैं। भाजपा में संगठन का चुनाव हार 3 साल में होता है लेकिन इस बार लगभग 5 साल बाद संगठन के ये चुनाव कराए जा रहे है। भाजपा ऊपर से लेकर नीचे तक सिर्फ एक ही लाइन पर चलती है। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के चलते संगठन के चुनाव नहीं हो पाए है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष मदन लाल सैनी के जून 2019 में निधन के बाद इन 5 साल में बिना संगठन चुनाव के अब तक तीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बदल चुके है। जिनमें से सबसे ज्यादा लंबा तीन साल का कार्यकाल डॉ सतीश पूनिया का रहा है। पूनिया साल सितंबर 2019 से लेकर मार्च 2023 तक मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष रहे। जिसके बाद बिन चुनाव के मार्च 2023 से जुलाई 2024 तक यानी 1 साल 4 महीने तक चित्तौडगढ़ सांसद सीपी जोशी ने प्रदेश अध्यक्ष के पद पर काबिज रहे। जोशी के बाद 26 जुलाई 2024 को पाली जिला निवासी राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ को प्रदेश अध्यक्ष पर मनोनीत किया गया। मदन राठौड़ के प्रदेश अध्यक्ष रहते बतौर ही अब 5 साल बाद संगठन के चुनाव कराने की कवायद की जा रही है।

प्रदेशभर में सोमवार से 5 दिसंबर तक बूथ अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रदेश के 52 हजार बूथों पर अध्यक्षों का चुनाव किया जाएगा। जिनमें से हर बूथ पर एक अध्यक्ष व 11 अन्य सदस्यों के साथ बूथ की टीम का गठन किया जाएगा। बूथ अध्यक्ष के लिए प्राथमिक सदस्य होना जरूरी है। हर बूथ पर 3 महिलाएं, 1 लाभार्थी प्रमुख, 1 वॉट्सएप प्रमुख और 1 मन की बात प्रमुख होना जरूरी है। पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी से निजात पाने के लिए ही इसे संगठन पर्व का नाम दिया गया है। प्रवक्ता के अनुसार बूथ अध्यक्ष वो ही बनेगा जिस पर नेताओं का आशीर्वाद होगा। तिलोक ने बताया कि पाली जिले के 40 मंडलों के 1 हजार 682 बूथों पर अध्यक्षों का चुनाव 5 दिसंबर तक किया जाएगा। तिलोक ने बताया कि पाली जिले में 240 शक्ति केन्द्र बनाए गए है जहां एक शक्ति केन्द्र में 7 बूथ शामिल किए गए है।

प्रदेश भाजपा सूत्रों के अनुसार बिना चुनाव बूथ अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों का चुनाव किया जाएगा। बूथ कमेटी के गठन के समय ही वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को पन्ना प्रमुख भी बनाया जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार 15 जनवरी तक पक बार फिर से निर्विरोध रूप से मदन राठौड़ का भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनना लगभग तय है। एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार केन्द्रीय आलाकमान ही 15 जनवरी तक पार्टी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश पार्टी अध्यक्षों के नाम पर मुहर लगाएंगे। लेकिन भाजपा में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के चलते बूथ, मंडल, और जिला अध्यक्षों के चुनाव बाद इन दो बड़े पदों के लिए नाम पर मुहर लग पाएगी।

गुजरात में आँजणा चौधरी पटेल समाज संगठन के सम्मान समारोह में शामिल हुए डॉ. पूनिया

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया अहमदाबाद (गुजरात) प्रवास पर आँजणा चौधरी पटेल समाज संगठन, चांदखेड़ा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में शामिल हुए।

डॉ. सतीश पूनिया ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे मारवाड़ी भाई- बहन गुजरात से लेकर राजस्थान की तरक्की में अपना महत्वपूर्ण योगदान वर्षों से दे रहे हैं, मारवाड़ी अपनी जन्मभूमि से लेकर कर्मभूमि के प्रति समर्पित होकर विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र और राजस्थान में दोनों जगह भाजपा की सरकारें हैं, ऐसे में डबल इंजन भाजपा सरकार देश और राजस्थान के हित में मजबूती से कार्य कर रही हैं, प्रदेश में भाजपा की भजनलाल सरकार राइजिंग राजस्थान सहित महत्वपूर्ण योजनाएं उद्यिमयों के लिए सुगम तरीके से लेकर आ रही हैं, ऐसे में मारवाड़ी अपनी जन्मभूमि की तरक्की को और अधिक मजबूती देने के लिये अपने प्रदेश में निवेश के लिए पधारें, जिनके लिए आधारभूत सुविधाओं के साथ सुखद और अनुकूल वातावरण भाजपा की भजनलाल सरकार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

आँजणा चौधरी पटेल समाज संगठन सम्मान समारोह में सतीश पूनिया, राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद लुंबाराम चौधरी इत्यादि उपस्थित रहे।

इसके बाद सतीश पूनिया ने अहमदाबाद पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि, शिक्षा के साथ-साथ अपने हुनर को तराशते हुये राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान देने के लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर कार्य करें और महापुरुषों के जीवन को आत्मसात करें।

नशा मुक्त जयपुर अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हर संभव प्रयास सुनिश्चित हो : कलैक्टर

- डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नशा मुक्त अभियान के लिए ई-शपथ पोर्टल का किया शुभारंभ

जयपुर। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने नशा मुक्त जयपुर अभियान को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को हर संभव प्रयास करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही, उन्होंने मादक पदार्थों के अवैध उत्पादन, भंडारण एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई हो साथ ही युवाओं को नशे की लत से दूर करने और दूर रखने के लिए प्रभावी कार्ययोजना का धरातल पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किये हैं।

कलक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को नार्को कॉर्डिनेशन सेंटर की राज्य स्तरीय समिति की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जिला कलक्टर ने नशा मुक्त जयपुर की ई-शपथ की वेबसाइट को लॉन्च किया। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र की जयपुर जिला इकाई एवं दिल्ली की टीम के सहयोग से अल्प समय में इस पोर्टल को तैयार कराया। सक्षम जयपुर अभियान के तहत जयपुर को नशा मुक्त बनाने के लिए ई-शपथ पोर्टल का लोकार्पण किया। यह पोर्टल नशा मुक्त जयपुर के लिए वातावरण निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से जयपुर जिले के प्रत्येक युवा को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ने का प्रयास रहेगा। इस हेतु 21 लाख नागरिकों को ई-शपथ दिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को नशा मुक्ति के लिए शपथ दिलवाई एवं बैठक के दौरान ही अधिकारियों को ई-शपथ का प्रमाण पत्र भी वितरित किया। जिला कलक्टर ने नशा मुक्त जयपुर को जन अभियान बनाने एवं युवाओं को नशे की जद में आने से बचाने के लिए सघन जागरुकता अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को विद्यालयों एवं कॉलेजों के पास दवा दुकानों की जांच करने एवं प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री, तय सीमा से अधिक दवा बिक्री, बिना लाइसेंस के दवा बिक्री सहित समस्त प्रकार की अनियमितताओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड, पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, वन विभाग सहित अन्य विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

डोटासरा ने जाट महासम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने 12 जनवरी को जयपुर में होने वाले वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल अंतरराष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान एवं जाट महासम्मेलन 2024 कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को किया।

जयपुर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को 12 जनवरी को जयपुर में होने वाले वीर शिरोमणि महाराजा सूरजमल अंतरराष्ट्रीय जाट प्रतिभा सम्मान एवं जाट महासम्मेलन 2024 कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया।

महासम्मेलन कार्यक्रम के संयोजक वीरेंद्र चौधरी ने बताया कि समाज के होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12 जनवरी को जयपुर मानसरोवर के चौपड़ा फार्म पर आयोजित किया जायेगा। इस मौके कार्यक्रम में कई तरह की श्रेणी में अवार्ड दिए जाएंगे। कक्षा आठ और 10वीं में 85 प्रतिशत या अधिक अंक हासिल करने वाले छात्र छात्राओं को, यूजी और पीजी में प्रत्येक कक्षा में 70 प्रतिशत से अधिक और पीएचडी शोधार्थी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी,पत्रकार, एंकर, सम्पादक और संवाददाता अवार्ड, वर्ष 2022-23 और 2023-24 में किसी भी विभाग में सरकारी नौकरी हासिल करने वाले, सामाजिक, साहित्यिक,कला क्षेत्र में काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर समाज की महिलाओं की राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जायेगा और इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को अवार्ड दिया जाएगा। कबड्डी प्रतियोगिता में 15 से 40 उम्र तक की महिलाएं भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम को 31 हजार रुपए का पुरुस्कार दिया जायेगा तथा द्वितीय स्थान पर रहने वाली टीम को 21 हजार रुपए दिए जायेंगे जबकि तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 11 हजार रुपए का पुरस्कार दिया जायेगा। पोस्टर विमोचन के बाद डोटासरा ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की शुभकामनाएं दी। इस मौके सामाजिक कार्यकर्ता खांगाराम, संतोष डूडी, बंशी ककरालिया आदि मौजूद थे।

समिट में प्रदेश के दिव्यांग बच्चों की कला और कुशलता को मिलेगा उचित सम्मान

जयपुर। राजस्थान को विश्व में निवेश का प्रमुख केन्द्र बनाने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार 9 से 11 दिसम्बर को राजधानी जयपुर में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का ऐतिहासिक आयोजन करने जा रही है। इस आयोजन को सार्थक बनाने और एक विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने 10 दिन तक रोज एक नया संकल्प लेने की पहल की है।

इसी कड़ी में उन्होंने मंगलवार को छठा संकल्प लिया कि राइजिंग राजस्थान समिट में प्रदेश के दिव्यांग बच्चों की कला और उनकी कुशलता को उचित सम्मान मिलेगा और उनके हुनर का प्रदर्शन इस समिट का प्रमुख आकर्षण बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को निखरने का पर्याप्त अवसर मिले तो वे भी अपने जीवन में कौशल और योग्यता से श्रेष्ठ मुकाम हासिल कर अन्य लोगों के लिए प्रेरणा पुंज बन सकते हैं।

शर्मा ने कहा कि पेरिस में आयोजित पैराओलंपिक खेलों में राजस्थान की अवनी लेखरा, मोना अग्रवाल तथा सुंदर गुर्जर जैसे युवाओं ने पदक जीतकर राज्य और देश का गौरव बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार दिव्यांगजन को तरक्की और आगे बढ़ने के समान अवसर उपलब्ध कराकर उनके कल्याण हेतु सतत प्रयत्नशील है।

प्लास्टिक फ्री राजस्थान के लिए किये जा रहे प्रयासों की केंद्रीय मंत्री ने सराहना की

- सफाई मित्रों के लिए 50 लाख का बीमा और शौचालय प्रोत्साहन राशि 25 हजार करने की मांग

नई दिल्ली/जयपुर। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की बैठक केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटील की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित श्रम शक्ति भवन में संपन्न हुई। बैठक में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर, विभाग के शासन सचिव जोगाराम सहित प्रदेश के व केंद्र सरकार के विभिन्न अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में उपस्थित राजस्थान के अधिकारियों ने प्रदेश में विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत किया जा रहे नवाचारों का प्रस्तुतीकरण केंद्रीय मंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री ने मदन दिलावर द्वारा किए जा रहे नवाचारों को बहुत सराहा।

मंत्री ने दिलावर द्वारा प्लास्टिक फ्री राजस्थान बनाने के लिए किया जा रहे जन जागरण के प्रयासों की सराहना की और उन्हें अन्य प्रदेशों के लिए प्रेरणा इस्पात बताया।

दिलावर ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राजस्थान देश का एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने स्वच्छता अभियान की सफलता के लिए घर-घर से कचरा संग्रहण, कचरे का प्रथककिरण, सड़क एवं नाली सफाई तथा सामुदायिक शौचालय की सफाई के लिए दरें निर्धारित की है।

इतना ही नहीं प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के कार्य संवेदकों के माध्यम से करने की पहल की है। इस पहल के माध्यम से राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों में भी शहरों की तर्ज पर नियमित सफाई की व्यवस्था संचालित कर राजस्थान को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने हेतु प्रयासरत है।

पंचायती राज मंत्री दिलावर ने बताया कि ओडीएफ प्लस की मॉडल श्रेणी में घोषित सत्यापित गांव को उपखंड अधिकारी द्वारा सत्यापित कराया जा रहा है। जिस से धरातल स्तर पर ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के कार्यों की वस्तु स्थिति का आकलन किया जा सके। राजस्थान में प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट नियमों की अनुपालन (सिंगल यूज प्लास्टिक को वास्तविक रूप से प्रतिबंधित करने हेतु) के लिए प्लास्टिक वेस्ट रीसायकलर्स/स्टॉकिस्ट/ संबंधित विभागों के साथ लगातार बैठकें कर इस हेतु व्यापक जन जागरण किया जा रहा है।

राजस्थान में कई जिलों में प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन हेतु अनूठे प्रयास कर रहा हैं।जिसमें घरों/होटल/रेस्टोरेंट/संस्थाओं/ अन्य सार्वजनिक स्थलों से प्लास्टिक बोतले एकत्रित कर उनमें 50 लाख थैलियां भरकर उन्हें चबूतरा बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदेश में कई स्थानों पर स्वच्छता कर्मियों की गरिमा एवं गांव की स्वच्छता को बनाए रखने के लिए सफाई रथ का उपयोग किया जा रहा है।

पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री की समक्ष विभिन्न समस्याओं और मांगों को भी उठाया। दिलावर ने मांग की कि स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत सफाई मित्रों हेतु 50 लख रुपए तक का बीमा की व्यवस्था की जाए। व्यक्तिगत शौचालय हेतु लाभार्थियों को प्रोत्साहन राशि के रूप में 12000 रुपये का प्रावधान है।

थार गाड़ी के कुचलने से हुई युवक की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूटा

रोड को जाम किया, मृतक को 1 करोड और घायलों को 5 लाख रूपए देने की मांग

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं के नयासर गांव में थार गाडी के कुचलने से हुई युवक की मौत के बाद ग्रामीणों का गुस्सा फूट पडा और मृतक को 1 करोड और घायलों को 5० लाख रूपए देने की मांग की।

आक्रोशित लोगों ने शहर की सबसे मुख्य एवं व्यस्तम सडक एक नंबर रोड को जाम कर दिया और सडक पर बैठकर नारेबाजी करने लगे। सूचना के बाद एसडीएम हवासिंह, डिप्टी विरेन्द्र शर्मा मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों से समझाइस कर रास्ता खुलवाने का प्रयास किया। रोड जाम करने से दोनों ओर वाहनों लंबी की कतार लग गई। इससे पहले ग्रामीण बीडीके अस्पताल की मोर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठ थे। बात नहीं बनने पर सडक पर उतर आए। धरने पर पूर्व मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढा भी पहुंचे।

मुआवजे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने धरना दिया।

डीवाईएफआई के जिलाध्यक्ष महिपाल ने कहा कि रेंटल कार वालों ने झुंझुनूं व आसपास के इलाकों में भयंकर आंतक मचा रखा है, किराए पर वाहन देने वालों का एक गिरोह काम कर रहा है। बिना रजिस्ट्रेशन के गाडिया सरपट दौड रही है। घटना घटित होने पर लोगों को जान - माल का नुकसान भी हो रहा हैं। लोगों ने बताया की रेंटल कारों पर नंबर नहीं है। नंबर प्लेट से लेकर चेचिस नंबर तक फर्जी है। नाबालिग बच्चें तेज रफ्तार में गाडियों को दौडा रहे है। पहले भी कई बार रेंटल गाडियां के मामले सामने आ चुके है। फिर भी पुलिस प्रशासन चुप्पी साधे हुआ है। सांठ-गांठ करके मामले को दबाने को कोशिश की जा रही है। सरपंच रोशनलाल ने कहा की जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होगी धरने से नहीं उठेंगे। बता दें कि सोमवार सुबह झुंझुनूं के सदर थाने क्षेत्र के नयासर गांव में एक तेज रफ्तार कार ने किराने की दुकान पर बैठे 6 लोगों को रौंद दिया था। जिसमें पुष्पेंद्र नामक युवक की इलाज के दौरान जयपुर में मौत हो गई थी। दो लोगों का जयपुर में इलाज चल रहा है, जबकि तीन लोगों का झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में इलाज चल रहा है।

ये है मांगे :- मृतक युवक के परिजनों को एक करोड रूपए का मुआवजा देने, सरकारी नौकरी, आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने, घायलों के परिवार को 5०-5० लाख रूपए देने, रेंटल गाडी चलाने वालों पर कार्यवाही की मांग को लेकर ग्रामीण सडक पर उतर आए।

अनियंत्रित होकर सवारियों से भरी निजी बस पलटी

हादसे में आधा दर्जन सवारियां घायल

हादसे के बाद घायलों को अस्पताल ले जाकर उपचार कराया।

पावटा। भाबरू थाना इलाके के हाइवे स्थित नींझर मोड के पास जयपुर से दिल्ली जा रही सवारियों से भरी निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में करीब आधा दर्जन सवारियां घायल हो गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर भाबरू पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। भाबरु थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि निजी बस जयपुर से सवारियां लेकर दिल्ली जा रही थी।

- हादसे के बाद ग्रामीणों की भीड़ हुई एकत्रित
- भाबरू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती

भाबरू इलाके के नींझर मोड के पास पहुंचने पर बस अनियंत्रित हो गई और सडक पर पलट गई। हादसे के दौरान बस में यात्रियों में चीख पुकार मच गई। हर कोई बस से सुरक्षित बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। हादसे के समय अधिकांश यात्री नींद में थे। अचानक हादसा होने पर एकाएक किसी को कुछ नहीं सूझा। बाद में यात्री अपनी जान बचाने में जुट गए। बस हादसे की जानकारी ज्योंही आसपास के ग्रामीणों को लगी। वहां भीड एकत्र हो गई। लोग बस में सवार यात्रियों को सकुशल बाहर निकालने में जुट गए। उन्होंने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बस से बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए शाहपुरा राजकीय अस्पताल में भर्ती कराया। वही अचानक हुए इस हादसे से जाम लग गया। ऐसे में हाइवे पर वाहनों की कतारें लग गई। बाद में भाबरु थाना पुलिस ने बडी मशक्कत कर दुर्घटनाग्रस्त बस को एक तरफ करवाकर यातायात सुचारू करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चूरू सांसद ने नये सिरे से सर्वे करवाकर रेल मार्गों के निर्माण की मांग उठाई

सादुलपुर। चूरू सांसद राहुल कस्वां ने लोकसभा में नियम-377 के तहत विभिन्न मार्गों पर नई रेलवे लाईन बिछाने हेतु नये सिरे से सर्वे करवाने की मांग रखी। मंगलवार शाम पांच बजे मिली जानकारी में सांसद राहुल कस्वां ने सदन में कहा कि चूरू संसदीय क्षेत्र क्षेत्रफल में काफी बडा है। साथ ही चूरू संसदीय क्षेत्र सहित सम्पूर्ण शेखावाटी और हनुमानगढ, बीकानेर के नागरिक बडी संख्या में व्यापार व काम के सिलसिले में देश के अलग-अलग हिस्सों में आवागमन करते रहते हैं।

रेलवे आवागमन का अत्यंत ही सुलभ माध्यम है। यहां के नागरिकों द्वारा लम्बे समय से वंचित क्षेत्रों को रेलवे नेटवर्क से जोडे जाने की मांग की जाती रही है। इसके लिए अनेकों बार सर्वे भी रेलवे द्वारा करवाए गए हैं। सादुलपुर से श्रीडूंगरगढ वाया तारानगर, सरदारशहर, सरदारशहर से हनुमानगढ, नोखा से सीकर वाया बीदासर एवं फर्रूखनगर से सादुलपुर वाया पिलानी ऐसे मार्ग हैं, जो आर्थिक, सामरिक व सैन्य दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन आजादी के इतने वर्षों बाद भी रेल सेवा से वंचित हैं।

पूर्व में भी इन मार्गों पर रेलवे द्वारा सर्वे करवाया गया है, लेकिन हर बार नेगेटिव आरओआर बताकर इन मार्गों की स्वीकृति नहीं जाती है। आजादी के इतने वर्षों बाद भी ऐसे महत्वपूर्ण मार्गों का रेल नेटवर्क से नहीं जुडना अत्यंत विचारणीय विषय है। सरकार को चाहिए कि अब नीतियों में परिवर्तन कर नेगेटिव आरओआर कंसेप्ट को परे रखते हुए रेल नेटवर्क का विस्तार कर वंचित इलाकों के नागरिकों को लाभान्वित किया जाए। चूरू संसदीय क्षेत्र से गुजरने वाले इन महत्वपूर्ण मार्गों पर अगर नये सिरे से सर्वे करवाकर रेल सेवा से जोडा जाता है तो दिल्ली के लिए अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग के साथ-साथ सैन्य दृष्टि से बॉर्डर एरिया तक सीधी पहुंच भी सुनिश्चित हो सकेगी। सांसद कस्वां ने सदन के माध्यम से रेलमंत्री के समक्ष इन मार्गों के महत्व को देखते हुए अतिशीघ्र नया सर्वे करवाने एवं नेगेटिव आरओआर कंसेप्ट को छोडते हुए यहां रेल सेवाओं का विस्तार करने की मांग रखी।

बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा ने पिया एसिड

डूंगरपुर। शहर के माणक चौक में रहने वाली एक नर्सिंग स्टूडेंट ने तेजाब पी लिया। तबीयत खराब होने पर बडी बहन उसे डूंगरपुर अस्पताल लेकर आई जिसे आईसीयू में भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। छात्रा के तेजाब पीने की वजह सामने नहीं आई है।

- तबीयत खराब होने पर अस्पताल लेकर पहुंचे परिजन, आईसीयू में भर्ती

प्राप्त जानकारी के अनुसार दौसा जिले की रहने वाली निकिता पुत्री रूपलाल बैरवा अभी डूंगरपुर शहर के माणक चौक में किराए के कमरे में रहती है। उसके साथ उसकी बडी बहन भी रहती है। निकिता डूंगरपुर मेडिकल कॉलेज में बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष की छात्रा है। मंगलवार सुबह उठने के बाद निकिता ने एसिड पी लिया। जिससे उसकी तबियत बिगड गई। उसे उल्टियां होने लगी। ये देखकर उसकी बडी बहन उसे तुरंत ही डूंगरपुर अस्पताल लेकर आई, जहां निकिता की जांच के बाद उसे आईसीयू में भर्ती कर दिया। डॉक्टरों ने एसिड को उल्टी करवाकर बाहर निकालने के प्रयास शुरू कर दिए। वहींए उसकी दवाइयां भी शुरू कर दी। छात्रा के पिता दौसा में ही पेंटिंग का काम करते हैं। निकिता पढ ाई में होशियार है, लेकिन उसने तेजाब किस वजह से पिया इसका पता नहीं चल सका है।

52 लाख की चोरी का माल बरामद

कपासन, (निसं) भोपालसागर स्थित हाईवे पर होटल के बाहर से 52 लाख कीमत की साडीयों से भरे ट्रक चोरी की वारदात का घटना के पांच ही दिन में खुलासा करते हुए जिला पुलिस ने साइबर सेल की मदद से ट्रक मालिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गया 52 लाख का माल बरामद कर लिया है। गिरफ्तार आरोपियों से वारदात में प्रयुक्त एक कंटेनर, दो मोटरसाईकिल एवं एक मारुती वैन को जब्त किया है। ट्रक मालिक ने ही ट्रक चालक को धोखे में रख ट्रक सहित माल को चोरी किया था। जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने बताया।

मेडिकल ऑफिसर को ए.पी.ओ किया

डूंगरपुर। डूंगरपुर में हॉस्पीटल के नर्सिंग कर्मियों की संवेदनहीनता की तस्वीर सामने आई है। गेट पर एक प्रेग्नेंट महिला प्रसव के दर्द से तडपती रही। गेट पर खडे 2 नर्सिंगकर्मी घडी देखकर बोले-अभी हॉस्पीटल खुलने में आधा घंटा है, इंतजार करों। महिला के साथ आए परिजन ने गेट पर ही डिलीवरी कराई। महिला खून में लथपथ परिसर में पडी रही। यह मामला सामने आने के बाद सीएमएचओ डॉ.अलंकार गुप्ता ने पीएचसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ.जयसिंह चौधरी को एपीओ कर दिया है। मामले में सीएमएचओ ने 3 सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया है। सीएमएचओ खुद भी मामले की जांच कर रहे हैं। उधर महिला के परिजन पीएचसी के बाहर धरने पर बैठे और पीएचसी के पूरे स्टॉफ को सस्पेंड करने की मांग करने लगे। घटना डूंगरपुर जिले के सीमलवाडा थाना इलाके के पीठ पीएचसी में सोमवार सुबह 8.3० बजे हुई थी। अस्पताल खुलने का समय सुबह 9 बजे है। इस घटना के बाद मंगलवार सुबह परिजन और गांव वाले हॉस्पिटल के बाहर धरने पर बैठ गए। डॉक्टर स्टाफ के खिलाफ कडी कार्रवाई की मांग की।

राष्ट्रपति ने डूंगरपुर कलक्टर को किया सम्मानित

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह को दिव्यांगजनों के अधिकार, यूडीआईडी और दिव्यांगजन सशक्तीकरण की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विश्व दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर मंगलवार को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मू ने सम्मानित किया। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से नई दिल्ली में आयोजित सम्मान समारोह में जिला कलक्टर सिंह को दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम, यूडीआईडी और दिव्यांग सशक्तीकरण की योजनाओं के क्रियान्वयन में सर्वश्रेष्ठ जिले की श्रेणी में सम्मानित किया गया।

डूंगरपुर जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह (दायें से प्रथम) को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने सम्मानित किया।

- नई दिल्ली में विश्व दिव्यांग दिवस पर सम्मान समारोह आयोजित
- दिव्यांगजन कल्याण के लिए डूंगरपुर सर्वश्रेष्ठ जिला चुना

डूंगरपुर जिले में वित्तीय वर्ष 2०24-25 में 6 हजार 895 दिव्यांजन महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कार्यक्रम के तहत पंजीकृत किए गए हैं, जो कि राजस्थान में सर्वाधिक है। मनरेगा में वित्तीय वर्ष 2०24-25 में अब तक 5 हजार 271 दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है, जो राजस्थान में सर्वाधिक है। 76.44 प्रतिशत के साथ 2 दशमलव ०11 लाख मानव दिवस सृजन कर लगभग सवा चार करोड रूपये की मजदूरी का भुगतान किया गया है, जो राज्य में सर्वाधिक है। जिले के बिछीवाडा ब्लॉक में 118 और डूंगरपुर ब्लॉक में राजीविका के 11० स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। जिले के इन दो ब्लॉक्स में कुल 228 स्वयं सहायता समूहों से 1 हजार एक सौ चालीस दिव्यांगजन जुडे हैं। इन्हें राज्य सरकार के नियमानुसार अनुदान दिया जा रहा है। दिव्यांगजनों को समाज की मुख्यधारा में लाने के साथ ही श्रम क्षेत्र में सिलिकोसिस जैसी गंभीर बीमारी से पीडित 94 श्रमिकों को 2 करोड 82 लाख रूपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। वहीं, प्रतिमाह पेंशन के रूप में श्रमिकों को 1 लाख 41 हजार रूपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं।

इसके साथ ही दिव्यांगजनों को डोर-टू-डोर राशन डिलीवरी,पीडब्ल्यूडी मतदाताओं के शत-प्रतिशत मतदान के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। विधानसभा आम चुनाव-2०24 में दिव्यांगजन मतदाताओं को मतदान प्रतिशत 71 से बढ कर लोकसभा आम चुनाव-2०24 में 81 प्रतिशत हो गया। इसके साथ ही हाल ही चौरासी विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव में दिव्यांगजनों का मतदान प्रतिशत 87.88 प्रतिशत रहा है, जो राज्य की उपचुनाव वाली सभी विधानसभा सीटों में सर्वाधिक है।

दस हजार रुपए के इनामी बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

करौली (नि.स.)। फायरिंग कर हत्या का प्रयास के मामले में सवाई माधोपुर जिले से गत 4 साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश लखन पुत्र रामजीलाल गुर्जर निवासी महावीर जी हाल निवासी रोडकला थाना सदर करौली को गंभीर नदी की गहरी खाइयो से गिरफ्तार कर लिया है।

करौली जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में जिला स्पेशल टीम करौली द्वारा इनामी, वांछित अपराधियों के खिलाफ एक के बाद एक तावड तोड कार्यवाही की जा रही है इसी कडी में जिला स्पेशल टीम ने सवाई माधोपुर जिले से फरार चल रहे 10 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है जिसमें कांस्टेबल आकाश सोलंकी एवं अमीर सिंह कि महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि चलाए जा रहे घर पकड अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए 4 वर्ष से जिला सवाई माधोपुर से फरार हत्या का प्रयास के आरोपी लखन पुत्र रामजीलाल गुर्जर को गंभीर नदी कि गहरी खाइयो से गिरफ्तार कर लिया है उन्होंने बताया कि इनामी बदमाश के रोडकला स्थित रिहायसी मकान में होने की सूचना कांस्टेबल अमीर सिंह को प्राप्त हुई जिस पर डीएसटी प्रभारी ने पुलिस टीम के साथ इनामी बदमाश लखन के घर पर दबिस दी जो पुलिस टीम को आता देखकर मकान के पास गंभीर नदी कि खाइयो में भाग गया जिसका टीम ने लगातार पीछा किया और तलाश करती रही कांस्टेबल अमीर सिंह और कांस्टेबल आकाश सोलंकी ने बदमाश कि गहरी खाइयो में 1 किलोमीटर तक पीछा किया और उसे दबोच लिया आरोपी पर थाना वजीरपुर में हत्या का प्रयास में मामला दर्ज है जिसमें वह 4 साल से फरार चल रहा था।

आरोपी को गिरफ्तार कर थाना वजीरपुर पुलिस को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द कर दिया है उन्होंने बताया कि टीम में शामिल सदस्यों को उचित इनाम और प्रशंसा पत्र दिए जाएंगे और स्पष्ट किया है कि सभी वांछित मुलजिमों कि जल्द गिरफ्तारी कर अपराधियों में भय और आमजन में विश्वास इसी तरह कायम किया जाएगा।

हत्या करने के मामले का पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस ने एक आरोपी को किया गिरफ्तार

खेतडी, (निसं)। पालोता के जोहड में डालकर व्यक्ति की हत्या करने के मामले में पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी ने पुछताछ के दौरान एक माह पहले हुई गाली गलौच से खफा होकर वारदात को अंजाम दिया गया है।

- गाली गलौच की बात से खफा होकर दिया वारदात को अंजाम
- जोहड किनारे शराब पार्टी करने के बाद चाचा की हत्या कर जोहड में डालकर फरार हो गया

थानाधिकारी ने बताया कि रविवार को पालोता निवासी प्रदीप कुमार ने रिपोर्ट दी कि उसका चाचा शनिवार शाम को घर पर ही था। शाम करीब सात बजे भजनलाल उर्फ भूजीया व रामफल उनके घर आए। इस दौरान वह दोनों महेंद्र को घर से बुलाकर अपने साथ ले गए, जहां उन्होंने जोहड किनारे शराब पार्टी करने के बाद उसके चाचा की हत्या कर जोहड में डालकर फरार हो गए। एसपी शरद चौधरी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला स्पेशल टीम व थानाधिकारी कैलाश चंद यादव के नेतृत्व में टीमें गठित कर वारदात के आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस की टीम ने रविवार को पालोता की रोही में दबिश देकर भजन लाल उर्फ भूजीया को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस द्वारा आरोपी से प्रथम पुछताछ में सामने आया कि एक माह पहले रामफल व महेंद्र के बीच गाली गलौच हो गई थी। जिसको लेकर रामफल महेंद्र से बदला लेना चाहता था। इसलिए उसने अपने भतीजे भजनलाल को साथ लेकर उसे जोहड किनारे ले गए। वहां शराब का नशा होने पर उसके साथ मारपीट कर घसीटकर जोहड के पानी में ले गए तथा उसे डूबाकर घर चले गए। मृतक महेंद्र पानी में दलदल में फंस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी सुबह जोहड में उसे देखने के लिए आए। जब वह नहीं मिला तो नीम की छंगाई करने चले गए।

जब ग्रामीणों से आरोपियों को पता चला की महेंद्र की मौत हो गई तथा उसका शव जोहड में पडा है तो आरोपी गांव से फरार हो गए। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा फरार आरोपी रामफल की तलाश में उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। वारदात के आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इस दौरान टीम में थानाधिकारी कैलाश चंद यादव, एएसआई धुडसिंह सिंह, कांस्टेबल निहाल सिंह, सुशील कुमार, अजय कुमार, विकास आदि शामिल थे।

देर रात पांच मकानों में हुई चोरी की वारदात

करीब डेढ़ लाख नगदी सहित 60 तौला सोने के आभूषण चोरी

नदबई/भरतपुर, (निस)। नदबई क्षेत्र के गांव कबई में देर रात अज्ञात बदमाशों ने पांच मकानों से करीब डेढ लाख की नगदी सहित 60 तौला सोने के आभूषण सहित अन्य कीमती सामान चोरी की बारदात को अंजाम दिया। एक साथ पांच मकानों से चोरी की बारदात होने पर ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नाराजगी जताते हुए एसडीएम को ज्ञापन दिया।

जिसमें ग्रामीणों ने शीघ्र मामलें का खुलासा नही होने पर धरना प्रदर्शन करने को कहा। बाद में विधायक जगत सिंह ने मौके पर पहुंच पुलिस अधिकारियों के समक्ष नाराजगी जताई। वही, मुख्यमंत्री का गृहक्षेत्र होने के बावजूद नदबई व लखनपुर में चोरी की बारदात नही थमने पर पुलिस गश्त बढाने व चार दिवस में आरोपी गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। विधायक की नाराजगी देख एडीशनल एसपी जयनारायण मीणा व पुलिस सीओ अमर सिंह राठौड ने मौके पर पहुंच जांच पडताल की। वही, डॉग स्क्वायड व जिला एफेसल टीम की सहायता से साक्ष्य एकत्रित कर अज्ञात बदमाशों का सुराग लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने अलग-अलग टीम गठित कर दबिश दी। लेकिन, बदमाशों का सुराग नही लग सका।

पांच मकानों में चोरी होने के बाद ग्रामीणों ने एस.डी.एम. को ज्ञापन दिया।

परिजन सोते रहे, बदमाश चोरी कर ले गए सामान-सूत्रों की मानें तो कबई निवासी हुकम सिंह पुत्र कल्याण सिंह अपनी पत्नी के साथ कमरे में सो रहा। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने कमरे की कुंदी लगाते हुए दम्पत्ति को बंद कर दिया। बाद में दूसरे कमरे में रखी अलमारी से 65840 रुपए की नगदी सहित 45 तौला सोने के आभूषण, 45 किलो घी व अन्य घरेलू सामान चोरी कर ले गए। बच्चू सिंह पुत्र बदन सिंह के मकान से 55 हजार की नगदी एवं दस तौला सोने व आधा किलो चांदी के आभूषण चोरी हुए। पीडित जयसिंह पुत्र सूरज के मकान से 20 हजार नगदी व एक किलो चांदी व तीन तौला सोने के आभूषण, प्रताप सिंह पुत्र दयाचंद के मकान से 7500 नगदी, आधा किलो चांदी के आभूषण व दस किलो घी एवं गुड्डू सिंह पुत्र नारायण सिंह के मकान से तीन तौला सोने के आभूषण व करीब दो हजार की नगदी चोरी हुई।

- विधायक ने पुलिस अधिकारियों को दिए निर्देश, चार दिवस में बदमाशों को गिरफ्तार करने के निर्देश

पीडित ने दी आत्मदाह की चेतावनी :- पीडित हुकम सिंह ने पुत्रवधु व तीन पुत्रियों के अलमारी में रखे 45 तौला सोने के जेबरात चोरी होने से क्षुब्ध होकर पुलिस अधिकारियों के समक्ष चोरी का खुलासा करने की गुहार लगाई। वही, चोरी की बारदात का खुलासा नही होने पर आत्मदाह करने को कहा। बाद में विधायक ने पीडित से समझाइस करते हुए हरसंभव सहयोग करने व चार दिन में खुलासा नही होने पर ग्रामीणों के साथ सडक पर धरना प्रदर्शन करने के आश्वासन देने पर मामला शांत हुआ।

आज तक योजना के तहत 2781 खेलो इंडिया खिलाड़ियों (केआईए) की पहचान की गई है जिन्हें कोचिंग, उपकरण, चिकित्सा देखभाल और मासिक आउट ऑफ पॉकेट भत्ता (ओपीए) के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है।

- मनसुख मांडविया

खेलो इंडिया योजना को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

वेंकटेश अय्यर

आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने पिछली बार चैम्पियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। ऐसे में टीम की कप्तानी को लेकर अभी किसी का नाम सामने नहीं आया है। टीम की ओर से भी पत्ते खुल नहीं रहे हैं, लेकिन इस टीम के सबसे महंगे प्लेयर वेंकटेश अय्यर को कप्तान बनाए जाने की चर्चा होने लगी है। अगर वेंकटेश को केकेआर का कप्तान बनाया जाता है, तो इंदौर ही नहीं, मध्यप्रदेश से आईपीएल को पहला कप्तान मिलेगा। ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को केकेआर ने 23.75 करोड़ में खरीदा है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैण्ड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

अल-साद ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल-नासर को हराकर प्लेऑफ में बनाई जगह

कतर, 3 दिसम्बर। कतर के क्लब अल-साद ने क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बिना खेल रहे सऊदी अरब के क्लब अल-नासर को 2-1 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट के प्लेऑफ में जगह बना ली है। दरअसल, अल-नासर पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह सुरक्षित कर चुका था इसलिए उसने पिछले तीन मैच में पांच गोल करने वाले रोनाल्डो को इस मैच में आराम दिया था। इस दिग्गज फुटबॉलर ने बाहर बैठकर यह मैच देखा।

अल-साद ने मध्यांतर के 8 मिनट बाद अकरम अफीफ के गोल की मदद से बढ़त हासिल कर ली। निर्धारित समय का खेल समाप्त होने में जब केवल 10 मिनट का समय बचा था तब रोमेन सैस ने आत्मघाती गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। कतर की टीम को हालांकि इंजरी टाइम में पेनल्टी मिली जिसे अल्जीरिया के एडम ओनास ने गोल में बदल दिया।

वहीं इस जीत के बाद अल-साद के कोच फेलिक्स सांचेज़ ने कहा कि, ये एक कठिन और करीबी खेल था। हमने अल-नासर को गोल रोकने के लिए और उनके घरेलू स्टेडियम में जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की। खिलाड़ियों ने अपना अच्छा खेल दिखाया।

ईरान के एस्टेघलाल द्वारा साऊदी अऱब को 2-2 से हराने के बाद अल अहली क्लब पहले स्थान पर था। जेद्दा में मेजबान के लिए दोनों गोल इवान टोनी ने किए। राफेल सिल्वा ने 42 मिनट के बाद तेहरान टीम के लिए स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन टोनी ने मौके से ब्रेक से ठीक पहले स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

मोहम्मद होसैन एल्सामी ने फिर से शुरू किया और 6 मिनट बाद एस्टेघलाल की बढ़त बहाल कर दी, लेकिन टोनी ने आखिर में चार मिनट पहले अपना दूसरा पेनल्टी स्कोर किया, जो एक हफ्ते के अंतराल में इंग्लैंड के स्ट्राइकर के लिए एशिया में चौथा गोल था। वहीं ईरान के पर्सेपोलिस ने इराक के अल-शॉर्टा को 2-1 से हराया, जबकि संयुक्त अरब अमीरात के अल-वास्ल ने कतर के अल-रेयान के साथ 1-1 से ड्रा खेला।

टीम इंडिया-सीनियर बनी फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 की चैंपियन

इंडिया-सीनियर के विकास यादव बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

जयपुर, 3 दिसंबर। एक रोमांचक फाइनल में, टीम इंडिया-सीनियर ने जीत हासिल कर फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 का चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने आज फाइनल मैच में जयपुरिया क्रिकेट एकेडमी में टीम इंडिया-ए को हराया। यह टूर्नामेंट राजस्थान डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा पैट्रोलियम स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था। चयनित टीम 14 जनवरी, 2025 से श्रीलंका में आयोजित होने वाली बहुप्रतीक्षित फोर नेशंस क्वाड्रीलेटरल सीरीज़ में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी, जिसमें भारत, यूके, पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमें शामिल होंगी।

पहले खेलते हुए टीम इंडिया-ए के लिए, ज़फ़र भट्ट और विकेटकीपर बलराम बस्तिया ने पारी की शुरुआत की। उन्हें जल्दी ही झटका लगा जब बलराम 12 रन बनाकर साईंनाथ रेड्डी के हाथों आउट हो गए। ज़फ़र भट्ट को फिर बीच में राजेश कन्नूर का साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े, उसके बाद ज़फ़र 29 गेंदों में 38 रन बनाकर आउट हो गए। तीसरा और चौथा विकेट बहुत जल्दी गिर गए। राजेश कन्नूर और दीपेश भारती ने पांचवें विकेट के लिए 152 रन जोड़े। राजेश कन्नूर ने 40 गेंदों में 74 रन बनाए, जबकि दीपेश भारती ने 18 गेंदों में 36 रन बनाए। पारी के अंत में, उन्होंने 20 ओवर में 179/6 का एक विशाल स्कोर बनाया।

180 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, सुरेन्द्र कुमार और प्रभजोत सिंह ने इंडिया-सीनियर के लिए पारी की शुरुआत की। प्रभजोत सिंह ने 7 गेंदों में 8 रन बनाए, सुरेन्द्र कुमार ने 41 गेंदों में 56 रन बनाकर टीम को एक अच्छी शुरुआत दी, जबकि विकेटकीपर योगेंद्र भदौरिया ने 14 गेंदों में 24 रन जोड़े। फिर मैच में विकास यादव का जलवा था। उन्होंने धुंआधार खेल दिखाते हुए मात्र 19 गेंदों में 55 रन बनाकर टीम को विजयी बना दिया। इंडिया-सीनियर ने 4 विकेट्स (181/6) से यह मैच जीता। इंडिया-सीनियर के विकास यादव को प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

फिजिकली डिसेबल्ड चैलेंजर्स ट्रॉफी 2024 के लिए प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट विकास यादव को पुरस्कार में 5000 का चैक भेंट किया गया। बैटर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए राजेश कन्नूर को सम्मानित किया गया। शानमुगम बने बॉलर ऑफ द टूर्नामेंट और योगेंद्र भदौरिया को फील्डर ऑफ द टूर्नामेंट चुने गए।

मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर में

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 का आगाज

जयपुर, 3 दिसंबर। मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर में ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल (पुरुष) टूर्नामेंट 2024-25 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस प्रतिष्ठित आयोजन में देशभर की 16 टीमें भाग ले रही हैं, जिसमें हर जोन से आए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। टूर्नामेंट का आयोजन मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर द्वारा किया जा रहा है, जो युवाओं के खेल कौशल को बढ़ावा देने और उनके उत्साह को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का एक बेहतरीन प्रयास है।

इस टूर्नामेंट का उद्घाटन मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर के अध्यक्ष प्रोफेसर एन.एन. शर्मा ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों से मिलकर उन्हें इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का हिस्सा बनने के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रोफेसर शर्मा ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल सिर्फ प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जीवन को अनुशासन, उत्साह और आत्मविश्वास से भर देता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को खेल भावना के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की सलाह दी।

यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ. नीतू भटनागर ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए यह सुनिश्चित किया कि टूर्नामेंट के दौरान उन्हें हर प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को केवल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और उनकी सभी आवश्यकताओं का ध्यान विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा रखा जाएगा।

खेल निदेशक डॉ. रीना पूनिया और उनकी टीम ने टूर्नामेंट के आयोजन की पूरी जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि प्रतियोगिता का हर चरण सुचारू रूप से आयोजित हो और प्रतिभागियों को सकारात्मक और यादगार अनुभव मिले।

यह टूर्नामेंट लीग और नॉकआउट फॉर्मेट में खेला जाएगा। पहले दो दिन, यानी 2 और 3 दिसंबर, को लीग मैच आयोजित किए जाएंगे, जबकि अंतिम दो दिन, 4 और 5 दिसंबर, को नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे।

नाहिद राणा ने वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेला

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। तेज गेंदबाज नाहिद राणा (5 विकेट) की सटीक गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने किंग्स्टन में वेस्टइंडीज को बैकफुट पर धकेल दिया है। सोमवार को मुकाबले के तीसरे दिन स्टंप्स तक बांग्लादेशी टीम ने दूसरी पारी में 5 विकेट पर 193 रन बना लिए हैं। जाकेर अली 29 और तैजुल इस्लाम 9 रन के स्कोर पर नाबाद हैं। बांग्लादेशी टीम ने पहली पारी में 164 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 146 रन पर ऑलआउट कर दिया और 18 रन की बढ़त ली। फिलहाल, टीम की कुल बढ़त 211 रन हो चुकी है। दूसरी पारी में बांग्लादेश की शुरुआत खराब रही। टीम ने शून्य के स्कोर पर पहला विकेट गंवाया। जब जॉयडन सिल्स ने पहले ओवर की 5वीं बॉल पर महमुदुल्ला हसन जॉय को एथनॉज के हाथों स्लिप पर कैच कराया। ऐसे में शदमान इस्लाम ने शहादत हुसैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन वे 46 रन पर आउट हो गए। कप्तान मेहदी हसन मिराज ने 42 रनों का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से शमार जोसेफ ने दो विकेट झटके। एक-एक विकेट जॉयडन सिल्स, अल्जारी जोसेफ और जस्टिन ग्रेवस ने लिए।

गौतम गंभीर भारतीय टीम से जुड़ने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटे

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर। भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर ऑस्ट्रेलिया वापस लौट गए हैं। 26 नवंबर को गौतम फैमिली फंक्शन में हिस्सा लेने के लिए भारत गए हुए थे। गौतम कैनबरा में हुए दो दिवसीय पिंक बॉल प्रैक्टिस मैच में टीम का हिस्सा नहीं थे। इस मैच को भारत ने 6 विकेट से जीता था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। इस मैच में वापसी कर रहे कप्तान रोहित शर्मा मिडिल आर्डर में बल्लेबाजी करते दिख सकते हैं। रोहित पर्थ टेस्ट में टीम का हिस्सा नहीं थे।। वे पैटर्नटी लीव पर थे। रोहित की पत्नी रितिका ने बेटे को जन्म दिया है।

दूसरे टेस्ट के लिए क्या होगी प्लेइंग-11 : गंभीर के लिए दूसरे मैच की प्लेइंग-11 चुनना सबसे बड़ा सिरदर्द होगा। टीम में कप्तान रोहित शर्मा की वापसी हुई है। वहीं प्रैक्टिस मैच में शुभमन गिल ने शानदार अर्धशतक लगाया था। टीम देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल की जगह इन दोनों प्लेयर्स को प्लेइंग-11 में शामिल करेगी। लेकिन सवाल ये बनता है कि टीम का ओपनिंग कॉम्बिनेशन क्या होगा। पर्थ टेस्ट की दूसरी इनिंग में जायसवाल और केएल राहुल ने डबल सेंचुरी पार्टनरशिप की थी। वहीं पिंक बॉल टेस्ट में भी जायसवाल के साथ राहुल ओपन करने उतरे थे। इस मैच में रोहित शर्मा ने मिडिल ऑर्डर में बैटिंग की थी। ऐसे में एडिलेड टेस्ट में जायसवाल-राहुल की सलामी जोड़ी के साथ गिल तीसरे नंबर पर और रोहित, विराट के बाद मिडिल आर्डर में बैटिंग कर सकते हैं।

// अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन //

गुवाहाटी और चंडीगढ़ सर्किल की पुरूष टीमों में खिताबी टक्कर

बेंगलूरू और भोपाल सर्किल की महिला टीमें भी फाइनल में

जयपुर, 3 दिसंबर। गुवाहाटी की पुरूष टीम ने अखिल भारतीय एस.बी.आई. इंटर सर्किल बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका मुकाबला चंडीगढ़ से होगा। सवाई मानसिंह स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में महिलाओं की खिताबी भिड़त बेंगलूरू और भोपाल सर्किल के बीच होगी। पुरूष वर्ग के सेमीफाइनल में गुवाहाटी ने कोलकाता को 2-1 से पराजित किया। दूसरे सेमीफाइनल में चंडीगढ़ ने मुम्बई सर्किल को 2-1 से शिकस्त दी। मैचों के पूर्व सर्किल वेलफेयर कमेटी के सचिव विनोद तंवर व सहायक प्रबंधक (एच.आर.) मानव अग्रवाल व चीफ मैनेजर (आई.आर) अमित सरदाना और, चीफ रेफरी जगदीश खत्री और कोच यादवेन्द्र सिंह ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस मौके रविकान्त लाटा भी मौजूद थे। महिलाओं के सेमीफाइनल में बेंगलूरू ने तिरूवनन्तपुरम् को आसानी से 2-0 से हरा दिया। दूसरे सेमीफाइनल में भोपाल ने नई दिल्ली सर्किल को 2-0 से शिकस्त दी।

पैरा-एथलीट ठाकराराम अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर हुए सम्मानित

सांचौर, 3 दिसंबर। अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित हुए सम्मान समारोह कार्यक्रम में जिला कलेक्टर शक्ति सिंह राठौड ने जिले के पैरा-एथलीट ठाकराराम को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि सांचौर जिले के निवासी पैरा-एथलीट ठाकराराम ने बेंगलुरु में आयोजित हुई 5वीं इंडियन ओपन पैरा- एथलेटिक्स इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2023 की सौ मीटर, ट्रैक एंड फील्ड स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर शक्ति सिंह राठौड ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा कहा कि जिले के प्रतिभाशाली खिलाडी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में भाग लेकर जिले का नाम रोशन करें।

एसएफए चैंपियनशिप 2024-शी इज गोल्ड, कोच डे मनाया

जयपुर, 3 दिसंबर। एसएफए चैंपियनशिप 2024 के चौथे दिन मंगलवार को को खो-खो मुकाबलों की धूम रही, जिसमें अंबाबाड़ी के सेंट्रल एकेडमी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की लड़कियों ने अंडर-18 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और चोमू के राघव वर्ल्ड स्कूल ने रजत पदक जीता। चैंपियनशिप में मंगलवार को शी इज गोल्ड डे और कोच डे भी मनाया गया, जिससे आने वाले रोमांचक मुकाबलों के लिए माहौल और भी ज़्यादा जोशपूर्ण हो गया।

दूसरी तरफ, जयश्री पेड़ीवाल हाई स्कूल की लड़कियों ने अंडर-16 बास्केटबॉल में स्वर्ण पदक जीता, जबकि कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल ने इसी वर्ग में रजत पदक जीता। चैंपियनशिप के पांचवें दिन मंगलवार को तैराकी, टेनिस और टेबल टेनिस की शुरुआत भी हुई। इसके अलावा, लड़कों की अंडर-16 वॉलीबॉल स्पर्धा में, एनबीपी पब्लिक स्कूल ने स्वर्ण और सीडलिंग मॉडर्न हाई स्कूल, दुर्गापुरा ने रजत पदक जीता।

इस बीच, टेनिस में महाराज सवाई मानसिंह विद्यालय, रामबाग की तरुणिका खंडेलवई ने लड़कियों के अंडर-10 वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि जानकीदेवी पब्लिक स्कूल, प्रताप नगर की आध्या अवस्थी ने रजत पदक जीता।

इसके अलावा, नीरजा मोदी स्कूल, मानसरोवर के आदित्य शर्मा ने लड़कों के अंडर-14 वर्ग में 100 मीटर फ्री स्टाइल तैराकी में स्वर्ण पदक जीता, जबकि जयश्री पेड़ीवाल ग्लोबल स्कूल के अनीश श्रीपद हनमसागर उनके पीछे रहे। चार दिनों के खेल के बाद, कैम्ब्रिज कोर्ट वर्ल्ड स्कूल 13 स्वर्ण, 20 रजत, 18 कांस्य पदक और कुल 143 अंकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर है। जयश्री पेड़ीवाल हाई स्कूल, चित्रकूट 65 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जो तीसरे स्थान पर काबिज कैम्ब्रिज कोर्ट हाई स्कूल, मानसरोवर से तीन अंक आगे है।

युवा मामले एवं खेल विभाग

रन फॉर विकसित राजस्थान 12 दिसंबर को

जयपुर, 3 दिसंबर। राज्य सरकार के कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 दिसंबर को जयपुर में रन फॉर विकसित राजस्थान-2024 (रवि-राज) का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा तथा खेल मंत्री, राजस्थान सरकार कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ प्रातः 8 बजे जनपथ स्थित अमर जवान ज्योति से रन फॉर राजस्थान को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने आज मंगलवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में 'रन फॉर विकसित राजस्थान' कार्यक्रम के आयोजन की तैयारियों के सम्बन्ध में बैठक ली और संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित विभाग कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करें।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मार्ग अमर जवान ज्योति से एसएमएस स्टेडियम का पूर्ण चक्कर लगाकर टोंक रोड, रामबाग सर्किल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्किल से अमर जवान ज्योति रहेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, एनसीसी, एनएसएस, भारत/हिन्दुस्तान स्काउट एंड गाइड, पुलिस, आरएसी, सेना, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, एनजीओ और आमजन सहित लगभग 10 हजार प्रतिभागी रवि-राज कार्यक्रम का हिस्सा होंगे।

डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि इस अवसर पर पेरिस पैरा ओलिंपिक-2024 एवं एशियन गेम्स व पैरा एशियन गेम्स-2023 के पदक विजेताओं को सम्मानित किया जायेगा।

बैंडवादन व सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन: डॉ. पवन ने बताया कि कार्यक्रम में सेना, पुलिस, आरएसी, स्काउट एंड गाइड आदि संस्थाओं द्वारा बैंडवादन सहित राजस्थानी लोक कलाकारों के नृत्य की विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी। उन्होंने बताया कि स्वामी विवेकानंद जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) के उपलक्ष्य में 12 दिसंबर 2024 से 12 जनवरी 2025 को ''विवेक मास'' के रूप में मनाया जायेगा। इस पूरे महीने सम्पूर्ण प्रदेश में खेल प्रतियोगिताएं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता

मोहित गुप्ता की घातक गेंदबाजी से एसजे क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 3 दिसंबर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में मोहित गुप्ता 22 रन पर 5 विकेट, शुभम खण्डेलवाल 9 रन पर 3 विकेट तथा दिनेश मीणा 12 रन पर 2 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत एस जे पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने द राईजिंग क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर द राईजिंग क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी की लेकिन जतिन साँवरिया 25 रन, तथा योगेश 10 रन, को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज एस जे क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों मोहित गुप्ता 22 रन पर 5 विकेट, शुभम खण्डेलवाल 9 रन पर 3 विकेट तथा दिनेश मीणा 12 रन पर 2 विकेट की घातक गेंदबाजी के समक्ष कोई बल्लेबाज नही टीक सका और पूरी टीम 17.5 ओवर में मात्र 74 रन पर सिमट गयी।

जवाबी पारी में एस जे पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने ओवेस राजपूत 16 रन, भानू नाबाद 12 रन, कोवित जैनरीवाल 11 रन के सहयोग से विजयलक्ष्य 22.2 ओवर में 5 विकेट खोकर 75 रन बनाकर विजय लक्ष्य हासिल कर लिया और अपनी टीम को 5 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच का मैन ऑफ द मैच मोहित गुप्ता 22 रन पर 5 विकेट एस जे क्रिकेट एकेडमी रहे।

// सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी , राजस्थान-पंजाब मैच //

राजस्थान के कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी

जयपुर 3 दिसंबर। राजस्थान के युवा प्रतिभावान बल्लेबाज कार्तिक शर्मा की अर्धशतकीय पारी भी आज राजकोट में बीसीसीआई की सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के पंजाब के विरुद खेले गए मैच में राजस्थान को जीत नहीं दिला पाई।

टॉस जीतकर पहले बलबाजी करते हुए राजस्थान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई। टीम के दोनों सलामी बल्लेबाज मात्र 8 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। तीसरे विकेट के लिए युवा कार्तिक शर्मा व अनुभवी दीपक हुड्डा के मध्य 65 रनो के साझेदारी हुई। राजस्थान के युवा खिलाडी कार्तिक शर्मा ने 50 रनो की आतिशी अर्धशतकीय पारी खेली जिसमे उन्होंने 34 गेंदों का सामना करते हुए 4 आसमानी छक्के व 3 चोक्के लगाए। शुभम गढ़वाल ने 21 गेंदों का सामना करते हुए 3 छक्के व 1 चौक्का लगाया , दीपक हुड्डा 23 , महिपाल लोमरोर 15 , कमलेश नागरकोठी 13 व दीपक चाहर 12 रनो का योगदान दिया।

‘पारदर्शिता के साथ आंगनबाड़ी केन्द्रों का संचालन करें’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने महिला एवं बाल विकास की समीक्षा बैठक में निर्देश दिये

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया और अधिकारियों को आंगनबाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के लिए निर्देश दिए।

जयपुर, 3 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आंगनबाड़ी केन्द्रों पर सुविधाओं का उन्नयन करते हुए पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ केन्द्रों का संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी सुनिश्चित करें कि महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण एवं सशक्तीकरण की योजनाओं का लाभ प्रत्येक महिला, बच्चे और परिवार तक पहुंचे। उन्होंने बजट घोषणाओं का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित किया उन्होंने विभाग के अधिकारियों को वार्षिक कैलेण्डर बनाकर आंगनबाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करने और आवश्यक व्यवस्थाएं दुरूस्त करने के लिए निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सी.सी.टी.वी. कैमरे लगवाए जाएं।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा सेतु योजना की समीक्षा की व अधिकारियों से कहा कि बीच में ही पढ़ाई छोड़ने वाली लड़कियों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बालिकाओं को समुचित शिक्षा और सम्बल प्रदान करने के लिए ‘लाडो प्रोत्साहन योजना’ अहम है, जिसके तहत हमारी सरकार बेटी के जन्म से लेकर स्नातक शिक्षा पूरी करने तक एक लाख रुपये की राशि दे रही है। उन्होंने बताया, राज्य सरकार शीघ्र ही इसके अन्तर्गत 1 साथ 1 लाख लाभार्थियों के खातों में प्रति लाभार्थी 2500 रूपये की किस्त हस्तांतरित करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार जल्द ही ‘प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना’ के अन्तर्गत एक साथ लगभग 70 हजार लाभार्थियों को बढ़ी हुई 1500 रूपये की अतिरिक्त राशि देने जा रही है।

- उन्होंने कहा विभाग के अधिकारी वार्षिक कलैण्डर बना कर आंगन बाड़ी केन्द्रों का सघन निरीक्षण करें। पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सी.सी.टी.वी. कैमरे लगायें।
- मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार जल्द ही ‘‘प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना’’ के तहत 70 हजार लाभार्थियों को बढ़ी हुई, 15 सौ रुपये की अतिरिक्त राशि देने जा रही है।

शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार (आंगनबाड़ी दुग्ध वितरण योजना) योजना का भी शीघ्र शुभारंभ किया जाएगा। इसके अन्तर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों पर सप्ताह में तीन दिन दूध उपलब्ध करवाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार 200 करोड़ रूपये व्यय करेगी।

शर्मा ने अधिकारियों को महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्र की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला एवं बच्चे समाज के प्रमुख अंग है, जिनके उत्थान के लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

बैठक में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल एवं प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

चिन्मय दास को वकील नहीं मिला, सुनवाई एक माह बाद

ढाका, 03 दिसंबर। हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास का प्रतिनिधित्व करने के लिए कोई वकील उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण, उन्हें बांग्लादेश की अदालत से मंगलवार को कोई राहत नहीं मिल सकी और उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई एक महीने के लिए स्थगित कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। ‘बीडीन्यूज24डॉटकॉम’ ने चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस के ए.डी.सी. (अभियोजन) मोफिजुर रहमान के हवाले से बताया कि मंगलवार को जमानत याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद, न्यायाधीश ने अगली सुनवाई के लिए दो जनवरी की तारीख तय की। अब एक महीने बाद ही पता चल सकेगा कि दास को उनके खिलाफ दर्ज राजद्रोह के मामले में जमानत मिलेगी या नहीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर मंगलवार को चटगांव मेट्रोपॉलिटन सत्र के न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम की अदालत में सुनवाई होनी थी, लेकिन चिन्मय की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ।

दो बच्चों सहित पति-पत्नी ने आत्महत्या की

- झालावाड़ जिले के जैताखेड़ी गाँव में इस दर्दनाक हादसे से सनसनी फैली।
- लोग पारिवारिक कलह को कारण बता रहे हैं। सुसाइड नोट मिलने की भी चर्चा है।

झालावाड़, 3 दिसम्बर (निसं)। जिले के गंगधार थाना क्षेत्र के जैताखेड़ी गांव में मंगलवार सुबह दो बच्चों सहित दम्पत्ति ने फांसी लगा ली, जिससे चारों की दर्दनाक मौत हो गई।

ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस मौके पहुंची और शवों को चौमहला के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की मोर्चरी में रखवाया है।

सूचना मिलने पर, पुलिस उपाधीक्षक जयप्रकाश अटल, थानाधिकारी अमरनाथ जोगी मौके पर पहुंचे, जिसके बाद चारों के शव चौमहला अस्पताल में लाए गए, जहां चिकित्सकों ने जांच कर सभी की मृत्यु की पुष्टि की एवं शव मोर्चरी में रखवाए। मृतकों में नागूसिंह (27), पत्नी संतोष बाई (25), बेटा युवराज (6) एक अन्य बेटा एक साल का है। एक परिवार के चार सदस्यों की मौत के बाद पूरे गांव व क्षेत्र में सनसनी फैल गई। जिला पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि सुबह सूचना मिली थी कि गंगधार थाना क्षेत्र के जैताखेड़ी गांव के एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। उस पर गंगधार थानाधिकारी अमरनाथ जोगी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। अभी तक जो हालात सामने आए हैं, उनमें मृतक नागू सिंह ने, अपनी पत्नी व बड़े बेटे के साथ फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। साथ ही एक वर्षीय छोटे बेटे का शव भी कमरे में पड़ा मिला है।

प्रारंभिक जानकारी, जो परिवार वालों से जानकारी मिल रही है, में पारिवारिक कलह का कारण सामने आ रहा है। मृतक नागू सिंह खेतीबाड़ी का काम करता था। मौके पर एक सुसाइड नोट मिलने की बात भी सामने आ रही है, लेकिन पुलिस की तरफ से फिलहाल इसकी कोई पुष्टि नहीं की गई है। ऐसे में आत्महत्या के कारणों का खुलासा फिलहाल नहीं हो पाया है। एफ.एस.एल. की टीम भी मौके पर पहुंची है, जिसके द्वारा जांच की जा रही है।

वहीं, घटनास्थल के दृश्य की बात करें तो वहां सबसे छोटे बालक का शव पलंग पर पड़ा हुआ मिला है, जिसके भी गले पर रस्सी जैसे निशान बताए जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि छोटे बेटे की मौत पहले हो गई थी, संभवतया उसके शव को उतार कर किसी ने पलंग पर लिटाया है, जबकि तीन अन्य फांसी के फंदे पर लटके हुए मिले, जिनको पुलिस द्वारा उतार कर अस्पताल पहुंचाया गया था।

फ्रांस, अब यूरोप में ब्रिटेन का स्थान लेने की पूरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रभाव को दिखाना चाहता है। एक महत्वहीन देश के रूप में ब्रिटेन अब वो प्रमुख आवाज़ नहीं है जिसे अमेरिका सुनेगा। फ्रांस अब अमेरिका के लिए यूरोप की मुख्य आवाज़ बनना चाहता है। फ्रांस के विचार व दृष्टिकोणों को, नैटो के माध्यम से सीधे यू.एस. में भेजा जा सकता है।

जर्मनी अब यूरोप की प्रमुख अर्थव्यवस्था नहीं रहा और इसकी पूर्व चांसलर, एंजला मार्कल अब नहीं है। वैसे भी, मार्कल के ट्रम्प के साथ मित्रतापूर्ण संबंध नहीं थे और विचारों में वे ट्रम्प के विपरीत है।

मार्कल अपनी आत्मकथा ‘‘फ्रीडम’’ को वॉशिंगटन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ प्रचारित कर रही है। जर्मनी में उनकी विरासत बहुत प्रशंसा योग्य नहीं है और उनकी नीतियों, जैसे, जर्मन परमाणु संयंत्रों को बंद करना और रूस की सस्ती प्राकृतिक गैस पर निर्भरता, ने जर्मनी को रूस की धमकियों के प्रति अतिसंवेदनशील बना दिया है।

इसके अलावा, मार्कल की उदार इमिग्रेशन (अप्रवासन) नीति ने विशेष रूप से अपने देश में सीरिया के लाखों शरणार्थियों को शरण देने के बाद देश में काफी तबाही मचाई है तथा जर्मनी की न्याय व कानून व्यवस्था की स्थिति में भारी गिरावट आई है। इस स्थिति की अपने चुनाव अभियान के दौरान डॉनल्ड ट्रम्प ने भारी आलोचना की थी।

आज के यूरोप में, ट्रम्प सभी लोगों से ज्यादा महत्व उस एक नेता को देते हैं, जिन्हें शेष सारा महाद्वीप नापसन्द करता है। वे हैं - हंगरी के राष्ट्रपति विक्टर ऑर्बन। अपने देश उदार लोकतन्त्र तथा उससे संबंधित संस्थाओं, जैसे स्वतन्त्र न्याय पालिका, स्वतन्त्र प्रैस तथा भाषण की स्वतन्त्रता पर उनके द्वारा किये जाने वाले हमलों के बीच,ऑर्बन राष्ट्रपति पद पर बने हुए हैं।

मैक्रां की ट्रम्प को खुश और संतुष्ट रखने की कोशिश यूरोप में फैली फोर अव्यवस्था की मौजूदा स्थिति में सर्वोत्तम प्रलोभन के रूप में उभर सकती है। इस समय पूरे यूरोप की अर्थव्यवस्था खराव एवं निष्प्रभ है। यूरोप उस रूस की धमकियों का सामना कर रहा है, जो अन्ततः यूक्रेन को हराकर ही मानेगा। इसके अलावा, वह पश्चिमी यूरोप के देशों की लोकतान्त्रिक संस्थाओं के लिए खतरा पैदा कर रहा है।

डॉनल्ड ट्रम्प ने यूरोपियन देशों को युद्ध के बाद दी गई पूर्ण एवं अभेद्य सुरक्षा की गारंटी को स्वीकार नहीं किया था। नैटो की इस धारा, कि नैटो के किसी भी एक सदस्य पर हुए हमले को सभी सदस्य देशों पर हुआ हमला माना जायेगा, रूस के हमले के खिलाफ, पश्चिमी यूरोपियन देशों के लिए सुरक्षा की गारंटी ही थी। किन्तु ट्रम्प का मानना था कि रूस उन यूरोपियन देशों के साथ जैसा भी व्यवहार करना ठीक समझता है, वैसा कर सकता है, जो ट्रान्स अटलांटिक नैटो ट्रीट्री के सदस्य हैं।

अब, डॉनल्ड ट्रम्प के साथ खान-पान के दौरान, अमेरिका की पुरानी सुरक्षा गारन्टी के बारे में उनके कम से कम विचार तो सामने आ सकते हैं। पश्चिमी यूरोप को मिल रहीं रूस की खुली धमकियों के बीच, मैक्रां, सुरक्षा के पारम्परिक लाभों की खातिर, अमेरिकनों के प्रति चन्द मित्रतापूर्ण शब्दावली के प्रयोग के सुअवसर का उपयोग कर सकते हैं।

अगर डॉनल्ड ट्रम्प रूस की किसी भी आक्रामकता से बचाव के सुरक्षा कवच के लिए, यूरोप की अनुनय-विनय तथा खुशामद को आंशिक रूप से भी सुन लें, तो इसे भी एक उपलब्धि माना जा सकता है।

इस दिशा में केवल एक आशाजनक संकेत है। ट्रम्प अपने एक नज़दीकी पारिवारिक सदस्य को फ्रांस में अमेरिकन राजदूत बनाने के लिए नामजद किया है। इसका अर्थ यह निकलना चाहिए कि फ्रांस कम से कम यह उम्मीद तो कर ही सकता है कि उनके इस नजदीकी पारिवारिक सदस्य के जरिये अमेरिका के इस स्वेच्छाधारी राष्ट्रपति के कानों तक अपनी फरियाद पहुंचाई जा सकती है।

पाकिस्तानः इमरान खान के खिलाफ गैर जमानती वारंट

इस्लामाबाद, 03 दिसंबर। पाकिस्तान की आतंकवाद निरोधक अदालत ने इमरान खान की पार्टी के समर्थकों द्वारा पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में किए गए प्रदर्शन से संबंधित एक मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खान, उनकी पत्नी बुशरा बीबी, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और 93 अन्य के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। अदालत के इस फैसले के बाद खान और उनके समर्थकों की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं।

‘पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ’ (पी.टी.आई.) के संस्थापक इमरान खान ने 24 नवंबर को देशव्यापी प्रदर्शन के लिए ‘करो या मरो’ का नारा दिया था।

भर्ती के एक साल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को पी.टी.आई. पद पर नियुक्त हुए एक साल से अधिक का समय हो चुका है। बोर्ड की ओर से नियुक्तियों को जांच के घेरे में रखकर एस.ओ.जी. से अनुसंधान कराया जा रहा है, जबकि सेवारत कर्मचारियों की जांच शिक्षा विभाग सी.सी.ए. नियमों के तहत करवा सकता है। कर्मचारी चयन बोर्ड को सेवारत कर्मचारियों की जांच कराने का अधिकार नहीं है।

हाउसिंग बोर्ड के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि यह विवाद इसलिये उत्पन्न हुआ था क्योंकि बोर्ड के अधिकारी इस स्कीम में उन कर्मचारियों को भी मकान आवंटन करने में लगे हुए थे, जो प्रतिनियुक्ति पर हाऊसिंग बोर्ड में आये थे और बोर्ड में स्थाई नहीं हुए थे। उनका कहना था कि इस विवाद के चलते अदालत ने वर्ष 2007 में ही एक अंतरिम आदेश दिया था जिस कारण से हाऊसिंग बोर्ड इस स्कीम में और आवंटन नहीं सकता था। जबकि 50 में से 41 आवास आवंटित कर दिये गये।

उन्होंने अदालत को कहा कि हाऊसिंग बोर्ड ने एक मंजू शर्मा को 2007 में ही उक्त स्कीम में लॉटरी के मार्फत घर आवंटन कर दिया और बिना वजह उनके मुवक्किल और अन्य दो जनों को लॉटरी में भाग नहीं लेने दिया। उन्होंने अदालत को बताया कि वर्ष नवम्बर 2006 में हाउसिंग बोर्ड के कर्मचारियों को 2002 की स्कीम में आवंटन किया जायेगा जिन्होंने पंजीयन राशि जमा करा दी थी।

हाऊसिंग बोर्ड के वकील ने अदालत को कहा कि हाईकोर्ट में विवाद लंबित रहने के दौरान वर्ष 2009 में एक प्रस्ताव पास कर दिया था, जिसके तहत बोर्ड भविष्य में प्लिंथ स्तर के मकानों का आवंटन नहीं करेगा। वकील का कहना था कि इसी कारण से बोर्ड ने इन तीन कर्मचारियों को आवंटन नहीं किया है।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुधांशु जोशी ने अदालत को बताया कि भविष्य में नई स्कीमों में प्लिंथ स्तर के मकानों के विषय में बात की गई है परंतु पुरानी स्कीमों के विषय में कुछ नहीं कहा गया है और यह 2002 की स्कीम पर लागू नहीं होता।

उन्होंने अदालत को यह कहा कि हाऊसिंग बोर्ड का यह तर्क, कि उनके मुवक्किल ने समय रहते मूल राशि जमा नहीं की थी, भी बेबुनियाद है क्योंकि हाऊसिंग बोर्ड ने 7 मार्च 2014 को पत्र लिखकर मूल राशि जमा करने को कहा था। उन्होंने कहा कि हाऊसिंग बोर्ड ने कभी भी इस बात को नहीं झुठलाया है और ना ही कभी वापिस लिया है।

अदालत ने इस तथ्य को भी स्वीकारा कि हाऊसिंग बोर्ड यह तर्क प्रस्तुत नहीं कर सकता कि कर्मचारियों ने लंबे समय तक आवंटन के लिये मूल राशि जमा ही नहीं कराई थी और दूसरी और वर्ष 2014 में ही (स्कीम पर विवाद के दौरान) राशि जमा करने को पत्र लिखा था। अदालत ने कड़े शब्दों में हाऊसिंग बोर्ड को कहा कि वे 2015 की दरों पर आवंटन करें और कर्मचारियों से किसी भी तरह का ब्याज नहीं वसूलें।

‘कार्यस्थल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सक्सेना सहित, अन्य को मामले में अदालत का सहयोग करने को कहा है।

अदालत ने इन अधिकारियों को बताने को कहा है कि क्यों न सभी नगर निगम और बोर्ड आदि सार्वजनिक क्षेत्र, गलियों और स्कूल आदि में टॉयलेट निर्माण के लिए समग्र स्कीम बनाएं। इसके अलावा, मामले में क्यों न संबंधित स्थानीय निकाय के आयुक्त या अतिरिक्त आयुक्त की अध्यक्षता में कमेटी गठित की जाए। इसके साथ ही, अदालत ने इन अधिकारियों को 31 बिंदुओं पर जवाब देने के लिए कहा है।

अदालत ने कहा कि महिला विकासशील देश की रीढ़ की भूमिका निभाती है। टॉयलेट के अभाव में महिलाओं को स्वास्थ्य की कई समस्याएं हो रही हैं। अदालत ने कहा कि घर से बाहर निकली महिलाएं अपने लिए टॉयलेट तलाश करती हैं, लेकिन उन्हें या तो टॉयलेट ही नहीं मिलता, या उसमें पर्याप्त साफ सफाई नहीं होती, जिसके कारण महिला वापस घर पहुंचने तक यूरीन रोक लेती हैं। अदालत ने कहा कि एक सामान्य ब्लैडर दो कप तक यूरिन रोक सकता हैं, लेकिन अधिक देर तक ऐसा करने पर ब्लेकर में खिंचाव हो जाता है।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है और उसके लिए जरूरी है कि उन्हें उचित स्थानों पर साफ और सुरक्षित टॉयलेट मिले।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मतदान का सारा डेटा मांगा

कांग्रेस पार्टी का दावा है कि बड़े पैमाने पर लोगों के नाम हटाये और जोड़े गये

- कांग्रेस का आरोप है कि लोकसभा चुनाव के पांच माह बाद एक क्षेत्र में तीन लाख नाम वोटर लिस्ट में कम हो गये।
- यह भी आरोप लगाया कि 118 विधानसभा सीटों पर वोटर बढ़े और इन्हीं में भाजपा उम्मीदवार जीते।

नयी दिल्ली, 03 दिसंबर। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात कर हाल में महाराष्ट्र तथा अन्य राज्यों में हुए चुनावों से जुड़ी अपनी आशंकाओं को लेकर आज ज्ञापन सौंपा और इस पर जल्द से जल्द विस्तृत जवाब देने की मांग की।

चुनाव आयोग से मिलने गये कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, राज्यसभा सांसद मुकुल वासनिक,महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले, पार्टी के संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा, प्रवीण चक्रवर्ती, गुरदीप सप्पल, शशिकांत सेंथिल, ओमर होडा तथा संजीव सिंह शामिल थे।

सिंघवी ने चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद निर्वाचन सदन के बाहर पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा, चुनाव आयोग से करीब डेढ़ से 2 घंटे तक व्यापक वार्ता हुई है और उनसे बातचीत में कहा गया कि चुनाव में पारदर्शिता और विश्वास बहुत जरूरी है अन्यथा यह लोकतंत्र पर आघात होता है। आयोग से मांगे गए सारे डेटा उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया है। डेटा से यह पता चल जाएगा कि महाराष्ट्र में इतने बड़े पैमाने पर लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कैसे हटाए और जोड़े गए हैं।

कांग्रेस ने कहा लोकसभा के चुनाव के बाद उसी क्षेत्र में पांच माह बाद लगभग 3 लाख कम नाम वोटर लिस्ट में पाए गए। इसमें सबसे महत्वपूर्ण बात है कि शाम पांच बजे वोट समाप्त होने के बाद 55 प्रतिशत मतदान आता है और रात 11 बजे के करीब मतदान 65 प्रतिशत हो जाता है। अंतिम आंकड़ा 67 प्रतिशत का आता है।

कांग्रेस नेता ने कहा जब वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने तथा हटाने और मतदान प्रतिशत में फर्क का सवाल पूछा गया तो आयोग ने कहा कि इन दोनों प्रक्रियाओं में अंतर होता है। महाराष्ट्र में करीब 118 विधानसभा क्षेत्रों में वोटर बढ़े हैं और इन्हीं क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवार जीते भी हैं। यदि आयोग हमारे सवालों का उत्तर नहीं देता है तो कांग्रेस के पास विशेषज्ञ हैं और पार्टी इस विवरण का विश्लेषण वह इसका विश्लेषण करेंगे।

अपराध साबित ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कैलाश एक अन्य हत्याकांड के मुकदमे में आरोपी था। प्रकरण में उन्हें फंसाया गया है। अभियोजन पक्ष की ओर से ऐसा एक भी स्वतंत्र गवाह पेश नहीं किया गया, जिसने हत्या होते हुए देखी हो। एफ.आई.आर. कराने वाले मनोज ने भी घटना नहीं देखी थी। उसने दूसरे लोगों की सूचना के आधार पर घटना के दो दिन बाद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ऐसे में उन्हें बरी किया जाए। सभी पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपियों को बरी कर दिया है। गौरतलब है कि अदालत ने दंगों के दौरान घटना के दिन मरे हरिराम के आठ हत्यारों को गत दिनों आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

महाराष्ट्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सहयोगियों को निमंत्रण दिया गया है।

इसके अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को भी महाराष्ट्र की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए न्योता भेजा गया गया है। इस शपथ ग्रहण समारोह की खास बात ये है कि इसमें देशभर के 400 साधु-संतों को भी निमंत्रण भेजा गया है। इसके अलावा अलग-अलग समाज के प्रतिनिधियों को भी निमंत्रण भेजा गया है। महाराष्ट्र के सभी कॉन्स्युलेट को भी निमंत्रण भेजा गया है।

अन्ततोगत्वा संसद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गौरव गोगोई ने मणिपुर मुद्दे पर लोकसभा में स्थगन नोटिस दिया।

तृणमूल कांग्रेस के सदस्य सुदीप बंदोपाध्याय ने कहा कि पड़ोसी बाँग्लादेश में अल्पसंख्यक मारे तथा प्रताड़ित किये जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि सरकार संयुक्त राष्ट्र संघ को बाँग्लादेश में तत्काल शान्ति कायम करने वाले दल भेजने के लिये कहे। उन्होंने माँग की कि विदेश मंत्री बाँग्लादेश की वर्तमान स्थिति पर संसद में बयान दें। कांग्रेस सांसद के. सुरेश ने भी बाँग्लादेश में अल्पसंख्यकों के संरक्षण पर जोर दिया।

कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने गुजरात के ख्याति हॉस्पिटल में की गई ‘‘अनावश्यक’’ सर्जरी के कारण हुई दो लोग को मौत पर राज्य सभा में शून्य काल नोटिस दिया। कांग्रेस सांसद विजय वसंत ने फेंगल चक्रवात के कारण तमिलनाडु में हुये नुकसान पर लोकसभा में स्थगन नोटिस दिया, जबकि कांग्रेस सांसद मणिकम टेगोर ने माँग की कि चक्रवात के कारण तमिलनाडु तथा पुडुचेरी में हुये भारी नुकसान के चलते, तुरन्त ही केन्द्रीय राहत जारी की जाये। आप सांसद संजय सिंह तथा राघव चड्ढा ने माँग की कि लोकसभा की कार्यवाही स्थगित करके, दिल्ली में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो जाने, अपराध बढ़ जाने तथा जनप्रतिनिधियों को धमकियाँ दिये जाने पर चर्चा की जाये।

लोकसभा में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक ऑफ इन्डिया एक्ट 1934, बैंकिंग रेग्यूलेशन एक्ट 1949, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया एक्ट 1955, बैंकिंग कम्पनीज़ (एक्विजिशन एवं ट्रान्सफर और अन्डरटेकिंग्स) एक्ट 1970 तथा बैंकिंग कम्पनीज़ (एक्विजिशन एंड ट्रांसफर ऑफ अन्डरटेकिंग्स) एक्ट 1980 में संशोधन करने के लिये लोक सभा में ‘‘द बैंकिंग लॉज़ (अमैन्डमेन्ट) बिल, 2024 पेश किया।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे एक्ट, 1989 में संशोधन करने के लिये रेलवेज़ (अमैन्डमेन्ट) बिल 2024 पेश किया।

इस बीच, केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह की सीट के बाद वाली सीट फिर से मिल गई।

केन्द्र सरकार ने महाकुंभ के लिये 21 सौ करोड़ रु. दिये

लखनऊ, 03 दिसंबर। संगम नगरी प्रयागराज में जनवरी से शुरू हो रहे विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक समागम- ‘महाकुम्भ-2025’ के लिए केंद्र सरकार ने 2100 करोड़ रुपए की विशेष अनुदान सहायता राशि स्वीकृत की है और पहली किस्त के रूप में 1050 करोड़ रुपए जारी कर दिये हैं। महाकुम्भ का आयोजन अगले साल 13 जनवरी से 26 फरवरी के मध्य निर्धारित है। महाकुम्भ के लिए केंद्र सरकार से एकमुश्त विशेष सहायता अनुदान के रूप में धनराशि स्वीकृत किये जाने का प्रदेश सरकार ने अनुरोध किया था। उत्तर प्रदेश सरकार 5435.68 करोड़ रुपए महाकुम्भ के आयोजन पर खर्च कर रही है। सरकार महाकुम्भ के लिए 421 परियोजनाओं पर काम कर रही है। प्रदेश सरकार की ओर से अब तक 3461.99 लाख की वित्तीय स्वीकृति निर्गत की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त विभिन्न विभागो द्वारा विभागीय बजट मद से 1636.00 करोड़ रुपए की 125 परियोजनाओं को क्रियान्वित कराया जा रहा है।

ट्रम्प ने ‘‘ब्रिक्स देशों’’ पर सौ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

- यहां पर उल्लेखनीय है, कि 1999 में 71 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार डॉलर में होता था, पर अब 2024 में केवल 58 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार डॉलर के मार्फत होता है, तथा इस बीच ‘‘यूरो’’ की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में हिस्सेदारी बढ़कर 20 प्रतिशत हो गई है।
- अगर डॉलर का उपयोग घटता है तो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में चीन की मुद्रा युआन का उपयोग बढ़ता है, भारत यह नहीं चाहता।

सुविधा से भारत को काफी लाभ हुआ है। पंत ने कहा कि भारत के लिए डॉलर वैश्विक ट्रेड का अभिन्न अंग है और भारत में इसका विकल्प ढूंढने की संभावना नहीं है। डी-डॉलराइजेशन ने तब सबका, खासकर रुस का, ध्यान खींचा, जब अमेरिका ने रुस व ईरान जैसे देशों के खिलाफ एक्शन लिया। रुस के एसैट्स, जो डॉलर्स में थे, यूक्रेन पर रुस के हमले के बाद फ्रीज़ कर दिए गए, इसकी वजह से मॉस्को अपने ही विदेशी मुद्रा भंडार से वंचित हो गया। इसी प्रकार, ईरान को भी परमाणु कार्यक्रम की वजह से कड़े प्रतिबंधों का पालन करना पड़ा। इसलिए रुस व ईरान दोनों ने ट्रेड में अमेरिकन डॉलर पर निर्भरता समाप्त करने की कोशिश शुरु कर दी। चीन ने अमेरिका के भावी प्रतिबंधों से बचने के लिए अपनी मुद्रा युआन में व्यापार पर जोर देना शुरु कर दिया।

लेकिन जहां चीन ने स्थानीय मुद्रा के प्रयोग का समर्थन किया है, वहीं उसने नई ‘‘ब्रिक्स’’ मुद्रा सृजित करने में रुचि नहीं दिखाई है। चीनी मुद्रा युआन, बढ़ते हुए अन्तर्राष्ट्रीय प्रयोग के बावजूद, अभी भी प्रभावी ग्लोबल रिज़र्व करैंसी बनने से काफी दूर है। ग्लोबल रिज़र्व में इसका सातवाँ स्थान है। यह अमेरिकन डॉलर से तो काफी पीछे है ही, यूरो तथा अन्य प्रमुख मुद्राओं, जैसे जापान की येन तथा ब्रिटेन के पाउण्ड से भी काफी पीछे है। इस प्रकार, जहाँ रुस और चीन को डॉलर के दूर होने से लाभ हो भी सकता है, वहीं, भारत इस प्रकार के किसी कदम को अपने हितों से जुड़ा हुआ नहीं मानता।

पंत ने यह भी कहा कि ब्रिक्स के अंदर चीन की भूमिका डी-डॉलराइजेशन पर दिये जा रहे जोर को जटिल बनाती है। इस ग्रुप में चीन का बढ़ता हुआ प्रभाव एक ऐसी स्थिति की ओर ले जा सकता है, जहाँ डॉलर से दूर हटने जैसी कोई भी वैश्विक पहल प्राथमिक रुप से बीजिंग को लाभ पहुँचायेगी। भारत के लिये, यह एक अवांछनीय नतीजा है। नई ब्रिक्स मुद्रा के पक्ष में वकालत करने के बजाय, भारत ने और ज्यादा व्यावहारिक तरीकों पर फोकस किया है तथा रुस जैसे देशों के साथ स्थानीय मुद्रा में व्यापार करने के रास्ते पर ध्यान दिया है तथा, विशेष रुप से आयात के संदर्भ में, भारत का रुपया, चीन का युआन तथा यू.ए.ई. का दिरहम शामिल हैं। लेकिन इन प्रयासों को, डॉलर से ज्यादा दूर होने के बजाय, अपवादों के रुप में देखा जा रहा है।

इस प्रकार, जहाँ डी-डॉलराइजेशन से सम्बंधित बयानों की तरफ कुछ ब्रिक्स राष्ट्रों का झुकाव हुआ, लेकिन ब्रिक्स में शामिल रुस, चीन और भारत सतर्कता से काम ले रहे हैं। इसका फोकस ऐसे व्यावहारिक समाधानों पर बना हुआ है, जिनसे इसके आर्थिक हित सधते हैं, इसका ध्यान खासतौर से अमेरिका के साथ रणीतिक सम्बंधों पर है। भारत डॉलर से दूर होने की वैश्विक हलचल के समर्थन में नहीं है, क्योंकि भारत का मानना है कि चीनी मुद्रा युआन को ग्लोबल रिज़र्व मुद्रा के रुप में प्रोत्साहित करने में उसका कोई रणनीतिक लाभ नहीं है। इसके बजाय, भारत उन देशों के साथ व्यापार करने में लचीलेपन की वकालत करता है, जो डॉलर के प्रयोग में आने वाली बाधाओं का सामना कर रहे हैं, लेकिन यह सब वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय व्यवस्था को नुकसान पहुँचाये बिना होना चाहिये।

इंडिया समूह ने संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

- विपक्षी दलों के सदस्यों का कहना है कि सरकार जनता के मुद्दों पर संसद में चर्चा करे।

नयी दिल्ली, 03 दिसंबर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से इंडिया समूह के नेताओं की वार्ता के बाद भी, मंगलवार को विपक्षी सदस्यों ने संसद भवन के बाहर मकर द्वार पर ज़बरदस्त प्रदर्शन किया।

संसद की कार्यवाही शुरू होने से ठीक पहले, विपक्षी दलों के सदस्यों ने मकर द्वार के बाहर प्रदर्शन किया और सरकार से कहा कि वह जनता के मुद्दों पर संसद में चर्चा करे और मनमानी से नहीं, बल्कि सभी की सहमति से संसद को चलाने का काम करे।

इससे पहले, इंडिया समूह के नेताओं ने ‘‘मोदी अडानी एक हैं’’ का बैनर लेकर प्रदर्शन किया और कई सदस्य हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर इसमें शामिल हुए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908